विस्तृत पाठ्य विवरण

(Detailed Syllabus)

शिक्षा में स्नातक – बी.एड.

(Bachelor of Education – B.Ed.)

सत्र 2020-22

अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यचर्या संरचना

Learning Outcome Based Curriculum Framework

शिक्षा विभाग

(DEPARTMENT OF EDUCATION)

महात्मा गाँधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

पोस्ट - हिंदी विश्वविद्यालय, गाँधी हिल्स, वर्धा, महाराष्ट्र - 442001

www.hindivishwa.org

पाठ्यक्रम-विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Teaching Programme

1. **विभाग/केंद्र का नाम : शिक्षा विभाग**
2. **(Name of the Department/Centre): Department of Education**

3. **पाठ्यक्रम का नाम : बी.एड (शिक्षा में स्नातक)**
4. **(Name of theProgramme): B.Ed.**
5. **पाठ्यक्रम कोड: बीईडी**
   (Code of theProgramme)

6. **अपेक्षित अधिगम परिणाम (PLOs):**
   (Programme Learning Outcomes)

ज्ञान संबंधी	कौशल/दक्षता संबंधी	रोजगार संबंधी
1. अध्येता विद्यार्थियों के समग्र विकास की परिकल्पना को समझेंगे 2. वे ऐसे शोध उन्मुख कार्य कर सकेंगे जो शिक्षा और समाज के संबंध को समझने में मदद करें। 3. वे विद्यार्थियों में व्याप्त विविधता का सम्मान करते हुए उसके समावेशन की ओर उन्मुख होंगे। 4. वे क्षेत्र, जाति, संप्रदाय , जेंडर आदि की विविधताओं का शिक्षण और अन्य दायित्वों में समावेशन का प्रयास करेंगे। 5. वे समुदाय के साथ अंतः क्रिया के दौरान सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के प्रति समनुभूति का भाव रखेंगे।	6. वे समसामयिक सूचना प्रौद्योगिकी एवं अन्य तकनीकों के माध्यम से प्रभाव प्रशिक्षण के लिए तत्पर रहेंगे। 7. उनमें संप्रेषण की समुचित दक्षता होगी जिसके द्वारा वे अपने विचारों को प्रभावपूर्ण संप्रेषण करने में दक्ष होंगे। 8. वे शिक्षण और आकलन की समसामयिक तक नीतियों की विशेष जानकारी रखेंगे और उसके अनुरूप उसका अभ्यास करेंगे। 9. वे शिक्षार्थी केंद्रित शिक्षण विधियों का प्रभावपूर्ण प्रयोग करने में सक्षम होंगे।	10. अध्येता शिक्षण व्यवसाय के मूल्यों के अनुरूप अभ्यास कर पाएंगे। 11. वे अपने निर्णय व्यवहार और अभ्यास के द्वारा शिक्षण व्यवसाय के लिए निर्धारित कसौटियों का पूर्ण पालन करेंगे।

बी.एड. पाठ्यक्रम (2020-22) की पाठ्यचर्या संरचना

कुल क्रेडिट=80/पूर्णांक=2000

सेमेस्टरवार विषय एवं क्रेडिट

सेमेस्टर-I (20क्रेडिट)

क्र.सं	कोर्सकोड	विषय-पत्र	क्रेडिट/पूर्णांक 20/500	आंतरिक मूल्यांकन (अधिभार%)	सत्रांत मूल्यांकन (अधिभार%)
		सैद्धांतिक विषय-पत्र			
1.	**बीईडी 01**	शिक्षा एवं उसका प्रयोजन	4/100	25	75
2.	**बीईडी 02**	शिक्षार्थी एवं उसका संदर्भ	4/100	25	75
3.	**बीईडी 03**	समकालीन भारत एवं शिक्षा	4/100	25	75
4.	**बीईडी 04**	पाठ्यचर्या और भाषा	2/50	25	75
5.	**बीईडी 05**	ज्ञानानुशासन एवं विषय अवबोधन	2/50	25	75
6.	**बीईडी 06**	शिक्षा में सूचना एवं संप्रेषण प्रौद्योगिकी	2/50	25	75
		प्रायोगिक विषय-पत्र			
7.	**प्रायोगिक**	प्रायोगिक क्रियाएं	2/50	100	
8.	**कम्प्यूटर अनुप्रयोग में दक्षता (लीला विभाग द्वारा)**				
	कुल क्रेडिट / कुल अंक		**20/500**		

प्रायोगिक क्रियाएं (सेमेस्टर-I)

क्र.सं	प्रायोगिक क्रियाएं	क्रियाकलाप
1.	'भारतीय शिक्षा दर्शन' पर परिचर्चा *	-भारतीय विचारकों के शैक्षिक सिद्धांत तथा वर्तमान शिक्षा में इसके निहितार्थ पर परिचर्चा में सहभागिता एवं प्रतिवेदन प्रस्तुति
2.	मनोविज्ञान के प्रयोग**	-कोई दो प्रयोग: स्मृति, बुद्धि, व्यक्तित्व, सृजनात्मकता, शिक्षण अभिवृति
3.	भारतीय शिक्षा से संबंधित दस्तावेजों का विश्लेषण***	- दस्तावेज विश्लेषण- विभिन्न शिक्षा आयोग से संबंधित रिपोर्ट, नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति प्रारूप आदि दस्तावेज
4.	भाषा प्रयोगशाला एवं बहुभाषिकता#	-भाषा प्रयोगशाला के माध्यम से संप्रेषण कौशल का विकास -'कक्षा में बहुभाषिकता' विषय पर विद्यार्थी सेमिनार
5.	विभिन्न ज्ञानानुशासनों की प्रकृति तथा सह-संबंधों का तुलनात्मक अध्ययन##	-माध्यमिक विद्यालयी शिक्षा स्तर पर भाषा, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान एवं गणित विषयों कीप्रकृति की तुलना करना तथा इन विषयों के मध्य सहसंबंध का विश्लेषणात्मक अध्ययन करते हुए प्रतिवेदन प्रस्तुत करना -अंतरानुशासनिक उपागम के माध्यम से विषय विशेष में पाठ्यवस्तु का विकास
6.	'शिक्षा में आईसीटी उपकरण के अनुप्रयोग' विषय पर कार्यशाला### एवं प्रायोगिक कार्य	-ऑनलाइन एप्प का उपयोग करते हुए ई-पाठ्य-सामग्री/OERs का निर्माण करना/ -ब्लॉग, गूगल ग्रुप,विकिएडुकेटर,सोशल मीडिया का शिक्षा में प्रयोग/ -ई-रुब्रिक्स एवं ई-पोर्टफोलियो का आकलन में प्रयोग

नोट :*शिक्षा एवं उसका प्रयोजन विषय-पत्र से संबंधित, ** शिक्षार्थी एवं उसका संदर्भ विषय-पत्र से संबंधित, * समकालीन भारत एवं शिक्षा विषय-पत्र से संबंधित, #पाठ्यचर्या एवं भाषा विषय-पत्र से संबंधित, ##ज्ञानानुशासन एवं विषय अवबोधन, ###शिक्षा में सूचना एवं संप्रेषण प्रौद्योगिकी**

सेमेस्टर-II (20क्रेडिट)

क्र.सं	कोर्सकोड	विषय-पत्र	क्रेडिट/पूर्णांक 20/500	आंतरिक मूल्यांकन (अधिभार%)	सत्रांत मूल्यांकन (अधिभार%)
		सैद्धांतिक विषय-पत्र			
1.	**बीईडी 07**	संज्ञान,अधिगम एवं शिक्षण	4/100	25	75
2.	**बीईडी 08**	शैक्षिक आकलन	2/50	25	75
3.	**बीईडी 09**	ज्ञान और पाठ्यचर्या	4/100	25	75
4.	**बीईडीई01**	विद्यालय विषय शिक्षण-I	2/50	25	75
5.	**बीईडीई02**	विद्यालय विषय शिक्षण-II	2/50	25	75
		प्रायोगिक विषय-पत्र			
6.	**प्रायोगिक**	प्रायोगिक क्रियाएं	2/50	100	
7.	**क्षेत्र कार्य**	विद्यालय संपर्क कार्यक्रम	4/100	100	
8.	**हिंदी भाषा में दक्षता पाठ्यक्रम (भाषा विद्यापीठ द्वारा)**				
		कुल क्रेडिट / कुल अंक	**20/500**		

प्रायोगिक क्रियाएं (सेमेस्टर-II)

क्र.सं	प्रायोगिक क्रियाएं	क्रियाकलाप
1.	बच्चों के संज्ञानात्मक दुनिया का अवबोधन	विभिन्न अधिगम/संज्ञानात्मक शैली वाले अधिगमकर्ता की पहचान करना तथा उनके संज्ञानात्मक दुनिया पर विचारशील चिंतन करते हुए आलेख लेखन एवं प्रस्तुति (विद्यालय संपर्क कार्यक्रम से जोड़ते हुए)
2.	'वैकल्पिक आकलन' विषय पर कार्यशाला **	'वैकल्पिक आकलन' विषय पर कार्यशाला में सहभागिता तथा स्व-आकलन एवं समूह-साथी आकलन के लिए रुब्रिक तथा अवलोकन अनुसूची का निर्माण
3.	'वैदिक काल से समकालीन विवेचना तक ज्ञान निर्माण की ज्ञानमीमांसीय प्रक्रिया'विषय पर परिचर्चा ***	वैदिक काल से समकालीन विवेचना तक ज्ञान निर्माण की ज्ञानमीमांसीय प्रक्रिया पर परिचर्चामें सहभागिता एवं प्रतिवेदन प्रस्तुति
4.	'सृजनात्मक तथा निर्माणवादी शिक्षणशास्त्र' पर कार्यशाला#	-कक्षा से परे अधिगम की संस्कृति/ -संस्कृति संवेदनशील शिक्षण शास्त्र/ -निर्माणवादी कक्षा की अवधारणा/ -अभिनय शिक्षणशास्त्र संबंधी अधिगम प्रारूप का निर्माण
5.	विद्यालय संपर्क कार्यक्रम (दो सप्ताह) – 4 क्रेडिट##	-कक्षा शिक्षण अवलोकन एवं रिपोर्ट लेखन- 2 क्रेडिट -विद्यालयी परिवेश व अन्य गतिविधियों का अवलोकन एवं रिपोर्टलेखन, एक या एक से अधिक विद्यालयी गतिविधि पर परियोजना तैयार करनातथापाठ-सहगामी क्रियाओं का आयोजन एवं प्रबंधन- 1 क्रेडिट; -विद्यालय दैनिकी-1 क्रेडिट

नोट :*संज्ञान, अधिगम एवं शिक्षण विषय-पत्र से संबंधित
**शैक्षिक आकलन विषय-पत्र से संबंधित
*** ज्ञान और पाठ्यचर्याविषय-पत्र से संबंधित
# विद्यालय विषय शिक्षण-I एवं II विषय-पत्र से संबंधित
##विद्यालय संपर्क कार्यक्रम से संबंधित

विद्यालय विषय शिक्षण:

1. हिंदी शिक्षण
2. संस्कृत शिक्षण
3. अंग्रेजी शिक्षण
4. मराठी शिक्षण
5. सामाजिक विज्ञान शिक्षण
6. भौतिकीय विज्ञान शिक्षण
7. गणित शिक्षण
8. जीव विज्ञान शिक्षण
9. कंप्यूटर विज्ञान शिक्षण

उपर्युक्त विषयों में शिक्षण की सुविधा अध्यापक की उपलब्धता के आधार पर निर्धारित होगी.

सेमेस्टर-III (20क्रेडिट)

क्र.सं	कोर्सकोड	विषय-पत्र	क्रेडिट/पूर्णांक 20/500	आंतरिक मूल्यांकन (अधिभार%)	सत्रांत मूल्यांकन (अधिभार%)
		सैद्धांतिक विषय-पत्र			
1.	**बीईडी-01**	विद्यालय विषय शिक्षण- I	2/100	25	75
2.	**बीईडीई-02**	विद्यालय विषय शिक्षण- II	2/100	25	75
		प्रायोगिक विषय-पत्र			
4.	**प्रायोगिक**	प्रायोगिक क्रियाएं			
5.	**क्षेत्र कार्य**	विद्यालय प्रशिक्षुता कार्यक्रम	16/400	100	
	कुल क्रेडिट / कुल अंक		**20 / 500**		

प्रायोगिक क्रियाएं (सेमेस्टर-III)

क्र.सं	प्रायोगिक क्रियाएं	क्रियाकलाप
1.	'शिक्षणशास्त्रीय रणनीतियां' विषय पर कार्यशाला*	-अवधारणा मानचित्रण, -शिक्षणशास्त्रीय पाठ्यवस्तु ज्ञान -तकनीकी शिक्षणशास्त्रीय पाठ्यवस्तु ज्ञान -अनुकरणीय शिक्षण संबंधी अधिगम प्रारूप का निर्माण
2.	विद्यालय प्रशिक्षुता कार्यक्रम **- 16 क्रेडिट School Internship Programme **नोट :** *विद्यालय विषय शिक्षण-I एवं IIविषय-पत्र से संबंधित ** पाठ्यचर्या अध्ययन विषय-पत्र से संबंधित *** शिक्षा में गुणात्मक शोध विधि विषय-पत्र से संबंधित # प्रशिक्षण/क्षेत्र कार्य में सम्मिलित ##लघु शोध प्रबंध कार्य में सम्मिलित	कम से कम 40 पाठों का शिक्षण (20 + 20) अवधि: पूर्व निर्धारित विद्यालय इंटर्नशिप कार्यक्रम (NCTE मानक) के अनुसार निम्नलिखित विद्यालय आयामों पर रिपोर्ट तैयार करना -शिक्षण, अधिगम एवं आकलन – (1) उपलब्धि परीक्षण रिपोर्ट, (2) -केस स्टडी (कोई दो–विद्यालय कार्यक्रम तथा एक विद्यार्थी पर), (3) क्रियात्मक अनुसंधान, (4) सामूहिक प्रस्तुति, (5) परियोजना (क्रियात्मक अनुसंधान के अतिरिक्त) जैसे- एक्टिविटी कैलेंडर, स्टुडेंट्स प्रोफाईल, यूनिट टेस्ट, क्लास टेस्ट, वार्षिक परीक्षा, मध्यावधि परीक्षा, फॉर्मेटिव असेसमेंट, समेटिव असेसमेंट, समय-सारणी की समीक्षा आदि), (6) विचारात्मक दैनन्दिनी, (7) समुदाय के साथ अंतर्क्रिया

	विद्यालय प्रशिक्षुता कार्यक्रम (School Internship Programme) - प्रायोगिक कार्यों की मूल्यांकन संबंधी संरचना		
Activities / क्रियाकलाप	**Internal Marks**	**External Marks**	
Microteaching + Simulated Teaching / Integration of Skills सूक्ष्म शिक्षण + सिमुलेटेड शिक्षण / शिक्षण कौशलों का एकीकरण आतंरिक परीक्षा (विभागीय समिति एवं पर्यवेक्षकों के द्वारा)	35		7 Marks per Skill
	15		10 Marks for Micro Lesson Plans + 5 Marks for presentation
Lesson Plan and Teaching 40 (20 + 20) Lesson Plans	50	140	**आतंरिक मूल्यांकन** नियमित पर्यवेक्षक – 20 अंक चक्रीय पर्यवेक्षक 1 – 15 अंक चक्रीय पर्यवेक्षक 2– 15 अंक
Peer Observation (20 Lessons)		10	
ATR (Achieve Test Report)		10	
Case Study		10	**बाह्य परीक्षक मूल्यांकन** कक्षा शिक्षण – 1: 50 अंक कक्षा शिक्षण – 2: 50 अंक पाठ योजना (20 + 20): 40 अंक विद्यालय अनुभव आधारित रिपोर्ट: 60 अंक समुदाय के साथ अंतर्क्रिया: 50 मौखिकी : 50 अंक
Action Research		10	
Reflective Diary		10	
School Project		10	
Interaction with Community		50	
Viva Voce / मौखिकी ** (बाह्य परीक्षक)		50	

सेमेस्टर-IV (20 क्रेडिट)

क्र.सं	कोर्सकोड	विषय-पत्र	क्रेडिट/पूर्णांक 20/500	आंतरिक मूल्यांकन (अधिभार%)	सत्रांत/बाह्यमूल्यांकन (अधिभार%)
		मूल पाठ्यचर्या			
		सैद्धांतिक विषय-पत्र			
1.	**बीईडी10**	गांधी एवं शिक्षा	2/50		
2.	**बीईडीई 03**	मूल पाठ्यचर्या के अंतर्गत ऐच्छिक (कोई एक) विषय-निर्माणवादीज्ञानमीमांसा एवं शिक्षणशास्त्र/ आपदा प्रबंधन एवं शिक्षा/ शैक्षिक निर्देशन एवं परामर्श/ योग शिक्षा/ मानवाधिकार एवं शांति शिक्षा/ एकात्म दर्शनएवंशिक्षा	4/100	25	75
3.	**बीईडी11**	समावेशी विद्यालयी शिक्षा	4/100		
4.	**बीईडी 12**	प्रदर्शनकारी कला एवं शिक्षा	2/50		
5.	**बीईडी 13**	अस्मिता एवं आत्मबोध	2/50		
		प्रायोगिक विषय-पत्र			
6.	**प्रायोगिक**	प्रायोगिक क्रियाएं	2/50	100	
		ऐच्छिक पाठ्यचर्या			
7.	**ऐच्छिक**	स्वयं या अन्य किसी ऑनलाइन प्लैटफ़ार्म से कोई एक मूक्स कोर्स पूरा करना /अन्य विभाग या विद्यापीठ से कोई विषय	4/100	25	75
	कुल क्रेडिट / कुल अंक		**20/500**		

प्रायोगिक क्रियाएं (सेमेस्टर-IV)

क्र.सं	प्रायोगिक क्रियाएं	क्रियाकलाप
1.	गांधीजी के नयी तालीम शिक्षा पद्धति की समीक्षा	गांधीजी के नयी तालीम शिक्षा पद्धति की समीक्षा करते हुए पाठ्यचर्या प्रारूप का निर्माण करना
2.	चयनित विषय-पत्र से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों पर परिचर्चा **	परिचर्चा में सहभागिता एवं प्रतिवेदन की प्रस्तुति
3.	वैकल्पिक/ विशिष्ट विद्यालयों का अवलोकन***	वैकल्पिक/ विशिष्ट विद्यालयों का अवलोकन एवं प्रलेखन

4.	'प्रदर्शनकारी कला एवं शिक्षा' विषय पर कार्यशाला#	अभिनय शिक्षणशास्त्र, भूमिका मंचन आदि से संबंधित पाठ का निर्माण एवं कृत्रिम विद्यालयी वातावरण में क्रियान्वयन
5.	अस्मिता एवं आत्मबोध##	छात्राध्यापकों द्वारा आत्मकथा लेखन एवं अपनी क्षमताओं तथा कमियों का स्व-आकलन
6.	साहित्य में शिक्षा	साहित्य में शिक्षा संबंधी क्रियाकलाप

नोट : *गांधी एवं शिक्षा विषय-पत्र से संबंधित
** मूल पाठ्यचर्या के अंतर्गत ऐच्छिक (कोई एक) विषय-पत्र से संबंधित
*** समावेशीविद्यालयी शिक्षा से संबंधित
#प्रदर्शनकारी कला एवं शिक्षा विषय-पत्र से संबंधित
##अस्मिता एवं आत्म-बोध विषय-पत्र से संबंधित

बी.एड. के सैद्धांतिक प्रश्नपत्रों के लिए आतंरिक मूल्यांकन प्रणाली

क्र.	सैद्धांतिक प्रश्नपत्र के घटक (प्रत्येक सैद्धांतिक प्रश्न-पत्र के लिए)	आतंरिक मूल्यांकन (25 अंक)
1	विषय आधारित प्रस्तुति	05
2	विषय आधारित असाइनमेंट	05
3	कक्षागत परीक्षा (यूनिट टेस्ट)	10
4	उपस्थिति	05

बी.एड. के प्रायोगिक कार्यों, विद्यालय संपर्क कार्यक्रम एवं विद्यालय अनुभव कार्यक्रम के लिए मूल्यांकन प्रणाली

क्र.	सेमेस्टर	क्रियाकलाप	अधिकतम अंक / क्रेडिट	आतंरिक परीक्षक समिति अंक / क्रेडिट	बाह्य परीक्षक अंक/क्रेडिट
1	प्रथम	मनोविज्ञान तथा सूचना एवं सम्प्रेषण प्रौद्योगिकी के प्रयोग	50/2	--	50/2
2	द्वितीय	विद्यालय संपर्क कार्यक्रम	100/4	50/2	50/2
		पाठ्यसंरचना में उल्लिखित अन्य प्रायोगिक कार्य	50/2	50/2	--
3	तृतीय	सूक्ष्म शिक्षण / अध्यापन	50 / 2	50/2	--
		विद्यालय प्रशिक्षुता कार्यक्रम School Internship Programme	350/14	(50/2) नियमित पर्यवेक्षक – 20 चक्रीय पर्यवेक्षक 1 – 15 चक्रीय पर्यवेक्षक 2 – 15	(300/12) विद्यालय शिक्षण 100/4 + 100/4 विद्यालय आधारित रिपोर्ट एवं मौखिकी

					50/2 + 50/2
4	चतुर्थ	पाठ्यसंरचना में उल्लिखित अन्य प्रायोगिक कार्य	50/2	50/2	--
		कुल	650 / 26	250 / 10	400/16

क्र.	बाह्य परीक्षक द्वारा किये जाने वाले मूल्यांकन की संरचना	अधिकतम अंक
1	पाठ योजना (40 Lesson Plans) – 20 + 20	20 + 20
2	विद्यालय अनुभव आधारित प्रतिवेदन / रिपोर्ट	60
3	कक्षा शिक्षण (2 शिक्षण विषय)	50 + 50
4	मौखिकी	100
	कुल	**300**

प्रथम सेमेस्टर

1.1.पाठ्यचर्या का नाम. शिक्षा एवं शिक्षा के प्रयोजन (Education and Its Purpose)

2. पाठ्यचर्या का कोड. शिक्षा 001

3. **क्रेडिट**: 4
4. सेमेस्टर:प्रथम

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	60
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	00
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	00
कौशल विकास गतिविधियाँ	00
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण:
(Description of Course)

पाठ्यक्रम की विवेचना

इकाई1: शिक्षा की अवधारणा

- शिक्षा की अवधारणा: अर्थ, प्रक्रिया, स्वरूप और उद्देश्य
- आधारभूत अवधारणाएँ: सीखना, शिक्षण, प्रशिक्षण, अनुदेशन, खोज, सूचना, आगमन व निगमन, अनुभव, अन्वेषण और संवाद।

इकाई 2: शिक्षा सम्बन्धी पाश्चात्य विचारकों का विचार

- पाश्चात्य विचारकों का योगदानः प्लेटो, अरस्तू, फ्रोबेल,मारिया माण्टेसरी, रूसो, ड्यूई, पाउलो फ्रेरे, देकार्ते, स्पिनोजा, इमेनुएल कांट।

इकाई 3:शिक्षा सम्बन्धी भारतीय विचारक और भारतीय शिक्षा दर्शन

- शिक्षा विषयक भारतीय विचारः कुछ प्रमुख भारतीय शिक्षा विचारकों का योगदानः महात्मा गाँधी, रवीन्द्र नाथ टैगोर, स्वामी विवेकानन्द, जिद्दू कृष्णमूर्ति, श्री अरबिन्द, गिजु भाई
- न्याय, सांख्य, योग, वैशेषिक, मीमांसा एवं वेदांत दर्शन के अनुसार शिक्षा, बौद्ध एवं जैन मतानुयायियों के अनुसार शिक्षा.

इकाई 4: शिक्षा और मूल्य:

- मूल्यों की प्रकृति और स्रोत, समकालीन समाज में मूल्य

- मूल्यों के लिए शिक्षा की प्रासंगिकता
- विद्यालय के सन्दर्भ में मूल्यों का निर्माण
- मूल्यों के विकास और पोषण के संदर्भ में शिक्षक की भूमिका
- सामाजिक संघर्ष की चुनौतियां और शांति स्थापना

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:
(Course Learning Outcomes)

1. भारत के परिप्रेक्ष्य मे शिक्षा के बुनियादी विचारों और अवधारणाओं को समझ सकेंगे.

2. भारत में प्राचीन शैक्षिक दृष्टि एवं वर्तमान शैक्षिक आधार के मध्य अंतर समझ पाएंगे।

3. शिक्षा संबंधी पाश्चात्य एवं भारतीय विचारों में अंतर समझ पाएंगे।

4. विद्यार्थियों में भारतीय परिप्रेक्ष्य में अपेक्षित/ आवश्यक शैक्षिक दृष्टि विकसित होगी।

5. स्वव्यवहार से शैक्षिक मूल्यों को स्थापित करने में यत्नवान/जागरुक होंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents oftheCourse)

मॉड्यूल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)**			**कुल घंटे**	**कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)**
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल** (यदि अपेक्षित हैं)	**संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..**(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	शिक्षा की अवधारणा: अर्थ, प्रक्रिया, स्वरूप और उद्देश्य	**5**			**5**	**8.33**
मॉड्यूल-2	आधारभूत अवधारणाएँ: सीखना, शिक्षण, प्रशिक्षण, अनुदेशन, खोज, सूचना, आगमन व निगमन, अनुभव, अन्वेषण और संवाद।	**5**			**5**	**8.33**
मॉड्यूल-3	पाश्चात्य विचारकों का योगदानः प्लेटो, अरस्तू, फ्रोबेल,मारिया माण्टेसरी, रूसो, ड्यूई, पाउलो फ्रेरे, देकार्ते, स्पिनोजा, इमेनुएल कांट।	**10**			**10**	**16.66**

मॉड्यूल-4	शिक्षा विषयक भारतीय विचारः कुछ प्रमुख भारतीय शिक्षा विचारकों का योगदानः महात्मा गाँधी, रवीन्द्र नाथ टैगोर, स्वामी विवेकानन्द, जिद्दू कृष्णमूर्ति, श्री अरबिन्द, गिजु भाई	**10**			**7**	**16.66**
मॉड्यूल-5	न्याय, सांख्य, योग, वैशेषिक, मीमांसा एवं वेदांत, बौद्ध एवं जैन दर्शन के अनुसार शिक्षा.	**10**			**10**	**16.66**
मॉड्यूल-6	मूल्यों की प्रकृति और स्त्रोत, भारतीय परंपरा में मूल्य व्यक्ति,परिवार,समाज,राष्ट्र, विश्व,चराचर जगत, आध्यात्मिक),	**10**			**10**	**16.66**
मॉड्यूल-7	मूल्यों के लिए शिक्षा की प्रासंगिकता	**4**			**4**	**6.66**
मॉड्यूल-8	मूल्यों के विकास और पोषण के संदर्भ में शिक्षक की भूमिका	**3**			**3**	**5**
मॉड्यूल-9	सामाजिक संघर्ष की चुनौतियां और शांति स्थापना	**3**			**3**	**5**
योग		**60**			**60**	**100**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अधिगम	विद्यार्थी केंद्रित निर्माणवादी
विधियाँ	व्याख्यान, प्रदत्तकार्य, वैयक्तिक एवं सामूहिक प्रस्तुति
तकनीकी	कंप्यूटर सहायक तकनीकी, ई-कंटेंट,
उपादान	प्रदत्त कार्य, स्व-अध्ययन सामाग्री

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
1. अध्येता शिक्षण व्यवसाय के मूल्यों के अनुरूप अभ्यास कर पाएंगे।	X	X	X	X	X			
2. वे अपने निर्णय व्यवहार और अभ्यास के द्वारा शिक्षण व्यवसाय के लिए निर्धारित कसौटियों का पूर्ण पालन करेंगे।	X	X		X	X			
3. वे विद्यार्थियों के समग्र विकास की परिकल्पना को समझेंगे और तदनुरुपप वे शिक्षार्थी केंद्रित शिक्षण विधियों का प्रभावपूर्ण प्रयोग करने में सक्षम होंगे।	X	X	X	X	X			
4. वे ऐसे शोध उन्मुख कार्य कर सकेंगे जो शिक्षा और समाज के संबंध को समझने में मदद करें।	X	X	X					
5. वे समसामयिक सूचना प्रौद्योगिकी एवं अन्य तकनीकों के माध्यम से प्रभाव प्रशिक्षण के लिए तत्पर रहेंगे।	X	X	X	X	X			
6. उनमें संप्रेषण की समुचित दक्षता होगी जिसके द्वारा वे अपने विचारों को प्रभावपूर्ण संप्रेषण करने में दक्ष होंगे।	X	X	X		X			
7. वे समुदाय के साथ अंतः क्रिया के दौरान सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के प्रति समनुभूति का भाव रखेंगे।	X	X		X	X			
8. वे शिक्षण और आकलन की समसामयिक नीतियों की विशेष जानकारी रखेंगे और उसके अनुरूप उसका अभ्यास करेंगे।	X		X	X	X			
9. वे विद्यार्थियों में व्याप्त विविधता का सम्मान करते हुए उसके समावेशन की ओर उन्मुख होंगे।	X	X	X	X	X			
10. वे क्षेत्र, जाति, संप्रदाय , जेंडर आदि की विविधताओं का शिक्षण और अन्य दायित्वों में समावेशन का प्रयास करेंगे।	X	X	X	X	X			

टिप्पणी:

3. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
4. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।
#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदनलेखन	
निर्धारित अंकप्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ
(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य सामाग्री**	**विवरण (APAFormat में)**
1	**आधार/पाठ्य-ग्रंथ**	चाँदकिरण, शिक्षा – दार्शनिकपरिप्रेक्ष्य, हिंदीमाध्यम कार्यान्वयनिदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली कमला प्रसाद पाण्डेय, शिक्षण अधिगम की तकनालॉजी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी आर. पी. पाठक, शिक्षा के दार्शनिक एवं समाजशास्त्रीय सिद्धांत रामशकल पाण्डेय, शिक्षा के दार्शनिक एवं समाजशास्त्रीय पृष्ठभूमि, अग्रवाल पब्लीकेशन्स, आगरा ▪ पी. डी. पाठक, शिक्षा मनोविज्ञान, अग्रवाल पब्लीकेशन्स, आगरा ▪ रामशकल पाण्डेय (2008), शिक्षा की दार्शनिक एवं समाजशास्त्रीय पृष्ठभूमि, अग्रवाल पब्लीकेशन्स, आगरा ▪ जे.सी अग्रवाल (2010) शिक्षा व्यवस्था का आधार तथा प्रबन्धन, आगरा, अग्रवाल

		पब्लीकेशन्स, आगरा ▪ स्वरूप सक्सेना एन.आर. चतुर्वेदी शिल्पा, कुमार धर्मेन्द, उदीयमान भारतीय समाज में शिक्षक, आर लाल बुक डिपो, मेरठ ▪ डार्लिंग किडरस्ले (2012), उदीयमान भारतीय समाज में शिक्षा, नई दिल्ली, डार्लिंग किडरस्ले प्रा. लि. नई दिल्ली ▪ एन. पी. सिंह (2010) शिक्षा दर्शन, दिल्ली, नीलकमल प्रकाशन, दिल्ली ▪ ओम प्रकाश गर्ग, चतुर्वेदी सुधा अधिगम का मनोसामाजिक आधार एवं शिक्षा प्रकाशन, जयपुर ▪ भावे, विनोबा. (2016). शिक्षण विचार, वाराणसी: सर्व सेवा संघ प्रकाशन. ▪ शिशिर,कर्मेंदु. (2013). भारतीय नवजागरण और समकालीन संदर्भ, दिल्ली: नयी किताब. ▪ रूहेला, सत्यपाल. (2012). भारतीय शिक्षा का समाजशास्त्र, जयपुर: राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी. ▪ अखिलेश. (2012). शिक्षा के दार्शनिक समाजशास्त्रीय आधार, मेरठ: वसुधा प्रिंटर्स. ▪ धर्मपाल, (2007). गांधीं को समझें, अहमदाबाद: पुनरुत्थान ट्रस्ट. ▪ धर्मपाल, (2007). रमणीय वृक्ष:१८वी शताब्दी में भारतीय शिक्षा, अहमदाबाद: पुनरुत्थान ट्रस्ट. ▪ सान्याल, एम. (1986) "रामकृष्ण मिशन एवं समकालीन भारतीय शिक्षा पर इसका प्रभाव" फिफ्थ सर्वे आफ रिसर्च इन एजुकेशन, (Vol.1), (1988-1982), नई दिल्ली, एन.सी.ई.आर.टी.
2	**संदर्भ-ग्रंथ**	▪ मिश्र, स्वतंत्र. (2015). शिक्षा भरा पूरा अकाल, दिल्ली: अनन्य प्रकाशन. ▪ राजपूत,जे.एस. (2007). शिक्षा एवं इतिहास, नई दिल्ली: किताबघर प्रकाशन. ▪ गुप्ता, एस. पी. और गुप्ता, ए. (2015). भारतीय शिक्षा का इतिहास,विकास एवं समस्याएं, इलाहाबाद: शारदा पुस्तक भवन. ▪ मिश्रा, ऊषा.(2014). शिक्षा का समाजशास्त्र, इलाहाबाद: अनुभव पब्लिशिंग हाउस.चौबे, एस.पी. एवं चौबे,

		▪ पाण्डेय, आर. (2014). भारत में शिक्षा व्यवस्था का विकास,आगरा: अग्रवाल पब्लिकेशन. ▪ S.K. Maugal, (2006) Advanced Educational Psychology, prentice Hall of India, New Delhi
3	**ई-संसाधन**	http://www.mgahv.in/Pdf/Dist/gen/shiksha_001_16_03_16.Pdf
4	**अन्य**	

1.2. पाठ्यचर्या का नाम. शिक्षार्थी एवं उसका संदर्भ (Learner and the Context)
(Name of the Course).

2.पाठ्यचर्या का कोड. बीईडी 02
(Code of the Course).

3.क्रेडिट: **4. सेमेस्टर:**प्रथम
(Credit) **(Semester)**

घटक	**घंटे**
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	60
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	00
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	00
कौशल विकास गतिविधियाँ	00
कुल क्रेडिटघंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण:
(Description of Course)

इकाई 1:विकास की अवधारणा

- मानव विकास: अवधारणाएँ, परिपक्व विकास व इनसे जुड़ी बहसें
- विकास एक प्रक्रिया के रूप में: बहुआयामी, सतत व अससततजीवन पर्यन्त
- विकास को प्रभावित करने वाले सामाजिक सांस्कृतिक संदर्भ

इकाई 2: संज्ञानात्मक विकास

- पियाजे का सिद्धान्तः संज्ञानात्मक संरचनाएँ और प्रक्रियाएं, विकास की अवस्थाएँ
- वायगोत्सकी का सिद्धान्तः संज्ञान के सामाजिक स्त्रोत, सांस्कृतिक उपकरण और विकास, भाषा की भूमिका,सीखना और विकास

इकाई 3: सामाजिक और नैतिक विकास

- स्व और पहचान का विकास, स्वधारणा और आत्म सम्मान का विकास; स्व और अन्य परिवार, हमउम्र साथी और दोस्त
- स्व और भावना
- इरिक्सन और कोहलबर्ग का सिद्धांत और इनके निहितार्थ

इकाई 4: भारतीय समाज में बड़ा होना:

- बाल्यावस्था और किशोरावस्था के दौरान विकास की प्रक्रिया भारतीय संदर्भ में बाल्यावस्था और किशोरावस्था से जुड़े विमर्श

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:
(Course Learning Outcomes)

1. मानव विकास के आधारभूत सिद्धान्तों को जानने में समर्थ होंगे।
2. वे अधिगम सिद्धान्तों के शिक्षणशास्त्रीय निहितार्थों की सूझ विकसित करेंगे।
3. वे अधिगम सिद्धान्तों के शिक्षण में उपयोग की दक्षता विकसित करेंगे |
4. वे सामाजिक और नैतिक विकास के सिद्धान्तों की समझ विकसित करेंगे।
5. वे सामाजिक और नैतिक विकास के सिद्धान्तों के आलोक स्वयं के विकास की प्रक्रिया का आकलन कर सकेंगे।
6. वे भारतीय संदर्भ में बच्चों के बड़े होने के विमर्शों का विश्लेषण करेंगे।
7. वे भारतीय समाज के विविधतापूर्ण संदर्भ में मानव विकास के सांस्कृतिक पहलुओं के प्रति संवेदनशील होंगे।
8. शिक्षण अभ्यास में विद्यार्थियों के साथ संलग्नता में उसके संदर्भ की भूमिका को ध्यान में रखेंगे।

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा,साथ ही पाठ्यचर्या संपूर्ण पाठ्यक्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of theCourse)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	मानव विकास: अवधारणाएँ, परिपक्व विकास व इनसे जुड़ी बहसें	**5**			**5**	**8.33**
मॉड्यूल-2	विकास एक प्रक्रिया के रूप में: बहुआयामी, सतत व असततजीवन	**5**			**5**	**8.33**

	पर्यन्त					
मॉड्यूल-3	विकास को प्रभावित करने वाले सामाजिक सांस्कृतिक संदर्भ	**5**			**5**	**8.33**
मॉड्यूल-4	पियाजे का सिद्धान्तः संज्ञानात्मक संरचनाएँ और प्रक्रियाएं, विकास की अवस्थाएँ	**7**			**7**	**11.66**
मॉड्यूल-5	वायगोत्सकी का सिद्धान्तः संज्ञान के सामाजिक स्त्रोत, सांस्कृतिक उपकरण और विकास,	**5**			**5**	**8.33**
मॉड्यूल-6	वायगोत्सकी का सिद्धान्तः भाषा, सीखना और विकास	**3**			**3**	**5**
मॉड्यूल-7	स्व और पहचान का विकास, स्वधारणा और आत्म सम्मान का विकास;	**4**			**4**	**6.66**
मॉड्यूल-8	स्व और अन्य परिवार, हमउम्र साथी और दोस्त	**3**			**3**	**5**
मॉड्यूल-9	सामाजिक और नैतिक विकास : स्व और भावना	**3**			**3**	**5**
मॉड्यूल -10	इरिक्सन और कोहलबर्ग का सिद्धांत और इनके	**5**			**5**	**8.33**

	निहितार्थ					
मॉड्यूल -11	बाल्यावस्था और किशोरावस्था के दौरान विकास की प्रक्रिया	**6**			**6**	**10**
मॉड्यूल -12	भारतीय संदर्भ में बाल्यावस्था से जुड़े विमर्श	**4**			**4**	**6.66**
मॉड्यूल -13	भारतीय संदर्भ में किशोरावस्था से जुड़े विमर्श	**5**			**5**	**8.33**
योग		**60**			**60**	**100**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अधिगम	विद्यार्थी केंद्रित निर्माणवादी
विधियाँ	व्याख्यान, प्रदत्तकार्य, वैयक्तिक एवं सामूहिक प्रस्तुति
तकनीकी	कंप्यूटर सहायक तकनीकी, ई-कंटेंट,
उपादान	प्रदत्त कार्य, स्व-अध्ययन सामाग्री

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
1. अध्येता शिक्षण व्यवसाय के मूल्यों के अनुरूप अभ्यास कर पाएंगे।		X	X					X
2. वे अपने निर्णय व्यवहार और अभ्यास के द्वारा शिक्षण व्यवसाय के लिए निर्धारित कसौटियों का पूर्ण पालन करेंगे।		X	X					
3. वे विद्यार्थियों के समग्र विकास की परिकल्पना को समझेंगे और तदनुरूप वे शिक्षार्थी केंद्रित शिक्षण विधियों का प्रभावपूर्ण प्रयोग करने में सक्षम होंगे।		X	X			X		X
4. वे ऐसे शोध उन्मुख कार्य कर सकेंगे जो शिक्षा और समाज के संबंध को समझने में मदद करें।	X		X					
5. वे समसामयिक सूचना प्रौद्योगिकी एवं अन्य तकनीकों के माध्यम से प्रभाव प्रशिक्षण के लिए तत्पर रहेंगे।		X						
6. उनमें संप्रेषण की समुचित दक्षता होगी जिसके द्वारा वे अपने विचारों को प्रभावपूर्ण संप्रेषण करने में दक्ष होंगे।		X		X				
7. वे समुदाय के साथ अंतः क्रिया के दौरान सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के प्रति समनुभूति का भाव रखेंगे।				X			X	
8. वे शिक्षण और आकलन की समसमायिक नीतियों की विशेष जानकारी रखेंगे और उसके अनुरूप उसका अभ्यास करेंगे।				X	X	X	X	
9. वे विद्यार्थियों में व्याप्त विविधता का सम्मान करते हुए उसके समावेशन की ओर उन्मुख होंगे।				X	X	X	X	
10. वे क्षेत्र, जाति, संप्रदाय , जेंडर आदि की विविधताओं का शिक्षण और अन्य दायित्वों में समावेशन का प्रयास करेंगे।	X			X	X		X	

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	

पूर्णांक	**25**	**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।
#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य सामाग्री**	**विवरण (APAFormat में)**
1	**आधार/पाठ्य-ग्रंथ**	▪ मंगल, एस.के. (2007). शिक्षा मनोविज्ञान. दिल्ली : प्रेंटिस हाल ऑफ इंडिया प्रा. लि. ▪ गुप्ता, एस.पी. व गुप्ता अल्का.(2017). उच्चतर शिक्षा मनोविज्ञान. इलाहाबाद : शारदा पुस्तक भवन ▪ सुलैमान, मोहम्मद. (2014). उच्चतर शिक्षा मनोविज्ञान. दिल्ली : मोतीलाल बनारसीदास ▪ चौहान, रीता व पाठक, पी.डी. (2016). बाल्यावस्था एवं उसका विकास. आगरा : अग्रवाल पब्लिकेशन
2	**संदर्भ-ग्रंथ**	▪ Piaget, J. (1926). Language and Thought of the Child. London: Routledge & Kegan Paul ▪ Piaget, J. (1951). The Psychology of Intelligence. London: Routledge & Kegan Paul. ▪ Piaget, J. (1952). The Origins of Intelligence in Children. New York: International University Press. ▪ Vygotsky.L. (1978).Mind in Society, The Development of Higher Psychological Processes. Cambridge: Harvard University Press. ▪ Vygotsky.L. (1986).Thought and Language. Cambridge: The MIT Press.

3	**ई-संसाधन**	http://www.mgahv.in/Pdf/Dist/gen/shiksha_002_16_03_16.Pdf
4	**अन्य**	

1.3. पाठ्यचर्या का नाम. समकालीन भारत एवं शिक्षा (Contemporary India and Education)
(Name of the Course).

2.पाठ्यचर्या का कोड. बी.ईडी 03
(Code of the Course).

1. क्रेडिट: 4. सेमेस्टर:प्रथम
(Credit) (Semester)

घटक	**घंटे**
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	60
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	00
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	00
कौशल विकास गतिविधियाँ	00
कुल क्रेडिटघंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण:
(Description of Course)

इकाई 1: भारतीय समाज:

संरचना और विशेषताएँ, बहुलतावादी प्रवृत्ति; भारतीय अस्मिता, समकालीन चुनौतियाँ, हाशियाकरण: भाषा, धर्म, जाति, दिव्यांगता और क्षेत्र के संदर्भ में, नगरीकरण, औद्योगीकरण, वैश्वीकरण, आर्थिक उदारीकरण आदि का प्रभाव

इकाई 2: हाशिये के समुदायों की शिक्षा:

दलित, लड़कियों, जनजातियों और धार्मिक अल्पसंख्यकों के विशेष संदर्भ में,दलित, आदिवासी और लड़कियों की शिक्षा के लिए पहल, विद्यालयी संस्कृति, प्रछन्न पाठ्यक्रम आदि की पड़ताल; गुणवत्ता का सवाल, बालश्रम, बालविवाह, नगरीय श्रमिकों की समस्याओं का अध्ययन

इकाई 3: भारतीय शिक्षा की आधारशिला:

प्राक् औपनिवेशिक शिक्षा, स्वतंत्रता पूर्व शिक्षा नीतियों का विहंगमावलोकन, शिक्षा के विमर्शों को ध्यान में रखते हुए स्वतंत्रता के बाद शिक्षा संबंधी नीतियों, रिपोर्टों, आयोगों का विश्लेषणात्मक अध्ययन: समान स्कूल व्यवस्था, त्रिभाषा सूत्र, कार्य और शिक्षा, नागरिकता के लिए शिक्षा, शिक्षा का बोझ आदि के विशेष संदर्भ में।

इकाई 4: संविधान और शिक्षा:

संवैधानिक मूल्य और शिक्षा, शिक्षा का अधिकार कानून, राज्य द्वारा प्रायोजित शिक्षा, शिक्षा से संबंधित योजनाएँ: मिड डे मील, ऑपरेशन ब्लैक बोर्ड, सर्व शिक्षा अभियान, राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान और शिक्षा का अधिकार कानून: क्रियान्वयन और बाधायें, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020.

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

(Course Learning Outcomes)

1. भारतीय समाज की विशेषताओं को ध्यान में रखकर शिक्षा की विभिन्न भूमिकाओं की विवेचना में समर्थ होगें।
2. शिक्षा की समकालीन प्रवृत्तियों की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि को जानने में समर्थ होगें।
3. शिक्षा के लक्ष्यों को संविधान के मूल्यों के सापेक्ष व्याख्यायित कर पाएंगे।
4. शिक्षण योजना के निर्माण में वंचित वर्ग की शिक्षा संबंधी चुनौतियों को संज्ञान में लेने में समर्थ होगें।
5. शिक्षा नीति 2020 को ध्यान में रखते हुए शिक्षक की भूमिका पर विचार कर पाएंगे ।

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा,साथ ही पाठ्यचर्या संपूर्ण पाठ्यक्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of theCourse)

मॉड्यूल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)**			**कुल घंटे**	**कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)**
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल** (यदि अपेक्षित हैं)	**संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..**(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	भारतीय समाज की संरचना और विशेषताएँ,	4			4	6.66
मॉड्यूल-2	बहुलतावादी प्रवृत्ति; भारतीय अस्मिता समकालीन चुनौतियाँ, हाशियाकरण:भाषा, धर्म, जाति, दिव्यांगता और क्षेत्र के संदर्भ में,	6			6	10
मॉड्यूल-3	नगरीकरण, औद्योगीकरण, वैश्वीकरण, आर्थिक उदारीकरण आदि का प्रभाव	5			5	8.33

मॉड्यूल-4	हाशिए के समुदाय की शिक्षा, दलित, लड़कियों, जनजातियों और धार्मिक अल्पसंख्यकों के विशेष संदर्भ में	5			5	8.33
मॉड्यूल-5	दलित,आदिवासी और लड़कियों की शिक्षा के लिए पहल, विद्यालयी संस्कृति, प्रछन्न पाठ्यक्रम आदि की पड़ताल, गुणवत्ता का सवाल, बालश्रम, बाल-विवाह, नगरीय	4			4	6.66
मॉड्यूल-6	श्रमिकों की समस्याओं का अध्ययन	6			6	10

मॉड्यूल-7	प्राक्-औपनिवेशिक शिक्षा, स्वतंत्रता पूर्व शिक्षा नीतियों का विहंगमावलोकन	5			5	8.33
मॉड्यूल-8	शिक्षा के विमर्शों को ध्यान में रखते हुए स्वतंत्रता के बाद	6			6	10
मॉड्यूल-9	शिक्षा संबंधी नीतियों, रिपोर्टों, आयोगों का विश्लेषणात्मक अध्ययन समान स्कूल व्यवस्था, त्रिभाषा सूत्र, कार्य और शिक्षा, नागरिकता के लिए शिक्षा, शिक्षा का बोझ आदि के विशेष संदर्भ में।	4			4	6.66
मॉड्यूल-10	संवैधानिक मूल्य और शिक्षा, शिक्षा का अधिकार कानून, राज्य	4			4	6.66

	द्वारा प्रायोजित शिक्षा					
मॉड्यूल-11	शिक्षा से संबंधित योजनाएँ: मिड डे मील, ऑपरेशन ब्लैक बोर्ड सर्व शिक्षा अभियान	4			4	6.66
मॉड्यूल-12	राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान और शिक्षा का अधिकार कानून: क्रियान्वयन और बाधायें	7			7	11.66
योग		**60**			**60**	**100**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अधिगम	विद्यार्थी केंद्रित निर्माणवादी
विधियाँ	व्याख्यान, प्रदत्तकार्य, वैयक्तिक एवं सामूहिक प्रस्तुति
तकनीकी	कंप्यूटर सहायक तकनीकी, ई-कंटेंट,
उपादान	प्रदत्त कार्य, स्व-अध्ययन सामग्री

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
1. अध्येता शिक्षण व्यवसाय के मूल्यों के अनुरूप अभ्यास कर पाएंगे।	X		X	X	X			
2. वे अपने निर्णय व्यवहार और अभ्यास के द्वारा शिक्षण व्यवसाय के लिए निर्धारित कसौटियों का पूर्ण पालन करेंगे।	X			X	X			
3. वे विद्यार्थियों के समग्र विकास की परिकल्पना को समझेंगे और तदनुरुप वे शिक्षार्थी केंद्रित शिक्षण विधियों का प्रभावपूर्ण प्रयोग करने में सक्षम होंगे।				X	X			
4. वे ऐसे शोध उन्मुख कार्य कर सकेंगे जो शिक्षा और समाज के संबंध को समझने में मदद करें।		X			X			
5. वे समसामयिक सूचना प्रौद्योगिकी एवं अन्य तकनीकों के माध्यम से प्रभाव प्रशिक्षण के लिए तत्पर रहेंगे।					X			
6. उनमें संप्रेषण की समुचित दक्षता होगी जिसके द्वारा वे अपने विचारों को प्रभावपूर्ण संप्रेषण करने में दक्ष होंगे।			X		X			
7. वे समुदाय के साथ अंतः क्रिया के दौरान सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के प्रति समनुभूति का भाव रखेंगे।	X				X			
8. वे शिक्षण और आकलन की समसामयिक तक नीतियों की विशेष जानकारी रखेंगे और उसके अनुरूप उसका अभ्यास करेंगे।	X		X		X			
9. वे विद्यार्थियों में व्याप्त विविधता का सम्मान करते हुए उसके समावेशन की ओर उन्मुख होंगे।	X	X	X		X			
10. वे क्षेत्र, जाति, संप्रदाय , जेंडर आदि की विविधताओं का शिक्षण और अन्य दायित्वों में समावेशन का प्रयास करेंगे।	X	X	X		X			

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन	सत्रांत परीक्षा

(25%)					(75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।
#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य सामाग्री	विवरण (APAFormat में)
1	**आधार/पाठ्य ग्रंथ**	
2	**संदर्भ-ग्रंथ**	▪ दूबे, श्यामचरण. (2000). *शिक्षा, समाज और भविष्य. दिल्ली* : राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा. लि. ▪ शर्मा, रामनाथ व शर्मा, राजेंद्र कुमार. (2006). *शैक्षिक समाजशास्त्र*. दिल्ली : अटलांटिक पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स प्रा. लि. ▪ लाल, रमन बिहारी व पलोड़, सुनीता. (2010). *शैक्षिक चिंतन एव प्रयोग*. मेरठ: आर. लाल बूक डिपो ▪ गुप्ता, एस.पी., व गुप्ता, अल्का. (2015). *भारतीय शिक्षा का इतिहास, विकास एवं समस्याएँ. इलाहाबाद* : शारदा पुस्तक भवन ▪ Chanana, Karuna (2001) *Interrogating women's education: bounded visions, expanding horizons.* Jaipur and New Delhi: Rawat ▪ Deshpande, S. (2014). *The problem of caste.* New Delhi: Orient Blackswan ▪ Ghosh, S. C. (2007). *History of education in India*.delhi: Rawat Publications. ▪ NCERT (2006/7) National Focus Group Paper on the Problems of Scheduled Castes and Scheduled Tribes; National Focus Group Paper on Gender. New Delhi: NCERT ▪ NCTE (2009) National Curriculum Framework for Teacher Education.
3	**ई-संसाधन**	http://www.mgahv.in/Pdf/Dist/gen/shiksha_0003_18_03_16.Pdf
4	**अन्य**	

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

4 . पाठ्यचर्या का नाम. भाषा एवं पाठ्यचर्या (Language Across Curriculum) -

(Name of the Course).

2.पाठ्यचर्या का कोड. शिक्षा 001
3. **क्रेडिट**: 4
4. सेमेस्टर:प्रथम

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	60
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	00
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	00
कौशल विकास गतिविधियाँ	00
कुल क्रेडिटघंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण:
(Description of Course)

इकाई 1: भाषा की प्रकृति और कार्य

- भाषा की अवधारणा और अर्थ
- भाषा उत्पत्ति के सिद्धान्त
- ध्वनि- ध्वनि वर्गीकरण, ध्वनि नियम,ध्वनि परिवर्तन के कारण,
- भाषा प्रक्रिया के रुप को परिवर्तित करने वाले कारण
- अर्थ परिवर्तन - अर्थ परिवर्तन की दिशाएं, अर्थ परिवर्तन के करण, अर्थ बोध के साधन

इकाई 2: भारतीय सन्दर्भ में भाषा और पाठ्यचर्या

- भाषाओं का वर्गीकरण – आकृति मुलक, पारिवारिक
- भारोपीय भाषा परिवार
- भारतीय भाषाओं के विकास के विभिन्न काल
- वर्ण – शब्द – वाक्य, वाक्य भेद
- भाषा और वाक्
- भाषा और बोली
- भाषा और अनुभव
- भाषा को सीखने के निर्धारक
- भाषा सीखने के सिद्धांत
- भाषा के सीखने में आने वाली चुनौतियाँ (स्कूली शिक्षा और बच्चों का स्कूल छोड़ना, मौखिक प्रवीणता और आलोचनात्मक समझ, सीखने व सम्प्रेषण के लिए भाषा में अंतर) और चुनातियों से निपटने के उपाय

इकाई 3: बहुभाषीय कक्षा की नीति

- विद्यार्थियों को कक्षा में रोल प्ले, चर्चा और प्रश्न के जवाब देने के लिए प्रोत्साहन
- पढ़ने, समझने और भाषा के प्रयोग में कुछ अभ्यास को तैयार करना

- भाषा में साहित्य के प्रकार- कहानी, नाटक, कविता, उपन्यास, जीवनी
- बोलना, सुनना, पढ़ना और लिखना
- सीखने के लिए कक्षा में मौखिक और लिखित भाषा का प्रयोग
- शिक्षार्थी और उसकी भाषायी पृष्ठभूमि को समझना, स्कूली भाषा और शिक्षार्थी के घर की भाषा को समझना
- भाषायी विविधता के प्रति संवेदनशीलता
- शिक्षक-शिक्षार्थी के सम्बन्ध में भाषा की भूमिका, स्कूल का भाषायी परिवेश, विभिन्न विषयों की पाठ्यपुस्तकों की भाषा

इकाई 4: भाषा का प्रचार-प्रसार

- भारतीय सन्दर्भ में भाषा को लेकर बनी विभिन्न समितियां- संविधान में भाषा के लिए उपबन्ध (अनुच्छेद 341-353), राधाकृष्णन आयोग, मुदलियार आयोग, कोठारी आयोग, राष्ट्रीय शिक्षा नीति, कार्य योजना 1992, राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2005
- भाषा के प्रचार-प्रसार में सरकारी और गैर सरकारी संस्थाएँ- महात्मा गाँधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, हिंदी भाषा प्रचार समिति, केन्द्रीय हिंदी निदेशालय, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, भाषा अकादमी, साहित्य अकादमी, भारतीय भाषा संस्थान, संस्कृत भारती

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:
(Course Learning Outcomes)

1. अध्येता पाठ्यचर्या में सम्मिलित विभिन्न प्रकार की भाषाओं की प्रकृति, कार्य, और उसकी भूमिका को समझ सकेंगे|

2. प्राथमिक भाषा और द्वितीयक भाषा के बारे में समझ विकसित कर उपयोग करने में समर्थ होंगे।

3. बहुभाषिकता का संप्रत्यय और साथ ही साथ किसी संस्कृति पर बहुभाषिकता के पड़ने वाले प्रभाव को समझकर बहुभाषिकता के प्रति संवेदनशील होंगे।

4. सुनने, बोलने, पढ़ने और लिखने के कौशल में विद्यार्थियों को आने वाली समस्याओं को जान सकेंगे और इन भाषाई कौशलों के विकास के लिए अपनाए जाने वाले उपायों को जान सकेंगे|

5. भाषा के प्रचार के सरकारी गैर सरकारी संस्थानों एवं उनके उपक्रमों के बारे में जान पाएंगे ।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents oftheCourse)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		

मॉड्यूल-1	भाषा की अवधारणा और अर्थ भाषा उत्पत्ति के सिद्धान्त	**3**			**3**	**5.00**
मॉड्यूल-2	ध्वनि- ध्वनि वर्गीकरण, ध्वनि नियम,ध्वनि परिवर्तन के कारण,	**5**			**5**	**8.33**
मॉड्यूल-3	भाषा प्रक्रिया के रुप को परिवर्तित करने वाले कारण अर्थ परिवर्तन - अर्थ परिवर्तन की दिशाएं, अर्थ परिवर्तन के करण, अर्थ बोध के साधन	**7**			**7**	**11.66**
मॉड्यूल-4	भाषाओं का वर्गीकरण – आकृतिमुलक, पारिवारिक भारोपीय भाषा परिवार भारतीय भाषाओँ के विकास के विभिन्न काल	**7**			**7**	**11.66**
मॉड्यूल-5	वर्ण – शब्द – वाक्य, वाक्य भेद भाषा और वाक् भाषा और बोली भाषा और अनुभव	**4**			**4**	**6.66**
मॉड्यूल-6	भाषा को सीखने के निर्धारक भाषा सीखने के सिद्धांत भाषा के सीखने में आने वाली चुनतियाँ (स्कूली शिक्षा और बच्चों का स्कूल छोड़ना, मौखिक प्रवीणता और आलोचनात्मक समझ, सीखने व सम्प्रेषण के लिए भाषा में अंतर) और	**6**			**6**	**10.00**

	चुनातियों से निपटने के उपाय					
मॉड्यूल-7	विद्यार्थियों को कक्षा में रोल प्ले, चर्चा और प्रश्न के जवाब देने के लिए प्रोत्साहन पढ़ने, समझने और भाषा के प्रयोग में कुछ अभ्यास को तैयार करना भाषा में साहित्य के प्रकार- कहानी, नाटक, कविता, उपन्यास, जीवनी	**6**			**6**	**10.00**
मॉड्यूल-8	बोलना, सुनना, पढ़ना और लिखना सीखने के लिए कक्षा में मौखिक और लिखित भाषा का प्रयोग	**4**			**4**	**6.66**
मॉड्यूल-9	शिक्षार्थी और उसकी भाषायी पृष्ठभूमि को समझना, स्कूली भाषा और शिक्षार्थी के घर की भाषा को समझना भाषायी विविधता के प्रति संवेदनशीलता शिक्षक-शिक्षार्थी के सम्बन्ध में भाषा की भूमिका, स्कूल का भाषायी परिवेश, विभिन्न विषयों की पाठ्यपुस्तकों की भाषा	**5**			**5**	**8.33**
मॉड्यूल-10	भारतीय सन्दर्भ में भाषा को लेकर बनी विभिन्न समितियां- संविधान में	**8**			**6**	**13.33**

	भाषा के लिए उपबन्ध (अनुच्छेद 341-353), राधाकृष्णन आयोग, मुदलियार आयोग, कोठारी आयोग, राष्ट्रीय शिक्षा नीति, कार्य योजना 1992, राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2005					
मॉड्यूल-11	भाषा के प्रचार-प्रसार में बहुत सारे सरकारी और गैर सरकारी संस्थाएँ- महात्मा गाँधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, हिंदी भाषा प्रचार समिति, केन्द्रीय हिंदी निदेशालय, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, भाषा अकादमी, साहित्य अकादमी, भारतीय भाषा संस्थान, संस्कृत भारती	**5**			**5**	**8.33**
योग		**60**			**60**	**100**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में **0**1 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अधिगम	विद्यार्थी केंद्रित निर्माणवादी
विधियाँ	व्याख्यान,प्रदत्तकार्य, वैयक्तिक एवं सामूहिक प्रस्तुति
तकनीकी	कंप्यूटर सहायक तकनीकी, ई-कंटेंट,
उपादान	प्रदत्त कार्य,स्व-अध्ययन सामाग्री

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगमपरिणाममैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
1. अध्येता शिक्षण व्यवसाय के मूल्यों के अनुरूप अभ्यास कर पाएंगे।	X	X	X	X	X			
2. वे अपने निर्णय व्यवहार और अभ्यास के द्वारा शिक्षण व्यवसाय के लिए निर्धारित कसौटियों का पूर्ण पालन करेंगे।	X	X	X		X			
3. वे विद्यार्थियों के समग्र विकास की परिकल्पना को समझेंगे और तदनुरुप वे शिक्षार्थी केंद्रित शिक्षण विधियों का प्रभावपूर्ण प्रयोग करने में सक्षम होंगे।	X		X	X	X			
4. वे ऐसे शोध उन्मुख कार्य कर सकेंगे जो शिक्षा और समाज के संबंध को समझने में मदद करें।	X		X		X			
5. वे समसामयिक सूचना प्रौद्योगिकी एवं अन्य तकनीकों के माध्यम से प्रभाव प्रशिक्षण के लिए तत्पर रहेंगे।	X	X		X	X			
6. उनमें संप्रेषण की समुचित दक्षता होगी जिसके द्वारा वे अपने विचारों को प्रभावपूर्ण संप्रेषण करने में दक्ष होंगे।	X	X	X	X	X			
7. वे समुदाय के साथ अंतः क्रिया के दौरान सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के प्रति समनुभूति का भाव रखेंगे।	X		X		X			
8. वे शिक्षण और आकलन की समसामयिक तक नीतियों की विशेष जानकारी रखेंगे और उसके अनुरूप उसका अभ्यास करेंगे।	X	X	X		X			
9. वे विद्यार्थियों में व्याप्त विविधता का सम्मान करते हुए उसके समावेशन की ओर उन्मुख होंगे।	X		X	X				
10. वे क्षेत्र, जाति, संप्रदाय , जेंडर आदि की विविधताओं का शिक्षण और अन्य दायित्वों में समावेशन का प्रयास करेंगे।	X	X		X	X			

टिप्पणी:

3. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
4. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।
#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदनलेखन	
निर्धारित अंकप्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य सामाग्री**	**विवरण (APAFormat में)**
1	**आधार/पाठ्य-ग्रंथ**	सक्सेना, राधारानी, (2013), "नवाचारी शिक्षण पद्धतियाँ, जयपुर, राजस्थान हिंदी ग्रन्थ अकादमी गुप्त, मनोरमा – भाषा अधिगम, केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा गुनानंद – हिंदी भाषा का उद्भव और विकास, विनोद पुस्तक मुंदिर, आगरा चतुर्वेदी आचार्य सीताराम – भाषा कि शिक्षा, हिंदी साहित्य कुटरी, वाराणसी तिवारी, भोलानाथ – हिंदी भाषा, किताब महल, इलाहाबाद द्विवेदी, देवीशंकर – भाषा और भाषिकी, भाषा-विज्ञान-विभाग, सागर वि.वि., सागर

		पांडेय, रामाशकल – हिंदी शिक्षण, अग्रवाल पब्लिकेशन, आगरा चतुर्वेदी, शिखा – हिंदी शिक्षण, आर. लाल बुक डिपो, मेरठ शर्मा, देवेन्द्रनाथ – भाषा शास्त्र की भूमिका शर्मा, देवेन्द्रनाथ – भाषा विज्ञान की भूमिका, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
2	**संदर्भ-ग्रंथ**	Boyle, Bill & Charles, Marie. (2016). Curriculum Development. SAGE Wiles, Jon. (2009). Leading Curriculum Development. SAGE Talla, Mrunalini.(2012). Curriculum Development Perspectives Principles &Issues : PEARSON
3	**ई-संसाधन**	http://www.mgahv.in/Pdf/Dist/gen/shiksha_001_16_03_16.Pdf

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

5. पाठ्यचर्याका नाम. अनुशासन एवं विषय अवबोधन (Understanding of Disciplines and Subjects) (NameoftheCourse).

2.पाठ्यचर्याकाकोड. शिक्षा 004
(CodeoftheCourse).
3. **क्रेडिट**: 2
4. सेमेस्टर:प्रथम
(Credit) **(Semester)**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	30
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	00
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	00
कौशल विकास गतिविधियाँ	00
कुल क्रेडिटघंटे	30

5. पाठ्यचर्या विवरण:
(Description of Course)

पाठ्यक्रम की विवेचना इकाई-1: अनुशासन एवं विषय

- शिक्षा अंतरानुशासनिक अध्ययन के क्षेत्र के रूप में
- अनुशासन की प्रकृति एवं विशेषताएँ
- चिंतन की भारतीय व्यवस्था के परिप्रेक्ष्य में शिक्षा के मनोवैज्ञानिक, समाजशास्त्रीय, एतिहासिक तथा दार्शनिक आधार
- विभिन्न विद्यालयी विषयों में अंतर्संबंध एवं अंतरनिर्भरता

इकाई-2: विज्ञान विषय एवं अनुशासन के रूप में

- सामाजिक, राजनीतिक, बौद्धिक एवं ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य के संबंध में विज्ञान की उत्पत्ति का अध्ययन
- विज्ञान की प्रकृति एवं इतिहास, वैज्ञानिक प्रविधि, ज्ञान, समझ एवं विज्ञान, सामाजिक-सांस्कृतिक दृष्टिकोण तथा नैतिक विचार
- विज्ञान एक अनुशासन के रूप में, विद्यालय पाठ्यचर्या की योजना में वैज्ञानिक ज्ञान का स्थान
- विज्ञान के अनुशासन में प्रतिमान विस्थापन
- वैज्ञानिक ज्ञान की बदलती अवधारणा, विद्यालय विज्ञान को पुनः परिभाषित करने की आवश्यकता

इकाई-3: भाषा एक विषय एवं अनुशासन के रूप में

- शिक्षा में भाषा की केन्द्रीयता
- बच्चों के बौद्धिक विकास तथा मातृभाषा, प्रथम एवं द्वितीय भाषा को सीखने में भाषा की भूमिका
- विद्यालय पाठ्यचर्या में भाषा- लक्ष्य, विमर्श एवं वाद-विवाद, विद्यालय में नीति विमर्श एवं भाषा
- भाषा के सीखने में आने वाली चुनतियाँ (स्कूली शिक्षा और बच्चों का स्कूल छोड़ना, मौखिक प्रवीणता और आलोचनात्मक समझ, सीखने व सम्प्रेषण के लिए भाषा में अंतर) और चुनातियों से निपटने के उपाय
- भाषा विकास के विभिन्न स्तर

इकाई-4: गणित एक विषय एवं अनुशासन के रूप में

- गणित की प्रकृति एवं इतिहास
- वैदिक गणित, विद्यालय पाठ्यचर्या में गणित का स्थान, दैनिक जीवन में गणित
- गणित के अनुशासन को सीखने में गणित प्रयोगशाला की भूमिका
- गणित का अन्य विषयों के साथ संबंध

इकाई-5: सामाजिक विज्ञान एक विषय एवं अनुशासन के रूप में

- सामाजिक विज्ञान की प्रकृति एवं इतिहास
- समाजिक विज्ञान अध्ययन के एक क्षेत्र के रूप में
- अंतरानुशासनिक दृष्टिकोण से समाजिक विज्ञान के अध्ययन की आवश्यकता

विद्यालय पाठ्यचर्या में सामाजिक विज्ञान का स्थान एवं प्रासंगिकता

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:
(Course Learning Outcomes)

1. इस पाठ्यक्रम का अध्ययन कर अध्येता शिक्षा का अंतरानुशासनिक अध्ययन के क्षेत्र के रूप में प्रत्यक्षीकरण कर सकेंगे|

2. वे विद्यालय पाठ्यक्रम में सम्मिलित विभिन्न विषयों के सामाजिक-राजनीतिक तथा एतिहासिक परिप्रेक्ष्य का आलोचनात्मक विश्लेषण कर सकेंगे|

3. वे इन विषयों की प्रकृति एवं विद्यालय पाठ्यचर्या में इन विषयों की भूमिका तथा लोक जीवन में इनके महत्त्व एवं आवश्यकता को समझ सकेंगे|

4. वे इन विषयों के अंतर्संबंध एवं अंतरनिर्भरता तथा विद्यालय पाठ्यचर्या में इनके सापेक्षिक स्थान पर संप्रत्यात्मक, प्रायोगिक तथा अकादमिक दृष्टिकोण से विचारशील चिंतन कर सकेंगे|

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents oftheCourse)

मॉड्यूल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)**			**कुल घंटे**	**कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)**
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल** (यदि अपेक्षित हैं)	**संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..**(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	अनुशासन की प्रकृति एवं विशेषताएँ । शिक्षा अंतरानुशासनिक अध्ययन के क्षेत्र के रूप में	**2**			**2**	**6.66**
मॉड्यूल-2	चिंतन की भारतीय व्यवस्था के	**3**			**3**	**10.0**

	परिप्रेक्ष्य में शिक्षा के मनोवैज्ञानिक, समाजशास्त्रीय, एतिहासिक तथा दार्शनिक आधार। विभिन्न विद्यालयी विषयों में अंतर-संबंध एवं अंतरनिर्भरता					**0**
मॉड्यूल-3	सामाजिक, राजनीतिक, बौद्धिक एवं ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य के संबंध में विज्ञान की उत्पत्ति का अध्ययन। विज्ञान की प्रकृति एवं इतिहास, वैज्ञानिक प्रविधि, ज्ञान, समझ एवं विज्ञान, सामाजिक-सांस्कृतिक दृष्टिकोण तथा नैतिक विचार	**3**			**3**	**10.00**
मॉड्यूल-4	। विज्ञान एक अनुशासन के रूप में, विद्यालय पाठ्यचर्या की योजना में वैज्ञानिक ज्ञान का स्थान।	**3**			**3**	**10.00**
मॉड्यूल-5	विज्ञान के अनुशासन में प्रतिमान विस्थापन। वैज्ञानिक ज्ञान की बदलती अवधारणा, विद्यालय विज्ञान को पुनः परिभाषित करने की आवश्यकता	**3**			**3**	**10.00**
मॉड्यूल-6	शिक्षा में भाषा की केन्द्रीयता। बच्चों के बौद्धिक विकास तथा मातृभाषा, प्रथम एवं द्वितीय भाषा को सीखने में भाषा की भूमिका	**3**			**3**	**10.00**
मॉड्यूल-7	विद्यालय पाठ्यचर्या में भाषा- लक्ष्य, विमर्श एवं वाद-विवाद, विद्यालय में नीति विमर्श एवं भाष ।भाषा के सीखने में आने वाली चुनतियाँ (स्कूली शिक्षा और बच्चों का स्कूल छोड़ना, मौखिक प्रवीणता और आलोचनात्मक समझ, सीखने व सम्प्रेषण के लिए भाषा में अंतर) और चुनातियों से निपटने के उपाय। भाषा विकास के विभिन्न स्तर	**3**			**3**	**10.00**
मॉड्यूल-8	गणित की प्रकृति एवं इतिहास वैदिक गणित, विद्यालय पाठ्यचर्या	**3**			**3**	**10.00**

	में गणित का स्थान, दैनिक जीवन में गणित गणित का अन्य विषयों के साथ संबंध					
मॉड्यूल-9	गणित के अनुशासन को सीखने में गणित प्रयोगशाला की भूमिका। गणित प्रयोग शाला का स्परूप, प्रकृति,एवं साधनें।	**2**			**2**	**6.66**
मॉड्यूल -10	सामाजिक विज्ञान की प्रकृति एवं इतिहास। समाजिक विज्ञान अध्ययन के एक क्षेत्र के रूप में	**2**			**2**	**6.66**
मॉड्यूल -11	अंतरानुशासनिक दृष्टिकोण से समाजिक विज्ञान के अध्ययन की आवश्यकता विद्यालय पाठ्यचर्या में सामाजिक विज्ञान का स्थान एवं प्रासंगिकता	**3**			**3**	**10.00**
योग		**30**			**30**	**100**

टिप्पणी:

माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
प्रत्येक सेमेस्टर में **0**1 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अधिगम	विद्यार्थी केंद्रित निर्माणवादी
विधियाँ	व्याख्यान, प्रदत्तकार्य, वैयक्तिक एवं सामूहिक प्रस्तुति
तकनीकी	कंप्यूटर सहायक तकनीकी, ई-कंटेंट,
उपादान	प्रदत्त कार्य, स्व-अध्ययन सामाग्री

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगमपरिणाममैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
1. अध्येता शिक्षण व्यवसाय के मूल्यों के अनुरूप अभ्यास कर पाएंगे।	X	X		X				
2. वे अपने निर्णय व्यवहार और अभ्यास के द्वारा शिक्षण व्यवसाय के लिए निर्धारित कसौटियों का पूर्ण पालन करेंगे।	X	X		X				
3. वे विद्यार्थियों के समग्र विकास की परिकल्पना को समझेंगे और तदनुरुप वे शिक्षार्थी केंद्रित शिक्षण विधियों का प्रभावपूर्ण प्रयोग करने में सक्षम होंगे।	X	X	X					
4. वे ऐसे शोध उन्मुख कार्य कर सकेंगे जो शिक्षा और समाज के संबंध को समझने में मदद करें।	X	X		X				
5. वे समसामयिक सूचना प्रौद्योगिकी एवं अन्य तकनीकों के माध्यम से प्रभाव प्रशिक्षण के लिए तत्पर रहेंगे।	X	X	X					
6. उनमें संप्रेषण की समुचित दक्षता होगी जिसके द्वारा वे अपने विचारों को प्रभावपूर्ण संप्रेषण करने में दक्ष होंगे।	X	X	X	X				
7. वे समुदाय के साथ अंतः क्रिया के दौरान सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के प्रति समनुभूति का भाव रखेंगे।	X	X		X				
8. वे शिक्षण और आकलन की समसामयिक तक नीतियों की विशेष जानकारी रखेंगे और उसके अनुरूप उसका अभ्यास करेंगे।	X		X	X				
9. वे विद्यार्थियों में व्याप्त विविधता का सम्मान करते हुए उसके समावेशन की ओर उन्मुख होंगे।	X	X	X	X				
10. वे क्षेत्र, जाति, संप्रदाय , जेंडर आदि की विविधताओं का शिक्षण और अन्य दायित्वों में समावेशन का प्रयास करेंगे।	X	X	X	X				

टिप्पणी:

1. **X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।**
2. **एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।**

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।
#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदनलेखन	
निर्धारित अंकप्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य सामाग्री**	
1	**आधार/पाठ्य-ग्रंथ**	जैन, अमीर चंद व शर्मा, विजय लक्ष्मी. (2013). सामाजिक ज्ञान शिक्षण. जयपुर : सामाजिक ज्ञान शिक्षण शर्मा,एस.एम.(2019).गणित शिक्षण, आगरा, श्री विनोद पुस्तक मंदिर. जैन एवं रावत(2017)। गणित शिक्षण, आगरा, अग्रवालपुब्लिकेशन. पाण्डे,एस.के(2007). ज्ञान शिक्षण,मेरठ,आर लाल बुक डिपो. शर्मा,एच. एस. , तिवारी, ए एवं पराशर,आर.(2007)'विज्ञान शिक्षण के नए आयाम' राधा प्रकाशन मंदिर,आगरा. रावत, डी.एस.(1989). विज्ञान शिक्षण, आगरा, विनोद पुस्तक भवन एनसीईआरटी(2005). राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूप रेखा,एनसीईआरटी, नई दिल्ली.

		एनसीईआरटी(2008). विज्ञान शिक्षण, राष्ट्रीय फोकस समूह का आधार पत्र,एनसीईआरटी, नई दिल्ली. सेठ, श्याम किशोर व मिश्र, नीलिमा.(2011). ज्ञान-दर्शन. इलाहाबाद : लोकभारती प्रकाशन वर्मा, अशोक कुमार. (2017). तत्वमीमांसा एवं ज्ञानमीमांसा. दिल्ली : मोतीलाल बनारसीदास पांडेय, रमा. (2011). भारतीय दर्शन में तत्वों का समस्यात्मक विवेचन. वाराणसी : मोतीलाल बनारसीदास शर्मा, चंद्रधर.(2019). भारतीय दर्शन आलोचना एवं अनुशीलन. दिल्ली : मोतीलाल बनारसीदास दूबे, सत्यनारायन 'शरतेन्दु' (2014). पाठ्यक्रम का विकास. इलाहाबाद : शारदा पुस्तक भवन
2	**संदर्भ-ग्रंथ**	Boyle, Bill & Charles, Marie. (2016). Curriculum Development. SAGE Wiles, Jon. (2009). Leading Curriculum Development. SAGE Talla, Mrunalini.(2012). Curriculum Development Perspectives Principles &Issues : PEARSON Singh, Hukum, Avtar, Ram and Singh V.P. (2005). A Handbook for Designing Mathematics Laboratory in Schools, NCERT Sarangapani, Padma, and Husain, Shama, (2004). "Evaluation of Maths Lab at Samuha-Plan, Deodurg", Report, National Institute of Advanced Studies, Bangalore. Sarangapani, Padma, (2000). "A way to explore children's understanding of mathematics", Issues in primary education. Crotty, M., (1998), The foundations of social research: Meaning and perspective in the research process, London: Sage Publication. Edgar, B.W. &Stanely (1958), Teaching social studies in high school, Heath and company, Boston D.C. Misra, Salil and Ranjan, Ashish (2012)Teaching of Social Sciences:History,Context and Challenges in VandanaSaxena (ed.),Nurturing the Expert Within, Pearson, New Delhi Zevin, J., (2000), Social studies for the twenty first century, Lawrence Erilbaum Associates Publishers, London
3	**ई-संसाधन**	https://mangaloreuniversity.ac.in/sites/default/files/2019/Course%20-%205%20Understanding,%20Disciplines%20and%20School%20Subjects%20(English%20Version).pdf https://ncert.nic.in/pdf/h_focus_group/Pathyacharya,%20Pathyakram.pdf
4	**अन्य**	

(विभागाध्यक्ष / निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

द्वितीय सेमेस्टर

1.पाठ्यचर्या का नाम. संज्ञान, अधिगम एवं शिक्षण (Cognition, Learning and Teaching)

(Name of the Course).

2.पाठ्यचर्याकाकोड. बीईडी 07
(Code of the Course).

2. **क्रेडिट**: 4 **4. सेमेस्टर:**द्वितीय

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	60
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	00
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	00
कौशल विकास गतिविधियाँ	00
कुल क्रेडिटघंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण:
(Description of Course)

इकाई 1: सीखना

- सीखना: अवधारणा और उपागम
- सीखने की प्रक्रिया को निम्नलिखितउपागमों के सन्दर्भ में समझनाः व्यवहारवाद, संज्ञानवाद, सूचना प्रसंस्करणसिद्धान्त, गेस्टाल्ट, सामाजिक निर्माणवाद

इकाई 2: सीखने का निर्माणवादी परिप्रेक्ष्य, बुद्धि, स्मृति

- निर्माणवाद: वैयक्तिक निर्माणवाद और सामाजिकनिर्माणवाद का विस्तृत अध्ययन
- बुद्धिः अवधारणा, मापन से जुड़े प्रश्न;बहुबुद्धि सिद्धान्त; सीखने के तरीके
- स्मृतिः प्रकृति, प्रकार,सांवेगिक,अल्पकालिक तथा दीर्घकालीक स्मृति, कार्यात्मक स्मृति, वर्किंग मेमोरी,विस्मरण के कारण, स्मृति बढ़ाने की युक्तियाँ

इकाई 3: प्रेरणा और रचनाशीलता

- प्रेरणा की प्रकृति और प्रकार, आन्तरिक और बाहय प्रेरणा
- प्रेरणा केउपागमः व्यवहारवादी, माननतावादी, संज्ञानवादी और सामाजिक सांस्कृतिक
- रचनाशीलता का पोषण और समस्या समाधान कौशलों का विकास

इकाई 4: मानव विविधता

- विद्यार्थियों में वैयाक्तिक भिन्नताविविधता का सम्मान औरपोषण
- विभिन्न प्रकार की विविधता का समावेशनः विशिष्ट आवश्यकता वालेविद्यार्थी, प्रतिभाशाली और रचनाशील विद्यार्थी
- सामाजिक दृष्टि से अपवंचितःस्ट्रीट चिल्ड्रेन, बाल श्रमिक, भावनात्मक दृष्टि से अस्थिर,इन सभी प्रकार केविद्यार्थियों से जुड़े प्रश्न, विशिष्ट आवश्यकताएँ और शिक्षा

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

(Course Learning Outcomes)

1. अधिगम की अवधारणा को समझ सकेगें।
2. अधिगम के उपागमों और शिक्षण से उनके संबंध का आकलन कर सकेगें।
3. वे अभिप्रेरणा के सिद्धान्तों को समझ पाएगें।
4. वे निर्माणवादी उपागत अनुरूप शिक्षण युक्तियों का विकास कर पाएगें।
5. अभिप्रेरणा के सिद्धान्तों के आलोक में खुद को अभिप्रेरित शिक्षक के रूप में विकसित कर पाएगें।
6. अपने परिवेश में शिक्षकों और विद्यार्थियों में विविधता की सराहना कर पाएगें।
7. वे समावेशी शिक्षा के सिद्धान्तों के अनुरूप विद्यार्थियों की विविधता को कक्षा शिक्षण में शामिल करने की कुशलता का विकास करेगें।

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा,साथ ही पाठ्यचर्या संपूर्ण पाठ्यक्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of theCourse)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	सीखना: अवधारणा और उपागम	**4**			**4**	**6.67**
मॉड्यूल-2	सीखने की प्रक्रिया को निम्नलिखितउपागमों के सन्दर्भ में समझनाः व्यवहारवाद, संज्ञानवाद, सूचना प्रसंस्करणसिद्धान्त,	**6**			**6**	**10**
मॉड्यूल-3	सीखने की प्रक्रिया को निम्नलिखित उपगमों के संदर्भ में समझना : गेस्टाल्ट, सामाजिक निर्माणवाद	**5**			**5**	**8.33**
मॉड्यूल-4	निर्माणवाद: वैयक्तिक	**5**				

	निर्माणवाद और सामाजिकनिर्माणवाद का विस्तृत अध्ययन				**5**	**8.33**
मॉड्यूल-5	बुद्धिः अवधारणा, मापन से जुड़े प्रश्न;बहुबुद्धि सिद्धान्त; सीखने के तरीके	**5**			**5**	**8.33**
मॉड्यूल-6	स्मृतिः प्रकृति, प्रकार,सांवेगिक,अल्प कालिक तथा दीर्घकालीक स्मृति, कार्यात्मक स्मृति, वर्किंग मेमोरी,	**3**			**3**	**5**
मॉड्यूल-7	विस्मरण के कारण, स्मृति बढ़ाने की युक्तियाँ	**2**			**2**	**3.33**
मॉड्यूल-8	प्रेरणा की प्रकृति और प्रकार, आन्तरिक और बाहय प्रेरणा	**5**			**5**	**8.33**
मॉड्यूल-9	प्रेरणा के उपागमः व्यवहारवादी, माननतावादी, संज्ञानवादी और सामाजिक सांस्कृतिक	**6**			**6**	**10**
मॉड्यूल -10	रचनाशीलता का पोषण और समस्या समाधान कौशलों का विकास	**4**			**4**	**6.67**
मॉड्यूल -11	विद्यार्थियों में वैयाक्तिक भिन्नताविविधता का सम्मान औरपोषण	**2**			**2**	**3.33**
मॉड्यूल -12	विद्यार्थियों की विभिन्न प्रकार की विविधता का समावेशनः विशिष्ट आवश्यकता वालेविद्यार्थी,	**7**			**7**	**11.67**

	प्रतिभाशाली और रचनाशील विद्यार्थी					
मॉड्यूल -13	सामाजिक दृष्टि से अपवंचित:स्ट्रीट चिल्ड्रेन, बाल श्रमिक, भावनात्मक दृष्टि से अस्थिर,इन सभी प्रकार केविद्यार्थियों से जुड़े प्रश्न, विशिष्ट आवश्यकताएँ और शिक्षा	**6**			**6**	**10**
योग		**60**			**60**	**100**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में **0**1 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अधिगम	विद्यार्थी केंद्रित निर्माणवादी
विधियाँ	व्याख्यान, प्रदत्तकार्य, वैयक्तिक एवं सामूहिक प्रस्तुति
तकनीकी	कंप्यूटर सहायक तकनीकी, ई-कंटेंट,
उपादान	प्रदत्त कार्य, स्व-अध्ययन सामाग्री

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
1. अध्येता शिक्षण व्यवसाय के मूल्यों के अनुरूप अभ्यास कर पाएंगे।	X			X	X			
2. वे अपने निर्णय व्यवहार और अभ्यास के द्वारा शिक्षण व्यवसाय के लिए निर्धारित कसौटियों का पूर्ण पालन करेंगे।	X	X			X			
3. वे विद्यार्थियों के समग्र विकास की परिकल्पना को समझेंगे और तदनुरुप वे शिक्षार्थी केंद्रित शिक्षण विधियों का प्रभावपूर्ण प्रयोग करने में सक्षम होंगे।	X		X	X			X	
4. वे ऐसे शोध उन्मुख कार्य कर सकेंगे जो शिक्षा और समाज के संबंध को समझने में मदद करें।	X							
5. वे समसामयिक सूचना प्रौद्योगिकी एवं अन्य तकनीकों के माध्यम से प्रभाव प्रशिक्षण के लिए तत्पर रहेंगे।				X				
6. उनमें संप्रेषण की समुचित दक्षता होगी जिसके द्वारा वे अपने विचारों को प्रभावपूर्ण संप्रेषण करने में दक्ष होंगे।								
7. वे समुदाय के साथ अंतः क्रिया के दौरान सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के प्रति समनुभूति का भाव रखेंगे।	X					X	X	
8. वे शिक्षण और आकलन की समसामयिक तक नीतियों की विशेष जानकारी रखेंगे और उसके अनुरूप उसका अभ्यास करेंगे।		X						
9. वे विद्यार्थियों में व्याप्त विविधता का सम्मान करते हुए उसके समावेशन की ओर उन्मुख होंगे।	X			X		X	X	
10. वे क्षेत्र, जाति, संप्रदाय , जेंडर आदि की विविधताओं का शिक्षण और अन्य दायित्वों में समावेशन का प्रयास करेंगे।		X		X		X	X	

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।
#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य सामाग्री	विवरण (APAFormat में)
1	**आधार/पाठ्य-ग्रंथ**	▪ मंगल, एस.के. (2007). शिक्षा मनोविज्ञान. दिल्ली : प्रेंटिस हाल ऑफ इंडिया प्रा. लि. ▪ सुलैमान, मोहम्मद. (2014). उच्चतर शिक्षा मनोविज्ञान. दिल्ली : मोतीलाल बनारसीदास ▪ चौहान, रीता व पी.डी. पाठक. (2016). बाल्यावस्था एवं उसका विकास. आगरा : अग्रवाल पब्लिकेशन ▪ गुप्ता, एस.पी. व गुप्ता अल्का.(2017). उच्चतर शिक्षा मनोविज्ञान. इलाहाबाद : शारदा पुस्तक भवन
2	**संदर्भ-ग्रंथ**	▪ Saraswathi, T.S. (Ed). (1999). Culture, Socialisation and Human Development: Theory, Research and Application in India. New Delhi: Sage. ▪ Piaget, J. (1951). The Psychology of Intelligence. London: Routledge & Kegan Paul. ▪ Piaget, J. (1952). The Origins of Intelligence in Children. New York: International University Press. ▪ Woolfolk, A., Misra, G. &Jha, A.K. (2012).Fundamentals of Educational Psychology. (11th ed.). New Delhi: Pearson.
3	**ई-संसाधन**	http://www.mgahv.in/Pdf/Dist/gen/cogni_14_06_16.Pdf
4	**अन्य**	

(विभागाध्यषक्ष / निदेशक)

(संकायाध्यषक्ष)

2. पाठ्यचर्या का नाम. शैक्षिक आकलन (Educational Assessment)
(Name of the Course).

2.पाठ्यचर्या का कोड. बीईडी 08
(Code of the Course).

3.क्रेडिट: 2 **4. सेमेस्टर:**द्वितीय

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	30
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	00
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	00
कौशल विकास गतिविधियाँ	00
कुल क्रेडिटघंटे	30

5. पाठ्यचर्या विवरण:
(Description of Course)

इकाई 1: परिप्रेक्ष्य

- आकलन व मूल्यांकन का व्यवहारवादी प्रारूप बनाम निर्माणवादीप्रारूप
- सीखने का आकलन और सीखने के लिए आकलन में विभेद
- प्रचलित मूल्यांकन व आकलन प्रक्रिया का आलोचनात्मक विश्लेषण

इकाई 2: अवधारणाएँ

- मापन, परीक्षण, आकलन और मूल्यांकन
- सतत् व व्यापकमूल्यांकन
- आकलन के उद्देश्य
- ब्लूम टैक्सोनामी का आलोचनात्मक अध्ययन

इकाई 3: आकलन परीक्षणों का निर्माण

- आकलन के मानक और मानदंड
- आकलन के उपकरणःवस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न, निबन्धात्मक प्रश्न, अवलोकन, रेटिंग स्केल,पोर्टफोलियो एवं मूल्यांकन, समूहसाथी मूल्यांकन
- आकलन हेतु कार्यःप्रोजेक्ट, प्रदत्त कार्य, प्रदर्शन आदि
- सी.बी.एस.ई. द्वारा प्रस्तावित सतत एवं व्यापक मूल्यांकन विधि का अध्ययन

इकाई 4:प्रदत्त विश्लेषण और प्रतिपुष्टि

- बुनियादी सांख्यिकी, केन्द्रीय प्रवृत्तिऔर विचलनशीलता का मापन
- ग्राफीय निरूपण, सामान्य प्रायिकता वक्र,सहसम्बन्ध
- प्रतिशतांक और प्रतिशतांक क्रमःप्रतिपुष्टि देने के तरीके
- प्रतिपुष्टि के आधार पर शिक्षण शास्त्रीय निर्णय

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:
(Course Learning Outcomes)

1. शिक्षार्थी आकलन के विशेषताओं को ध्यान में रखते हुए शिक्षण का दौरान आकलन करने में समर्थ होगें।
2. शिक्षार्थी आकलन वे विभिन्न उपकरणों के प्रयोग की सूझ प्रदर्शित करेगें।

3. शिक्षार्थी आकलन परिणामों को संप्रेषित करने में समर्थ होगें।
4. शिक्षार्थी आकलन के अध्यापक निर्मित उपकरणों को विकसित करने में सक्षम होंगे।
5. आंकलन की सांख्यिकी विधियों के प्रयोग में सक्षम होंगे ।

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा,साथ ही पाठ्यचर्या संपूर्ण पाठ्यक्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	आकलन व मूल्यांकन का व्यवहारवादी प्रारूप बनाम निर्माणवादीप्रारूप	**3**			**3**	**10**
मॉड्यूल-2	सीखने का आकलन और सीखने के लिए आकलन में विभेद	**3**			**3**	**10**
मॉड्यूल-3	प्रचलित मूल्यांकन व आकलन प्रक्रिया का आलोचनात्मक विश्लेषण	**1**			**1**	**3.33**
मॉड्यूल-4	मापन, परीक्षण, आकलन और मूल्यांकन	**2**			**2**	**6.67**
मॉड्यूल-5	सतत् व व्यापकमूल्यांकन	**2**			**2**	**6.67**
मॉड्यूल-6	आकलन के उद्देश्य	**1**			**1**	**3.33**
मॉड्यूल-7	ब्लूम टैक्सोनामी का आलोचनात्मक अध्ययन	**2**			**2**	**6.67**
मॉड्यूल-8	आकलन के मानक और मानदंड	**1**			**1**	**3.33**
मॉड्यूल-9	आकलन के उपकरणःवस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न,					

	निबन्धात्मक प्रश्न, अवलोकन, रेटिंग स्केल,पोर्टफोलियो एवं मूल्यांकन, समूहसाथी मूल्यांकन	**2**			**2**	**6.67**
मॉड्यूल -10	आकलन हेतु कार्य:प्रोजेक्ट, प्रदत्त कार्य, प्रदर्शन आदि	**2**			**2**	**6.67**
मॉड्यूल -11	सी.बी.एस.ई. द्वारा प्रस्तावित सतत एवं व्यापक मूल्यांकन विधि का अध्ययन	**2**			**2**	**6.67**
मॉड्यूल -12	बुनियादी सांख्यिकी, केन्द्रीय प्रवृत्तिऔर विचलनशीलता का मापन,ग्राफीय निरूपण, सामान्य प्रायिकता वक्र, सहसंबंध	**5**			**5**	**16.67**
मॉड्यूल -13	प्रतिशतांक और प्रतिशतांक क्रम:प्रतिपुष्टि देने के तरीके	**3**			**3**	**10**
मॉड्यूल-14	प्रतिपुष्टि के आधार पर शिक्षण शास्त्रीय निर्णय	**1**			**1**	**3.33**
योग		**30**			**30**	**100**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में **0**1 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अधिगम	विद्यार्थी केंद्रित निर्माणवादी
विधियाँ	व्याख्यान, प्रदत्तकार्य, वैयक्तिक एवं सामूहिक प्रस्तुति
तकनीकी	कंप्यूटर सहायक तकनीकी, ई-कंटेंट,
उपादान	प्रदत्त कार्य, स्व-अध्ययन सामाग्री

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
1. अध्येता शिक्षण व्यवसाय के मूल्यों के अनुरूप अभ्यास कर पाएंगे।	X			X				
2. वे अपने निर्णय व्यवहार और अभ्यास के द्वारा शिक्षण व्यवसाय के लिए निर्धारित कसौटियों का पूर्ण पालन करेंगे।	X	X		X	X			
3. वे विद्यार्थियों के समग्र विकास की परिकल्पना को समझेंगे और तदनुरुप वे शिक्षार्थी केंद्रित शिक्षण विधियों का प्रभावपूर्ण प्रयोग करने में सक्षम होंगे।								
4. वे ऐसे शोध उन्मुख कार्य कर सकेंगे जो शिक्षा और समाज के संबंध को समझने में मदद करें।				X				
5. वे समसामयिक सूचना प्रौद्योगिकी एवं अन्य तकनीकों के माध्यम से प्रभाव प्रशिक्षण के लिए तत्पर रहेंगे।		X		X				
6. उनमें संप्रेषण की समुचित दक्षता होगी जिसके द्वारा वे अपने विचारों को प्रभावपूर्ण संप्रेषण करने में दक्ष होंगे।			X					
7. वे समुदाय के साथ अंतः क्रिया के दौरान सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के प्रति समनुभूति का भाव रखेंगे।								
8. वे शिक्षण और आकलन की समसामयिक तक नीतियों की विशेष जानकारी रखेंगे और उसके अनुरूप उसका अभ्यास करेंगे।					X			
9. वे विद्यार्थियों में व्याप्त विविधता का सम्मान करते हुए उसके समावेशन की ओर उन्मुख होंगे।								
10. वे क्षेत्र, जाति, संप्रदाय , जेंडर आदि की विविधताओं का शिक्षण और अन्य दायित्वों में समावेशन का प्रयास करेंगे।								

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।
#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य सामाग्री	विवरण (APAFormat में)
1	**आधार/पाठ्य-ग्रंथ**	▪ श्रीवास्तव, प्रवीणचंद्र.(2008). प्रारंभिक सांख्यिकी विधियाँ. वाराणसी : विश्वविद्यालय प्रकाशन ▪ पांडेय, कमाताप्रसाद (2011). शैक्षिक मापन एवं मूल्यांकन. वाराणसी : विश्वविद्यालय प्रकाशन ▪ सिंह, रामपाल. (2014). शैक्षिक मूल्यांकन. आगरा : अग्रवाल पब्लिकेशन ▪ सिंह, अरुण कुमार. (2017). मनोविज्ञान, समाजशास्त्र तथा शिक्षा में शोध विधियाँ. दिल्ली : मोतीलाल बनारसीदास ▪ भार्गव, महेश. (2018). मनोवैज्ञानिक मापन एवं मूल्यांकन एवं सांख्यिकी. आगरा : एच.पी. भार्गव बूक हाउस

		▪ सुलैमान, मोहम्मद.2018).मनोविज्ञान शिक्षा एवं अन्य सामाजिक विज्ञानों में सांख्यिकी. दिल्ली : मोतीलाल बनारसीदास ▪ बलिया, शिरीष; अरोड़ा, रीता व शर्मा ओ.पी. (2013). शिक्षा में मापन एवं मूल्यांकन.जयपुर : राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी
2	**संदर्भ-ग्रंथ**	▪ Nitko, A. J. (1996). *Educational assessment of students*. Prentice-Hall Order Processing Center. ▪ National Research Council. (2001). *Knowing what students know: The science and design of educational assessment*. National Academies Press. ▪ Brookhart, M. Susan &Nitko, J. Anthony. (2007). Educational Assessment of Students. Pearson Merrill Prentice Hall
3	**ई-संसाधन**	http://www.mgahv.in/Pdf/Dist/gen/educa_14_06_16.Pdf
4	**अन्य**	

(विभागाध्यषक्ष / निदेशक)

(संकायाध्यषक्ष)

3. पाठ्यचर्या का नाम. ज्ञान एवं पाठ्यचर्या - (Knowledge and Curriculum)
(Name of the Course).

2.पाठ्यचर्या का कोड. बीईडी 009
(Code of the Course).

3. क्रेडिट:2 **4. सेमेस्टर:** तृतीय
(Credit) **(Semester)**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	**30**
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	00
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	0**0**
कौशल विकास गतिविधियाँ	00
कुल क्रेडिटघंटे	30

5. पाठ्यचर्या विवरण:
(Description of Course)

इकाई-1: ज्ञान का ज्ञानमीमांसीय आधार:

- ज्ञानमीमांसा की संकल्पना- दार्शनिक परिप्रेक्ष्य, ज्ञान की संकल्पना- प्राचीन समय से समकालीन विवेचना तक
- ज्ञान की संरचना तथा इसके रूप
- जानना, चिंतन एवं सीखना
- ज्ञान प्राप्ति के उपागम, खोज एवं संवाद की संकल्पना- गाँधी, टैगोर, ड्युई एवं प्लेटो के विचारों में

इकाई-2: ज्ञान एवं शिक्षा

- ज्ञान का अर्थ, ज्ञान एवं सूचना, तर्क एवं विश्वास
- अनुदेशन, शिक्षण एवं प्रशिक्षण
- ज्ञान, कौशल एवं मूल्य
- औपचारिक, अनौपचारिक एवं गैर-औपचारिक शिक्षा
- शिक्षा का बहु-सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य, प्रत्यक्ष, मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा

इकाई-3: पाठ्यचर्या की संकल्पना

- पाठ्यचर्या का अर्थ एवं संकल्पना
- पाठ्यचर्या रुपरेखा, पाठ्यचर्या, पाठ्यक्रम एवं पाठ्यपुस्तक में सह-सम्बन्ध
- पाठ्यचर्या के प्रकार- मुख्य (कोर) पाठ्यक्रम, छिपा हुआ (हिडन) पाठ्यक्रम, शून्य (नल्ल) पाठ्यक्रम, अव्यक्त (लेटेंट) पाठ्यक्रम

इकाई-4: पाठ्यचर्या निर्माण

- आवश्यकता एवं महत्त्व
- पाठ्यचर्या निर्माण के सिद्धांत
- पाठ्यचर्या निर्माण के आधार
- पाठ्यचर्या निर्माण के निर्धारक

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

(Course Learning Outcomes)

1. छात्र ज्ञान और पाठयचर्या के पारस्परिक संबंध को जानने समर्थ होंगे।
2. छात्र पाठ्यचर्या की स्वरूपगत विशेषताओं का विश्लेषण कर सकेंगे।
3. छात्र शिक्षण प्रक्रिया के स्वरूपगत विशेषताओं को पहचान पाएंगे।
4. छात्र ज्ञानमीमांसा के दार्शनिक पहलुओं से परिचित हो सकेंगे।
5. छात्र पाठ्यचर्या निर्माण के सैद्धांतिक आधारों से परिचित हो सकेंगे।

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या संपूर्ण पाठ्यक्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of theCourse)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	ज्ञानमीमांसा की संकल्पना- दार्शनिक परिप्रेक्ष्य, ज्ञान की संकल्पना- प्राचीन समय से समकालीन विवेचना तक	**3**			**3**	**10**
मॉड्यूल-2	ज्ञान की संरचना तथा इसके रूप	**1**			**1**	**3.33**
मॉड्यूल-3	जानना, चिंतन एवं सीखना	**1**			**1**	**3.33**
मॉड्यूल-4	ज्ञान प्राप्ति के उपागम, खोज एवं संवाद की संकल्पना- गाँधी, टैगोर, ड्युई एवं प्लेटो के विचारों में	**3**			**3**	**10**
मॉड्यूल-5	ज्ञान का अर्थ, ज्ञान एवं सूचना, तर्क एवं विश्वास	**2**			**2**	**6.67**
मॉड्यूल-6	अनुदेशन, शिक्षण एवं प्रशिक्षण	**2**			**2**	**6.67**

मॉड्यूल-7	ज्ञान, कौशल एवं मूल्य	**1**			**1**	**3.33**
मॉड्यूल-8	औपचारिक, अनौपचारिक एवं गैर-औपचारिक शिक्षा	**2**			**2**	**6.67**
मॉड्यूल-9	शिक्षा का बहु-सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य, प्रत्यक्ष, मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा	**2**			**2**	**6.67**
मॉड्यूल -10	पाठ्यचर्या का अर्थ एवं संकल्पना	**1**			**1**	**3.33**
मॉड्यूल -11	पाठ्यचर्या रुपरेखा, पाठ्यचर्या, पाठ्यक्रम एवं पाठ्यपुस्तक में सह-सम्बन्ध	**3**			**3**	**10**
मॉड्यूल -12	पाठ्यचर्या के प्रकार- मुख्य (कोर) पाठ्यक्रम, छिपा हुआ (हिडन) पाठ्यक्रम, शून्य (नल्ल) पाठ्यक्रम, अव्यक्त (लेटेंट) पाठ्यक्रम	**4**			**4**	**13.33**
मॉड्यूल -13	पाठ्यचर्या की आवश्यकता एवं महत्त्व पाठ्यचर्या निर्माण के सिद्धांत	**3**			**3**	**10**
मॉड्यूल -14	पाठ्यचर्या निर्माण के आधार	**1**			**1**	**3.33**
मॉड्यूल -15	पाठ्यचर्या निर्माण के निर्धारक	**1**			**1**	**3.33**
योग		**30**			**30**	**100**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में **0**1 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अधिगम	विद्यार्थी केंद्रित निर्माणवादी
विधियाँ	व्याख्यान, प्रदत्तकार्य, वैयक्तिक एवं सामूहिक प्रस्तुति
तकनीकी	कंप्यूटर सहायक तकनीकी, ई-कंटेंट,
उपादान	प्रदत्त कार्य, स्व-अध्ययन सामग्री

9.

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
1. अध्येता शिक्षण व्यवसाय के मूल्यों के अनुरूप अभ्यास कर पाएंगे।	**X**	**X**						
2. वे अपने निर्णय व्यवहार और अभ्यास के द्वारा शिक्षण व्यवसाय के लिए निर्धारित कसौटियों का पूर्ण पालन करेंगे।		**X**	**X**	**X**	**X**			
3. वे विद्यार्थियों के समग्र विकास की परिकल्पना को समझेंगे और तदनुरूप वे शिक्षार्थी केंद्रित शिक्षण विधियों का प्रभावपूर्ण प्रयोग करने में सक्षम होंगे।		**X**	**X**					
4. वे ऐसे शोध उन्मुख कार्य कर सकेंगे जो शिक्षा और समाज के संबंध को समझने में मदद करें।	**X**				**X**			
5. वे समसामयिक सूचना प्रौद्योगिकी एवं अन्य तकनीकों के माध्यम से प्रभाव प्रशिक्षण के लिए तत्पर रहेंगे।								
6. उनमें संप्रेषण की समुचित दक्षता होगी जिसके द्वारा वे अपने विचारों को प्रभावपूर्ण संप्रेषण करने में दक्ष होंगे।								
7. वे समुदाय के साथ अंतः क्रिया के दौरान सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के प्रति समनुभूति का भाव रखेंगे।								
8. वे शिक्षण और आकलन की समसामयिक तक नीतियों की विशेष जानकारी रखेंगे और उसके अनुरूप उसका अभ्यास करेंगे।			**X**					
9. वे विद्यार्थियों में व्याप्त विविधता का सम्मान करते हुए उसके समावेशन की ओर उन्मुख होंगे।								
10. वे क्षेत्र, जाति, संप्रदाय , जेंडर आदि की विविधताओं का शिक्षण और अन्य दायित्वों में समावेशन का प्रयास करेंगे ।								

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।
#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य सामाग्री**	**विवरण (APAFormat में)**
1	**आधार/पाठ्य-ग्रंथ**	▪ सेठ, श्याम किशोर व मिश्र, नीलिमा.(2011). ज्ञान-दर्शन. इलाहाबाद : लोकभारती प्रकाशन ▪ वर्मा, अशोक कुमार. (2017). तत्वमीमांसा एवं ज्ञानमीमांसा. दिल्ली : मोतीलाल बनारसीदास ▪ पांडेय, रमा. (2011). भारतीय दर्शन में तत्वों का समस्यात्मक विवेचन. वाराणसी : मोतीलाल बनारसीदास ▪ शर्मा, चंद्रधर.(2019). भारतीय दर्शन आलोचना एवं अनुशीलन. दिल्ली : मोतीलाल बनारसीदास

		▪ दूबे, सत्यनारायन 'शरतेन्दु' (2014). पाठ्यक्रम का विकास. इलाहाबाद : शारदा पुस्तक भवन
2	**संदर्भ-ग्रंथ**	▪ Boyle, Bill & Charles, Marie. (2016). Curriculum Development. SAGE ▪ Wiles, Jon. (2009). Leading Curriculum Development. SAGE ▪ Talla, Mrunalini.(2012). Curriculum Development Perspectives Principles &Issues : PEARSON
3	**ई-संसाधन**	▪ http://www.mgahv.in/Pdf/Dist/gen/bed_4sem_043_24_04_17.Pdf ▪ https://ncert.nic.in/pdf/h_focus_group/Pathyacharya,%20Pathyakram.pdf
4	**अन्य**	

(विभागाध्यषक्ष / निदेशक)

(संकायाध्यषक्ष)

a. **पाठ्यचर्या का नाम. सामाजिक विज्ञान शिक्षण-I** (Teaching of Social Science-I)
(Name of the Course).

2.पाठ्यचर्या का कोड. बीईडी 02
(Code of the Course).
3.क्रेडिट: 2 **4. सेमेस्टर:** द्वितीय

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	29
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	00
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	01
कौशल विकास गतिविधियाँ	00
कुल क्रेडिटघंटे	30

5. पाठ्यचर्या विवरण:
(Description of Course)
इकाई 1: परिचय

- प्राकृतिक और सामाजिक विज्ञान के बीच भेद: स्कूलों में सामाजिक विज्ञान विषय
- ज्ञानानुशासन के रूप में सामाजिक विज्ञान
- सामाजिक विज्ञान केदार्शनिक व सैद्धान्तिक आधार
- सामाजिक विज्ञान में 'सामाजिक' क्या है?
- सामाजिक विज्ञान का विद्यालयी विषय के रूप में विकास व प्रवृत्तियाँ
- सामाजिक विज्ञान का अन्य विषयों से संबंध
- विषय की अनुशासनात्मकता और अन्तर- अनुशासनात्मकता

इकाई 2: सामाजिक विज्ञान शिक्षण

- सामाजिक विज्ञान के लक्ष्य व उद्देश्य
- माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक स्तर पर सामाजिक विज्ञान का पाठ्यक्रम व पुस्तकें
- सामाजिक विज्ञान के पाठ्यक्रम विकास के उपागम
- सामाजिक विज्ञान के पाठ्यपुस्तकों का आलोचनात्मक अध्ययन
- लोकतंत्र, नागरिकता, और मानवाधिकार के विमर्श और सामाजिक विज्ञान शिक्षक के लिए निहितार्थ

इकाई 3: सामाजिक विज्ञान शिक्षण की विधियाँ

- पाठ्यपुस्तक विधि, व्याख्यान विधि, कहानी विधि, नाट्य रूपान्तरण, तुलनात्मक विधि, प्रोजेक्ट विधि आदि
- सामाजिक विज्ञान शिक्षण में समसामयिक राजनैतिक घटनाओं का प्रयोग
- पाठ्यसहगामी गतिविधियाँ: क्षेत्र भ्रमण, फिल्म स्क्रीनिंग, सर्वेक्षण आदि
- लोक साहित्य, मौखिक इतिहास, बाल पंचायत, कृत्रिम संसद

इकाई 4: सामाजिक विज्ञान की कक्षागत प्रक्रियायों की समझ

- कक्षा में पाठ्यपुस्तक, कक्षा में पूछे गए सवाल, विद्यार्थी के दैनंदिन ज्ञान
- शिक्षक का विषय ज्ञान, कक्षा में अंतःक्रिया, कक्षा में संवाद
- पाठ योजना का निर्माण

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

(Course Learning Outcomes)

1. सामाजिक विज्ञान शिक्षण के लक्ष्यों के अनुसार शिक्षण योजना बना सकेंगे।
2. सामाजिक विज्ञान शिक्षण के दौरान विभिन्न शिक्षण विधियों का प्रयोग कर सकेंगे।
3. सामाजिक विज्ञान शिक्षण के दौरान उसके लक्ष्यों और उपादेयता को विद्यार्थियों तक संप्रेषित कर सकेंगे।
4. सामाजिक विज्ञान शिक्षण संबंधी विषयों के मूल्यांकन के उपकरणों को विकसित करने में सक्षम हो सकेंगे।
5. सामाजिक विज्ञान विषय से संबन्धित शिक्षण सामग्री के चयन में समर्थ होंगे।

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या संपूर्ण पाठ्यक्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of theCourse)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	प्राकृतिक और सामाजिक विज्ञान के बीच भेद: स्कूलों में सामाजिक विज्ञान विषय	**2**			**2**	**6.67**
मॉड्यूल-2	ज्ञानानुशासन के रूप में सामाजिक विज्ञान, सामाजिक विज्ञान के दार्शनिक व सैद्धान्तिक आधार	**2**			**2**	**6.67**
मॉड्यूल-3	सामाजिक विज्ञान में 'सामाजिक' क्या है? सामाजिक विज्ञान का विद्यालयी विषय के रूप में विकास व प्रवृत्तियाँ	**2**			**2**	**6.67**
मॉड्यूल-4	सामाजिक विज्ञान का	**2**				

	अन्य विषयों से संबंध. विषय की अनुशासनात्मकता और अन्तर-अनुशासनात्मकता				**2**	**6.67**
मॉड्यूल-5	सामाजिक विज्ञान शिक्षण के लक्ष्य व उद्देश्य. माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक स्तर पर सामाजिक विज्ञान का पाठ्यक्रम व पुस्तकें	**2**			**2**	**6.67**
मॉड्यूल-6	सामाजिक विज्ञान के पाठ्यक्रम विकास के उपागम	**2**			**2**	**6.66**
मॉड्यूल-7	सामाजिक विज्ञान के पाठ्यपुस्तकों का आलोचनात्मक अध्ययन	**1**			**1**	**3.33**
मॉड्यूल-8	लोकतंत्र, नागरिकता, और मानवाधिकार के विमर्श और सामाजिक विज्ञान शिक्षक के लिए निहितार्थ	**2**			**2**	**6.67**
मॉड्यूल-9	सामाजिक विज्ञान शिक्षण की विधियाँ : पाठ्यपुस्तक विधि, व्याख्यान विधि, कहानी विधि, नाट्य रूपान्तरण, तुलनात्मक विधि, प्रोजेक्ट विधि आदि	**3**			**3**	**10**
मॉड्यूल -10	सामाजिक विज्ञान शिक्षण में	**2**				

	समसामयिक राजनैतिक घटनाओं का प्रयोग				**2**	**6.67**
मॉड्यूल -11	पाठ्यसहगामी गतिविधियाँ: क्षेत्र भ्रमण, फिल्म स्क्रीनिंग, सर्वेक्षण आदि	**2**			**2**	**6.67**
मॉड्यूल -12	लोक साहित्य, मौखिक इतिहास, बाल पंचायत, कृत्रिम संसद	**1**		**1**	**2**	**6.67**
मॉड्यूल -13	कक्षा में पाठ्यपुस्तक, कक्षा में पूछे गए सवाल, विद्यार्थी के दैनंदिन ज्ञान	**2**			**2**	**6.67**
मॉड्यूल -14	शिक्षक का विषय ज्ञान, कक्षा में अंत:क्रिया, कक्षा में संवाद	**2**			**2**	**6.66**
मॉड्यूल-15	पाठ योजना का निर्माण	**2**			**2**	**6.66**
योग		**29**		**01**	**30**	**100**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में **0**1 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अधिगम	विद्यार्थी केंद्रित निर्माणवादी
विधियाँ	व्याख्यान, प्रदत्तकार्य, वैयक्तिक एवं सामूहिक प्रस्तुति
तकनीकी	कंप्यूटर सहायक तकनीकी, ई-कंटेंट,
उपादान	प्रदत्त कार्य, स्व-अध्ययन सामाग्री

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स :
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
1. अध्येता शिक्षण व्यवसाय के मूल्यों के अनुरूप अभ्यास कर पाएंगे।	**X**				**X**			
2. वे अपने निर्णय व्यवहार और अभ्यास के द्वारा शिक्षण व्यवसाय के लिए निर्धारित कसौटियों का पूर्ण पालन करेंगे।	**X**	**X**			**X**			
3. वे विद्यार्थियों के समग्र विकास की परिकल्पना को समझेंगे और तदनुरूप वे शिक्षार्थी केंद्रित शिक्षण विधियों का प्रभावपूर्ण प्रयोग करने में सक्षम होंगे।	**X**	**X**	**X**	**X**				
4. वे ऐसे शोध उन्मुख कार्य कर सकेंगे जो शिक्षा और समाज के संबंध को समझने में मदद करें।								
5. वे समसामयिक सूचना प्रौद्योगिकी एवं अन्य तकनीकों के माध्यम से प्रभाव प्रशिक्षण के लिए तत्पर रहेंगे।		**X**						
6. उनमें संप्रेषण की समुचित दक्षता होगी जिसके द्वारा वे अपने विचारों को प्रभावपूर्ण संप्रेषण करने में दक्ष होंगे।		**X**	**X**					
7. वे समुदाय के साथ अंतः क्रिया के दौरान सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के प्रति समानुभूति का भाव रखेंगे।								
8. वे शिक्षण और आकलन की समसामयिक तक नीतियों की विशेष जानकारी रखेंगे और उसके अनुरूप उसका अभ्यास करेंगे।				**X**	**X**			
9. वे विद्यार्थियों में व्याप्त विविधता का सम्मान करते हुए उसके समावेशन की ओर उन्मुख होंगे।								
10. वे क्षेत्र, जाति, संप्रदाय , जेंडर आदि की विविधताओं का शिक्षण और अन्य दायित्वों में समावेशन का प्रयास करेंगे।								

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।
#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य सामाग्री	विवरण (APAFormat में)
1	**आधार/पाठ्य-ग्रंथ**	▪ जैन, अमीर चंद व शर्मा, विजय लक्ष्मी. (2013). सामाजिक ज्ञान शिक्षण. जयपुर : सामाजिक ज्ञान शिक्षण
2	**संदर्भ-ग्रंथ**	▪ Arora, P (2014). A Democratic Classroom for Social Science, Project Report, University of Delhi, Delhi. ▪ Batra, P. (Ed 2010). Social Science Learning in Schools: Perspective and Challenges. Sage Publications India Pvt. Ltd. New Delhi. ▪ Bining, A.C. &Bining, D.H.(1952), Teaching of social studies in secondary schools, Tata McGraw Hill Publishing Co. Ltd. Bombay ▪ Crotty, M., (1998), The foundations of social research: Meaning and perspective

		in the research process, London: Sage Publication. ▪ Edgar, B.W. &Stanely (1958), Teaching social studies in high school, Heath and company, Boston D.C. ▪ Misra, Salil and Ranjan, Ashish (2012)Teaching of Social Sciences:History,Context and Challenges in VandanaSaxena (ed.),Nurturing the Expert Within, Pearson, New Delhi ▪ Zevin, J., (2000), Social studies for the twenty first century, Lawrence Erilbaum Associates Publishers, London
3	**ई-संसाधन**	https://ncert.nic.in/pdf/h_focus_group/Samajik%20Vikyan%20Ka%20Shikshan.pdf
4	**अन्य**	

(विभागाध्यषक्ष / निदेशक)

(संकायाध्यषक्ष)

4.2 पाठ्यचर्या का नाम: अंग्रेजी शिक्षण-I
(NameoftheCourse)Teaching of English-I

2.पाठ्यचर्या का कोड:बीईडीई02
(Code of the Course)

3.क्रेडिट:2 4. सेमेस्टर:द्वितीय

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	29
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	00
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	01
कौशल विकास गतिविधियाँ	00
कुल क्रेडिटघंटे	30

5. पाठ्यचर्या विवरण:
(Description of Course)

Unit1: Nature and Role of Language

- **Language and Society** — Language and Power; Language and Class (society); Language and Identity; Language and Gender.
- **Language in School**—Home language and school language—Medium of understanding; Multilingual and multicultural classroom; Difference between language as a school subject and language as a Medium of Instruction

Unit2: Role and Position of Languages
Constitutional provisions and policies of language education

- Position of Languages in India; Article 343-351,350A,Kothari Commission (1964-66),NPE-1968, NPE-1986,POA1992,NEP-2020,NationalCurriculumFramework-2005.
- **Role of English language in the Indian context-** English as a language of knowledge; Position of English as second language in India; English and Indian languages; English as a link language in global context; challenges of teaching and learning English.

Unit3: Language Teaching- An Overview

- **Different approaches/theories to language learning & teaching-**Philosophical, social and psychological bases of approaches to Language acquisition and Language learning; Western and Indian overview of language learning (John Dewey, Bruner, J.Piaget, L. Vygotsky, Chomsky, Krashen), (GandhiJi, Sri Aurobindo, Rabindranath Tagore, Zakir Hussain, Radhakrishnan, GijuBhaiBhadeka)
- **Language teaching methods**-Grammar translation method, Structural method, Direct method, Audio-lingual method, Natural method; Communicative approach, Whole language approaches—Task based approach, Thematic Approach etc.Unit4: Linguistics and Language Skills
- **Linguistic Behaviour**-language as a rule governed behavior and linguistic variability;

Pronunciation-linguistic diversity, its impact on English, pedagogical implication; speech and writing.

- **Linguistic system**—the organization of sounds; the structure of sentences; the concept of Universal grammar; Nature and structure of meaning; Phonetics, Syntax and semantics etc.Developing Language Skills- Grammar in contextV ,ocabularyin context, Language skills-listening, speaking, reading and writing.

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:
(Course Learning Outcomes)

- अंग्रेजी भाषा के विभिन्न स्वरूपों को समझने में समर्थ होंगे।
- अंग्रेजी शिक्षण के सिद्धान्तों एवं सूत्रों का प्रयोग करने में समर्थ होंगे।
- अंग्रेजी भाषा से संबंधित विभिन्न नीतियों एवं धाराओं से परिचित होंगे।
- अंग्रेजी शिक्षण के कौशलों के अभ्यास कराने में सामर्थ्य प्राप्त करेंगे।
- अंग्रेजी भाषा के विभिन्न शिक्षण विधाओं को सीखने में समर्थ होंगे।
- अंग्रेजी भाषा शिक्षण में दक्ष होंगे।

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा,साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the **Course**)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	*ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	*संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	**Nature and Role of Language** **Language and Society** — Language and Power; Language and Class (society); Language and Identity;	3			3	10

	Language and Gender.					
मॉड्यूल-2	**Language in School**—Home language and school language—Medium of understanding; Multilingual and multicultural classroom;	2			2	6.66
मॉड्यूल-3	Difference between language as a school subject and language as a Medium of instruction, The curriculum of English in secondary school.	2.5			2.5	8.33
मॉड्यूल-4	**Role and Position of Languages Constitutional provisions and policies of language education** Position of Languages in India; Article 343-351,350A,	1			1	3.33
मॉड्यूल-5	Kothari Commission (1964-66),NPE-	3			3	10

	1968, NPE-1986,POA1992,NEP-2020,NationalCuriculumFramework-2005					
मॉड्यूल-6	**Role of English language in the Indian context-** English as a language of knowledge; Position of English as second language in India; English and Indian languages; English as a link language in global context; challenges of teaching and learning English,MaximsandPrinciplesofteachingEnglish	3.5			3.5	11.66
मॉड्यूल-7	**Language Teaching- An Overview Different approaches/theories to language learning & teaching-**	3.5			3.5	11.66

	Philosophical, social and psychological bases of approaches to Language acquisition and Language learning; Western and Indian overview of language learning (John Dewey, Bruner, J.Piaget, L. Vygotsky, Chomsky, Krashen), (GandhiJi, Sri Aurobindo, Rabindranath Tagore, Zakir Hussain, Radhakrishnan, GijuBhaiBhadeka)						
मॉड्यूल-8	**Language teaching methods-** Grammar translation method, Structural method, Direct method, Audio-lingual method, Natural method;	4			4	13.33	

	Communicative approach, Whole language approaches— Task based approach, Thematic Approach etc.						
मॉड्यूल-9	**Linguistics and Language Skills Linguistic Behaviour-** language as a rule governed behavior and linguistic variability; Pronunciation- linguistic diversity, its impact on English, pedagogical implication; speech and writing.	2			2	6.66	
मॉड्यूल-10	**Linguistic system-**the organization of sounds; the structure of sentences; the concept of Universal grammar; Nature and structure of meaning;	2			2	6.66	

	Phonetics, Syntax and semantics etc.					
मॉड्यूल-11	Developing Language Skills- Grammar in context , Vocabularyin context, Language skills-listening, speaking, reading and writing.	3.5			3.5	11.66
योग		**30**			**30**	**100**

*** ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)- आवश्यकता अनुरूप/समय सारणी अनुरूप**

*** संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..- पाठ्यचर्या के ईकाई के विषय वस्तु के आवश्यकता अनुरूप**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अधिगम	विद्यार्थी केन्द्रित,Constructiveapproach
विधियाँ	व्याख्यान, प्रदत्त कार्य, वैयक्तिक एवं समूहिक प्रस्तुति, शिक्षण विधियों पर आधारित व्यावहारिक कार्य योजना का विकास व्याख्यान, प्रदत्त कार्य,वैयक्तिक एवं सामूहिक प्रस्तुति, व्याख्यान सह चर्चा, परियोजना,सेमिनार प्रस्तुति और विचार-विमर्श, अधिगम संसाधन विकास पर कार्यशाला, प्रकरण अध्ययन
तकनीक	कंप्यटूर सहायक तकनीकी, ई-कंटेंट, गूगल क्लासरूम, विभिन्न वेबसाइट्स
उपादान	प्रदत्त कार्य, स्व अध्ययन सामाग्री,स्व- अभ्यास

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स:
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाममैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6
अंग्रेजी भाषा के विभिन्न स्वरूपों को समझ सकेंगे।	X	-	-	-	-	-
अंग्रेजी शिक्षण के सिद्धान्तों एवं सूत्रों का प्रयोग करने में समर्थ होंगे।	-	X	-	-	-	-
अंग्रेजी भाषा से संबंधित विभिन्न नीतियों एवं धाराओं से परिचय	-	-	X	-	-	-
अंग्रेजी शिक्षण के कौशलों के अभ्यास करेंगे।	-	-	-	X	-	-
अंग्रेजी भाषा के विभिन्न शिक्षण विधाओं का ज्ञान अपने शिक्षण में उपयोग करेंगे।	-	-	-	-	X	-
अंग्रेजी भाषा शिक्षण में दक्षता प्राप्त करेंगे।	-	-	-	-	-	X

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।
#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदनलेखन	
निर्धारित अंकप्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	Kulshreshtha, M.S. and Baraulia, A. (2008). English Language Teaching. Agra, Radha Prakashan Mandir. Nagaraj, G.1996. English Language Teaching. Calcutta:Orient Longman. Prabhu, N.S.(1987). Second Language pedagogy. Oxford: Oxford University Press.
2	संदर्भ-ग्रंथ	NCERT(2005).National Curriculum Framework. New Delhi: NCERT. NCERT(2005).National Curriculum Framework Position Paper National Focus Group on Teaching of English. New Delhi: NCERT. NCERT(2005).National Curriculum Framework Position Paper National Focus Group on Teaching of Indian Languages. New Delhi: NCERT
3	ई-संसाधन	**https://www.coe.int/t/dg4/linguistic/Source/Vollmer_LAC_EN.doc** **https://en.wikipedia.org/wiki/Audio-lingual_method** **https://shodhganga.inflibnet.ac.in/bitstream/10603/20567/10/10_chapter%203.pdf**
4	अन्य	

(विभागाध्यक्ष / निदेशक)

(संकायाध्यषक्ष)

4.3 पाठ्यचर्या का नाम: गणित शिक्षण-I
(NameoftheCourse)

2.पाठ्यचर्या का कोड:बीईडीई02

(Code of the Course)

3.क्रेडिट:2 **4. सेमेस्टर: द्वितीय**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	29
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	00
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	01
कौशल विकास गतिविधियाँ	00
कुल क्रेडिटघंटे	30

5. पाठ्यचर्या विवरण:
(Description of Course)

इकाई 1: गणित शिक्षण के उद्देश्य, युक्तियाँ एवं योजना

- गणित शिक्षण के उद्देश्य और प्राप्य उद्देश्य
- माध्यमिक स्तर के गणित के विभिन्न विषयों के लिए उपयुक्तनिर्देशन युक्तियों का चयन करना:
- अंकगणित शिक्षण (व्यावसायिक गणित)
- बीजगणित शिक्षण (बहुपद, बीजगणितीयतादात्मय, एकघातीय समीकरण, द्विघातीय समीकरण)
- रेखागणित शिक्षण (सर्वंगसमता और समरूपता)
- त्रिकोणमिति शिक्षण (t-अनुपात, ऊंचाई और दूरी)
- सांख्यिकी शिक्षण (केन्द्रीय प्रवृति का मापन)
- क्षेत्रमिति शिक्षण (ठोस आकृतियों का सतही क्षेत्रफल और आयतन)
- पाठ योजना और इकाई योजना का निर्माण

इकाई 2: गणित सीखना, पाठ्यक्रम और विधियाँ

- गणितीय संप्रत्यओं को सीखने में विकासात्मक क्रम से:- पियाजे, ब्रुनर और व्यगोस्की का अंतर्दृष्टि चिंतन
- गणित के निम्नलिखित प्रसंग का शैक्षणिक विश्लेषण: समीकरण, समुच्चय, आयतन, त्रिकोणमिति, अनुपात और समानुपात
- गणित शिक्षण की विधियाँ: व्याख्यान विधि, आगमन और निगमन, संश्लेषण और विश्लेषण, प्रदर्शन विधि, पूछताछ और खोज विधि, समस्या समाधान विधि, प्रोजेक्ट विधि, प्रयोगशाला विधि

इकाई 3: गणित विषय में सीखने के लिए संसाधन

- पाठ्यपुस्तकें, दृश्य-श्रव्य मल्टीमीडिया चयन और डिजाइन
- गणित सीखने के लिए सामुदायिक संसाधनों का उपयोग करना
- स्कूल परिसर / ब्लॉक / जिला स्तर में सीखने के संसाधनों को एकत्रित करना,संसाधनों के उपयोग में आने वाली बाधाओं से निपटना

इकाई 4: गणित शिक्षण में मूल्यांकन

- मापन और मूल्यांकन की अवधारणा
- मूल्यांकन उपकरण: अर्थ और आवयश्कता
- नैदानिक परीक्षण और उपचारात्मक शिक्षण
- व्यक्तिनिष्ठ और वस्तुनिष्ठ परीक्षण
- संरचनात्मक और योगात्मक मूल्यांकन
- सतत और व्यापक मूल्यांकन
- निकष संदर्भितऔर मानक संदर्भित मूल्यांकन
- ब्लू-प्रिंट की रचना और गणित में शिक्षक निर्मित उपलब्धि परीक्षण का निर्माण

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:
(Course Learning Outcomes)

- गणित के विभिन्न विषयों के लिए उपयुक्त निर्देशन युक्तियों का चयन करनेमें समर्थ होंगे।
- गणित के विभिन्न विषय वस्तु के शिक्षण हेतु उपयुक्त विधियों का चयन करने में समर्थ होंगे|
- गणित के विशिष्ट प्रसंगों का शैक्षणिक विश्लेषण करने में समर्थ होंगे।
- गणित शिक्षण से संबंधित विभिन्न संसाधनों का निर्माण एवं प्रयोग करने में समर्थ होंगे|
- अधिगम सिद्धान्तों के शिक्षण शास्त्रीय निहितार्थों की गणित शिक्षण के परिप्रेक्ष्य में सूझ विकसित करेगें।
- गणित शिक्षण के विभिन्न आकलन उपकरणों का उपयोग संज्ञानात्मक एवं सह संज्ञानात्मक आयामों के लिए करने में समर्थ होंगे ।

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा,साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the **Course**)

मॉड्यूल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)**			**कुल घंटे**	**कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)**
		व्याख्यान	***ट्यूटोरियल** (यदि अपेक्षित हैं)	***संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..**(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	**गणित शिक्षण के उद्देश्य, युक्तियाँ एवं योजना** गणित शिक्षण के	1			**1**	3.33

	उद्देश्य और प्राप्य उद्देश्य					
मॉड्यूल-2	माध्यमिक स्तर के गणित के विभिन्न विषयों के लिए उपयुक्तनिर्देशन युक्तियों का चयन करना: अंकगणित शिक्षण (व्यावसायिक गणित) बीजगणित शिक्षण (बहुपद, बीजगणितीय तादात्मय, एकघातीय समीकरण, द्विघातीय समीकरण) रेखागणित शिक्षण (सर्वंगसमता और समरूपता) त्रिकोणमिति शिक्षण (t-अनुपात, ऊंचाई और दूरी) सांख्यिकी शिक्षण (केन्द्रीय प्रवृति का मापन) क्षेत्रमिति शिक्षण (ठोस आकृतियों का सतही क्षेत्रफल और आयतन)	4.5			4.5	15
मॉड्यूल-3	पाठ योजना और इकाई योजना का निर्माण	2			2	6.66
मॉड्यूल-4	**गणित सीखना, पाठ्यक्रम और विधियाँ** गणितीय संप्रत्यओं को सीखने में	2			2	6.66

	विकासात्मक क्रमसे:- पियाजे, ब्रुनरऔर व्यगोस्की का अंतर्दृष्टि चिंतन					
मॉड्यूल-5	गणित के निम्नलिखित प्रसंग का शैक्षणिक विश्लेषण: समीकरण, समुच्चय, आयतन, त्रिकोणमिति, अनुपात और समानुपात	2			2	6.66
मॉड्यूल-6	गणित शिक्षण की विधियाँ: व्याख्यान विधि, आगमन और निगमन, संश्लेषण और विश्लेषण, प्रदर्शन विधि, पूछताछ और खोज विधि, समस्या समाधान विधि, प्रोजेक्ट विधि, प्रयोगशाला विधि	3.5			3.5	11.66
मॉड्यूल-7	**गणित विषय में सीखने के लिए संसाधन** पाठ्यपुस्तकें, दृश्य-श्रव्य मल्टीमीडिया चयन और डिजाइन	3.5			3.5	11.66
मॉड्यूल-8	गणित सीखने के लिए सामुदायिक संसाधनों का उपयोग करना स्कूल परिसर /	4			4	13.33

	ब्लॉक / जिला स्तर में सीखने के संसाधनों को एकत्रित करना,संसाधनों के उपयोग में आने वाली बाधाओं से निपटना					
मॉड्यूल-9	**गणित शिक्षण में मूल्यांकन** मापन और मूल्यांकन की अवधारणा; मूल्यांकन उपकरण: अर्थ और आवयश्कता; नैदानिक परीक्षण और उपचारात्मक शिक्षण; व्यक्तिनिष्ठ और वस्तुनिष्ठ परीक्षण	3.5			3.5	11.66
मॉड्यूल-10	संरचनात्मक और योगात्मक मूल्यांकन सतत और व्यापक मूल्यांकन	2			2	6.66
मॉड्यूल-11	निकष संदर्भितऔर मानक संदर्भितमूल्यांकन; ब्लू-प्रिंट की रचना और गणित में शिक्षक निर्मित उपलब्धि परीक्षण का निर्माण	2			2	6.66
योग		**30**			**30**	**100**

*** ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)- आवश्यकता अनुरूप/समय सारणी अनुरूप**

*** संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..- पाठ्यचर्या के ईकाई के विषय वस्तु के आवश्यकता अनुरूप**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अधिगम	विद्यार्थी केन्द्रित,निर्माणवादी अधिगम
विधियाँ	आगमन-निगमन, व्याख्यान, प्रदत्त कार्य, वैयक्तिक एवं समूहिक प्रस्तुति, शिक्षण विधियों पर आधारित व्यावहारिक कार्य योजना का विकास
तकनीक	कंप्यटूर सहायक तकनीकी, ई-कंटेंट, गूगल क्लासरूम, विभिन्न वेबसाइट्स
उपादान	प्रदत्त कार्य, स्व अध्ययन समाग्री,स्व- अभ्यास

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाममैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6
गणित के विभिन्न विषयों के लिए उपयुक्त निर्देशन युक्तियों का चयन में समर्थ होंगे।	X	-	-	-	-	-
गणित के विभिन्न विषय वस्तु के शिक्षण हेतु उपयुक्त विधियोंके चयन में समर्थ होंगे।	-	X	-	-	-	-
गणित के विशिष्ट प्रसंगों का शैक्षणिक विश्लेषण करने में समर्थ होंगे।	-	-	X	-	-	-
गणित शिक्षण से संबंधित विभिन्न संसाधनों का निर्माण एवं प्रयोग केरेंगे।	-	-	-	X	-	-
अधिगम सिद्धान्तों के शिक्षणशास्त्रीय निहितार्थों की गणित शिक्षण के परिप्रेक्ष्य में सूझ का विकास करेंगे।	-	-	-	-	X	-
गणित शिक्षण के विभिन्न आकलन उपकरणों का उपयोग में समर्थ होंगे।	-	-	-	-	-	X

टिप्पणी:

3. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
4. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।
#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदनलेखन	
निर्धारित अंकप्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	शर्मा,एस.एम.(2019).गणित शिक्षण, आगरा, श्री विनोद पुस्तक मंदिर. जैन एवं रावत(2017)। गणित शिक्षण,आगरा,अग्रवालपुब्लिकेशन.

2	संदर्भ-ग्रंथ	Singh, Hukum, Avtar, Ram and Singh V.P. (2005). A Handbook for Designing Mathematics Laboratory in Schools, NCERT Sarangapani, Padma, and Husain, Shama, (2004). "Evaluation of Maths Lab at Samuha-Plan, Deodurg", Report, National Institute of Advanced Studies, Bangalore. Sarangapani, Padma, (2000). "A way to explore children's understanding of mathematics", Issues in primary education.	
3	ई-संसाधन	https://ncert.nic.in/pdf/focus-group/math.pdf https://sites.google.com/site/eshikshabharat/home/pedagogy-of-mathematics-ganita-siksa-sastra https://www.eklavya.in/magazine-activity/sandarbh-magazines/510-sandarbh-31-to-40/sandarbh-issue-43/2115-ganit-sikshan-me-sahayak-samagri https://ncert.nic.in/pdf/h_focus_group/Ganit%20Shikshan.pdf	
4	अन्य		

(विभागाध्यक्ष / निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

4.4 पाठ्यचर्या का नाम: जीव विज्ञान शिक्षण-I
(NameoftheCourse)

2.पाठ्यचर्या का कोड: बीईडीई01
(Code of the Course)

3.क्रेडिट:2 **4. सेमेस्टर:द्वितीय**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	29
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	00
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	01
कौशल विकास गतिविधियाँ	00
कुल क्रेडिटघंटे	30

5. पाठ्यचर्या विवरण:
(Description of Course)
इकाई-1: जीव विज्ञान ज्ञान के एक गतिशील अनुशासन के रूप में

- जीव विज्ञान का अर्थ एवं इसकी प्रकृति,जीव वैज्ञानिक प्रविधि एवं जीव वैज्ञानिक प्रक्रिया कौशल
- जीव विज्ञान का एतिहासिक, सामाजिक एवं नैतिक दृष्टिकोण
- जीव विज्ञान एवं अन्य विषयों में अंतर्संबंध एवं अंतरनिर्भरता

इकाई-2: जीव विज्ञान शिक्षण के उद्देश्य एवं भारत में जीव विज्ञान शिक्षा का विकास

- माध्यमिक विद्यालय स्तर पर जीव विज्ञान शिक्षण के उद्देश्य
- जीव विज्ञान शिक्षण उद्देश्यों में तात्कालिक रुझान- वैज्ञानिक साक्षरता, भारत में जीव विज्ञान शिक्षा का एतिहासिक विकास, विज्ञान शिक्षा संबंधी विभिन्न आयोग एवं समिति
- समकालीन विद्यालयी शिक्षा में जीव विज्ञान की स्थिति, विद्यालय स्तर पर जीव विज्ञान शिक्षा को प्रभावशाली बनाने की पहल

इकाई-3: जीव विज्ञान शिक्षण के उपागम, प्रविधियाँ एवं युक्तियाँ

- जीवविज्ञान शिक्षण के उपागम: एकीकृत, पारिस्थितिक,आगमनात्मक, निगमनात्मक, पृच्छा, विमर्श आधरित शिक्षण, निर्माणात्मक उपागम
- जीव विज्ञान शिक्षण की प्रविधियाँ एवं युक्तियाँ-क्षेत्र आधारित अध्ययन, अवलोकन, प्रदर्शन, प्रायोगिक कार्य, परियोजना एवं प्रदत्त कार्य, भूमिका अभिनय (रोल प्ले), समस्या समाधान, समन्वित एवं सहयोगात्मक शिक्षण

इकाई-4: सीखने-सिखाने की योजना

- लक्ष्य एवं उद्देश्य में भेद, ब्लूम के टेक्सोनोमी पर आधारित सामान्य तथा विशिष्ट उद्देश्यों का गठन, अवधारणा मानचित्रण
- सीखने-सिखाने की योजना- वार्षिक, इकाई एवं पाठ योजना
- जीव विज्ञान शिक्षण में शिक्षण- अधिगम सामग्री की आवश्यकता एवं महत्त्व, विभिन्न प्रकार के शिक्षण-अधिगम सामग्री की तैयारी

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:
(Course Learning Outcomes)

- जीव विज्ञान की प्रकृति, जीव वैज्ञानिक प्रविधि एवं जीव वैज्ञानिक प्रक्रिया कौशल को समझने में समर्थ होंगे।
- जीव विज्ञान एवं अन्य विषयों के मध्य अंतर्संबंध एवं अंतरनिर्भरता स्थापित करने में समर्थ होंगे।

- जीव विज्ञान शिक्षण के उद्देश्य एवं भारत में जीव विज्ञान शिक्षा के विकास की समझ विकसित करेंगे।
- जीव विज्ञान शिक्षण से संबंधित विभिन्न उपकरणों का निर्माण एवं प्रयोग करने में समर्थ होंगे।
- जीव विज्ञान शिक्षण हेतु पाठ्य योजनाओं के नियोजन एवं निर्माण करने में समर्थ होंगे।
- समकालीन विद्यालयी शिक्षा में जीव विज्ञान की स्थिति का आलोचनात्मक विश्लेषण करेंगे।
- जीव विज्ञान शिक्षण के विभिन्न उपागम, प्रविधियाँ एवं युक्तियाँ का शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में उपयोग करने में समर्थ होंगे ।
- जीव विज्ञानके प्रभावी शिक्षण हेतु विभिन्न सहायक अधिगम समाग्रियों का निर्माण करने में समर्थ होंगे।

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा,साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the**Course**)

मॉड्यूल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)**			**कुल घंटे**	**कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)**
		व्याख्यान	***ट्यूटोरियल** (यदि अपेक्षित हैं)	***संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..**(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	**जीव विज्ञान ज्ञान के एक गतिशील अनुशासन के रूप में** जीव विज्ञान का अर्थ एवं इसकी प्रकृति, जीव वैज्ञानिक प्रविधि एवं जीव वैज्ञानिक प्रक्रिया कौशल	3			3	10
मॉड्यूल-2	जीव विज्ञान का एतिहासिक, समाजिक एवं नैतिक दृष्टिकोण	2			2	6.66
मॉड्यूल-3	जीव विज्ञान एवं अन्य विषयों में अंतर्संबंध एवं अंतरनिर्भरता	2.5			2.5	8.33

मॉड्यूल-4	**जीव विज्ञान शिक्षण के उद्देश्य एवं भारत में जीव विज्ञान शिक्षा का विकास** माध्यमिक विद्यालय स्तर पर जीव विज्ञान शिक्षण के उद्देश्य	2			2	6.66	
मॉड्यूल-5	जीव विज्ञान शिक्षण उद्देश्यों में तात्कालिक रुझान-वैज्ञानिक साक्षरता, भारत में जीव विज्ञान शिक्षा का एतिहासिक विकास, विज्ञान शिक्षा संबंधी विभिन्न आयोग एवं समिति	3			3	10	
मॉड्यूल-6	समकालीन विद्यालयी शिक्षा में जीव विज्ञान की स्थिति, विद्यालय स्तर पर जीव विज्ञान शिक्षा को प्रभावशाली बनाने की पहल	2.5			2.5	8.33	
मॉड्यूल-7	**जीव विज्ञान शिक्षण के उपागम, प्रविधियाँ एवं युक्तियाँ** जीवविज्ञान शिक्षण के उपागम: एकीकृत, पारिस्थितिक,आगम	3.5			3.5	11.66	

	नात्मक, निगमनात्मक, पृच्छा, विमर्श आधरित शिक्षण,निर्माणात्मक उपागम						
मॉड्यूल-8	जीव विज्ञान शिक्षण की प्रविधियाँ एवं युक्तियाँ-क्षेत्र आधारित अध्ययन, अवलोकन, प्रदर्शन, प्रायोगिक कार्य, परियोजना एवं प्रदत्त कार्य, भूमिका अभिनय (रोल प्ले), समस्या समाधान, समन्वित एवं सहयोगात्मक शिक्षण	4			4	13.33	
मॉड्यूल-9	**सीखने-सिखाने की योजना** लक्ष्य एवं उद्देश्य में भेद, ब्लूम के टेक्सोनोमी पर आधारित सामान्य तथा विशिष्ट उद्देश्यों का गठन, अवधारणा मानचित्रण	2.5			2.5	8.33	
मॉड्यूल-10	सीखने-सिखाने की योजना- वार्षिक, इकाई एवं पाठ योजना	3			3	10	
मॉड्यूल-11	जीव विज्ञान शिक्षण में शिक्षण- अधिगम सामग्री की आवश्यकता एवं	2			2	6.66	

	महत्त्व, विभिन्न प्रकार के शिक्षण-अधिगम सामग्री की तैयारी					
योग		**30**			**30**	**100**

*** ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)- आवश्यकता अनुरूप/समय सारणी अनुरूप**

*** संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..- पाठ्यचर्या के ईकाई के विषय वस्तु के आवश्यकता अनुरूप**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अधिगम	विद्यार्थी केन्द्रित अधिगम एवं लर्निंग बाय डूइंग
विधियाँ	व्याख्यान, प्रदत्त कार्य, सामूहिक प्रस्तुति, व्याख्यान सह चर्चा, पैनल चर्चा,परियोजना,सेमिनार प्रस्तुति और विचार-विमर्श,आलोचनात्मक चिंतन, अधिगम संसाधन विकास पर कार्यशाला, प्रयोगशाला संलग्नता, प्रकरण अध्ययन
तकनीक	कंप्यटूर सहायक तकनीकी, ई-कंटेंट,ई-प्लैटफ़ार्म
उपादान	प्रदत्त कार्य, स्व अध्ययन सामाग्री,स्व- अभ्यास

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
जीवविज्ञानकी प्रकृति, जीव वैज्ञानिक प्रविधि एवं जीव वैज्ञानिक प्रक्रिया कौशल को समझ सकेंगे।	X	-	-	-	-	-	-	-
जीव विज्ञानएवं अन्य विषयों के मध्य अंतर्संबंध एवं अंतरनिर्भरता स्थापित करने में समर्थ होंगे।	-	X	-	-	-	-	-	-
जीव विज्ञान शिक्षण के उद्देश्य एवं भारत में जीव विज्ञान शिक्षा के विकास की समझ विकसित करेंगे।	-	-	X	-	-	-	-	-
जीव विज्ञान शिक्षण से संबंधित विभिन्न उपकरणों का निर्माण एवं प्रयोग में समर्थ होंगे।	-	-	-	X	-	-	-	-
जीव विज्ञान शिक्षण हेतु पाठ्य योजनाओं के नियोजन एवं निर्माण में समर्थ होंगे।	-	-	-	-	X	-	-	-
समकालीन विद्यालयी शिक्षा में जीव विज्ञान की स्थिति का आलोचनात्मक विश्लेषण करेंगे।	-	-	-	-	-	X	-	-
जीव विज्ञान शिक्षण के विभिन्न उपागम, प्रविधियाँ एवं युक्तियाँ का शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में उपयोग में समर्थ होंगे।	-	-	-	-	-	-	X	-
जीव विज्ञान के प्रभावी शिक्षण हेतु विभिन्न सहायक अधिगम सामग्रीयों का निर्माण में समर्थ होंगे।	-	-	-	-	-	-	-	X

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।
#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदनलेखन	
निर्धारित अंकप्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ
(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/ पाठ्य ग्रंथ	पाण्डे,एस.के (2007). ज्ञान शिक्षण,मेरठ,आर. लाल बुक डिपो. शर्मा,एच. एस. , तिवारी, ए एवं पराशर,आर.(2007)'विज्ञान शिक्षण के नए आयाम' राधा प्रकाशन मंदिर,आगरा. रावत, डी.एस.(1989). विज्ञान शिक्षण, आगरा, विनोद पुस्तक भवन.
2	संदर्भ-ग्रंथ	एनसीईआरटी(2005). राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूप रेखा,एनसीईआरटी, नई दिल्ली. एनसीईआरटी(2008). विज्ञान शिक्षण, राष्ट्रीय फोकस समूह का आधार पत्र,एनसीईआरटी, नई दिल्ली.

3	ई-संसाधन	https://gurukpo.com/Content/B.Ed/Final_Biology_Teaching_B.Ed..pdfwww.scert.cg.gov.in/pdf/questionbank2017/11thbiohandbook Download%20File.pdf
4	अन्य	

(विभागाध्यषक्ष / निदेशक)

(संकायाध्यषक्ष)

4.5 पाठ्यचर्या का नाम:भौतिकीय विज्ञान शिक्षण-I
(NameoftheCourse)

2.पाठ्यचर्या का कोड: बीईडीई01
(Code of the Course)

3.क्रेडिट: 2 4. सेमेस्टर: द्वितीय

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	29
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	00
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	01
कौशल विकास गतिविधियाँ	00
कुल क्रेडिटघंटे	30

5. पाठ्यचर्या विवरण:
(Description of Course)
इकाई-1: भौतिकीय विज्ञान ज्ञान के एक गतिशील अनुशासन के रूप में

- भौतिकीय विज्ञान का अर्थ एवं इसकी प्रकृति, भौतिकीय वैज्ञानिक प्रविधि एवं भौतिकीय वैज्ञानिक प्रक्रिया कौशल
- भौतिकीय विज्ञान का ऐतिहासिक, सामाजिक एवं नैतिक दृष्टिकोण, भौतिकीय विज्ञान एक समाजिक उद्योग के रूप में
- भौतिकीय विज्ञान एवं अन्य विषयों में अंतर्संबंध एवं अंतरनिर्भरता

इकाई-2: **भौतिकीय विज्ञान शिक्षण के उद्देश्य एवं भारत में भौतिकीय विज्ञान शिक्षा का विकास**

- माध्यमिक विद्यालय स्तर पर भौतिकीय विज्ञान शिक्षण के उद्देश्य
- भौतिकीय विज्ञान शिक्षण उद्देश्यों में तात्कालिक रुझान- वैज्ञानिक साक्षरता, भारत में भौतिकीय विज्ञान शिक्षा का ऐतिहासिक विकास, विज्ञान शिक्षा संबंधी विभिन्न आयोग एवं समिति
- समकालीन विद्यालयी शिक्षा में भौतिकीय विज्ञान की स्थिति, विद्यालय स्तर पर भौतिकीय विज्ञान शिक्षा को प्रभावशाली बनाने की पहल

इकाई-3: पाठ्यवस्तु विशिष्ट शिक्षण

- भौतिकीय विज्ञान शिक्षण के उपागम: एकीकृत, पारिस्थितिक, आगमनात्मक, निगमनात्मक, पृच्छा, विमर्श आधरित शिक्षण,निर्माणात्मक उपागम
- भौतिकीय विज्ञान में वैकल्पिक अवधारणाएँ, अवधारणा मानचित्रण, वैज्ञानिक अभिवृति का विकास, वैज्ञानिक कौशलों की पहचान तथा विकास

इकाई-4: भौतिकीय विज्ञान में शिक्षण शास्त्रीय विश्लेषण

- ब्लूम के टेक्सोनोमी पर आधारित सामान्य तथा विशिष्ट उद्देश्यों का गठन
- सीखने-सिखाने की योजना- वार्षिक, इकाई एवं पाठ योजना
- भौतिकीय विज्ञान शिक्षण में शिक्षण-अधिगम सामग्री की आवश्यकता एवं महत्त्व, विभिन्न प्रकार के शिक्षण-अधिगम सामग्री

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:
(Course Learning Outcomes)

- भौतिकीय विज्ञान की प्रकृति, जीव वैज्ञानिक प्रविधि एवं जीव वैज्ञानिक प्रक्रिया कौशल को समझने में समर्थ होंगे।

- भौतिकीय विज्ञान एवं अन्य विषयों के मध्य अंतर्संबंध एवं अंतरनिर्भरता स्थापित करने में समर्थ होंगे।
- भौतिकीय विज्ञान शिक्षण के उद्देश्य एवं भारत में जीव विज्ञान शिक्षा के विकास की समझ विकसित करेंगे।
- भौतिकीय विज्ञान शिक्षण से संबंधित विभिन्न उपकरणों का निर्माण एवं प्रयोग करने में समर्थ होंगे।
- भौतिकीय विज्ञान शिक्षण हेतु पाठ्य योजनाओं के नियोजन एवं निर्माण करने में समर्थ होंगे।
- समकालीन विद्यालयी शिक्षा में भौतिकीय विज्ञान की स्थिति का आलोचनात्मक विश्लेषण करेंगे।
- भौतिकीय विज्ञान शिक्षण के विभिन्न उपागम, प्रविधियाँ एवं युक्तियाँ का शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में उपयोग करने में समर्थ होंगे ।
- भौतिकीय विज्ञान के प्रभावी शिक्षण हेतु विभिन्न सहायक अधिगम समाग्रियों का निर्माण करने में समर्थ होंगे।

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा,साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the **Course**)

मॉड्यूल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)**			**कुल घंटे**	**कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)**
		व्याख्यान	***ट्यूटोरियल** (यदि अपेक्षित हैं)	***संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..**(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	भौतिकीय विज्ञान ज्ञान के एक गतिशील अनुशासन के रूप में भौतिकीय विज्ञान का अर्थ एवं इसकी प्रकृति, भौतिकीय वैज्ञानिक प्रविधि एवं भौतिकीय वैज्ञानिक प्रक्रिया कौशल	3			3	10
मॉड्यूल-2	भौतिकीय विज्ञान का ऐतिहासिक, सामाजिक एवं नैतिक दृष्टिकोण, भौतिकीय विज्ञान एक समाजिक उद्योग के रूप में	2			2	6.66

मॉड्यूल-3	भौतिकीय विज्ञान एवं अन्य विषयों में अंतर्संबंध एवं अंतरनिर्भरता	2.5			2.5	8.33	
मॉड्यूल-4	**भौतिकीय विज्ञान शिक्षण के उद्देश्य एवं भारत में भौतिकीय विज्ञान शिक्षा का विकास** माध्यमिक विद्यालय स्तर पर भौतिकीय विज्ञान शिक्षण के उद्देश्य	2			2	6.66	
मॉड्यूल-5	भौतिकीय विज्ञान शिक्षण उद्देश्यों में तात्कालिक रुझान- वैज्ञानिक साक्षरता, भारत में भौतिकीय विज्ञान शिक्षा का ऐतिहासिक विकास, विज्ञान शिक्षा संबंधी विभिन्न आयोग एवं समिति	3			3	10	
मॉड्यूल-6	समकालीन विद्यालयी शिक्षा में भौतिकीय विज्ञान की स्थिति, विद्यालय स्तर पर भौतिकीय विज्ञान शिक्षा को प्रभावशाली बनाने की पहल	2.5			2.5	8.33	
मॉड्यूल-7	**पाठ्यवस्तु विशिष्ट शिक्षण:** भौतिकीय विज्ञान शिक्षण के उपागम: एकीकृत,	3.5			3.5	11.66	

	पारिस्थितिक, आगमनात्मक, निगमनात्मक, पृच्छा, विमर्श आधरित शिक्षण, निर्माणात्मक उपागम						
मॉड्यूल-8	भौतिकीय विज्ञान में वैकल्पिक अवधारणाएँ, अवधारणा मानचित्रण, वैज्ञानिक अभिवृति का विकास, वैज्ञानिक कौशलों की पहचान तथा विकास	4			4	13.33	
मॉड्यूल-9	**भौतिकीय विज्ञान में शिक्षण शास्त्रीय विश्लेषण** ब्लूम के टेक्सोनोमी पर आधारित सामान्य तथा विशिष्ट उद्देश्यों का गठन	2			2	6.66	
मॉड्यूल-10	सीखने-सिखाने की योजना- वार्षिक, इकाई एवं पाठ योजना	3			3	10	
मॉड्यूल-11	भौतिकीय विज्ञान शिक्षण में शिक्षण-अधिगम सामग्री की आवश्यकता एवं महत्त्व, विभिन्न प्रकार के शिक्षण-अधिगम सामग्री	2.5			2.5	8.33	
योग		**30**			**30**	**100**	

*** ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)- आवश्यकता अनुरूप/समय सारणी अनुरूप**

*** संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..- पाठ्यचर्या के ईकाई के विषय वस्तु के आवश्यकता अनुरूप**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अधिगम	विद्यार्थी केन्द्रित अधिगम एवं लर्निंग बाय डूइंग
विधियाँ	व्याख्यान, प्रदत्त कार्य, वैयक्तिक एवं सामुहिक प्रस्तुति, शिक्षण विधियों पर आधारित व्यावहारिक कार्य योजना का विकास
तकनीक	कंप्यटूर सहायक तकनीकी, ई-कंटेंट, गूगल क्लासरूम, विभिन्न वेबसाइट्स
उपादान	प्रदत्त कार्य, स्व अध्ययन सामाग्री,स्व- अभ्यास

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
भौतिकीय विज्ञान की प्रकृति, जीव वैज्ञानिक प्रविधि एवं जीव वैज्ञानिक प्रक्रिया कौशल की समझ विकसित करेंगे।	X	-	-	-	-	-	-	-
भौतिकीय विज्ञान एवं अन्य विषयों के मध्य अंतर्संबंध एवं अंतरनिर्भरता स्थापित करने में समर्थ होंगे।	-	X	-	-	-	-	-	-
भौतिकीय विज्ञान शिक्षण के उद्देश्य एवं भारत में जीव विज्ञान शिक्षा के विकास की समझ का विकास होगा।	-	-	X	-	-	-	-	-

भौतिकीय विज्ञान शिक्षण से संबंधित विभिन्न उपकरणों का निर्माण एवं प्रयोग में समर्थ होंगे।	-	-	-	X	-	-	-	-
भौतिकीय विज्ञान शिक्षण हेतु पाठ्य योजना के नियोजन एवं निर्माण में समर्थ होंगे।	-	-	-	-	X	-	-	-
समकालीन विद्यालयी शिक्षा में भौतिकीय विज्ञान की स्थिति का आलोचनात्मक विश्लेषण करेंगे।	-	-	-	-	-	X	-	-
भौतिकीय विज्ञान शिक्षण के विभिन्न उपागम, प्रविधियाँ एवं युक्तियाँ का शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में उपयोग में समर्थ होंगे।	-	-	-	-	-	-	X	-
भौतिकीय विज्ञान के प्रभावी शिक्षण हेतु विभिन्न सहायक अधिगम समाग्रीयों का निर्माण में समर्थ होंगे।	-	-	-	-	-	-	-	X

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।
#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदनलेखन	
निर्धारित अंकप्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	नेगी,जे.एस.(2013).भौतिक विज्ञान शिक्षण, आगरा,अगरवालपब्लिकेशन रावत, डी.एस.(1989). विज्ञान शिक्षण, आगरा, विनोद पुस्तक भवन. बॉक्सटन, ए.सी. (2010).टीचीगसाइन्स इन एलेमेंट्री एंड मिडिल स्कूल. नई दिल्ली, सेज पब्लिकेशन्स
2	संदर्भ-ग्रंथ	एनसीईआरटी(2005). राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूप रेखा,एनसीईआरटी, नई दिल्ली. एनसीईआरटी(2008). विज्ञान शिक्षण, राष्ट्रीय फोकस समूह का आधार पत्र,एनसीईआरटी, नई दिल्ली. एनसीईआरटी, भौतिक विज्ञान का शिक्षण शास्त्र- भाग I एवं II,एनसीईआरटी, नई दिल्ली एस सी ई आरटी(2012),सतत एवं व्यापक मूल्यांकन,एस सी ई आरटी,छतीसगढ़
3	ई-संसाधन	**http://www.preservearticles.com/201105216947/a-comparative-study-of-analytic-and-synthetic-method-of-teaching-mathematics.html** **https://www.csun.edu/science/ref/reasoning/deductive_reasoning /deductive-chemistry.html**
4	अन्य	

(विभागाध्यक्ष / निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

4.6 पाठ्यचर्या का नाम. हिन्दी शिक्षण-I (Pedagogy of Hindi)
(NameoftheCourse).

2.पाठ्यचर्या का कोड. शिक्षा 002
(CodeoftheCourse).
3. **क्रेडिट**: 2
4. सेमेस्टर:द्वितीय

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	30
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	00
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	00
कौशल विकास गतिविधियाँ	00
कुल क्रेडिटघंटे	**30**

5. पाठ्यचर्या विवरण:
(Description of Course)

इकाई1:हिन्दी भाषा का स्वरूप

- भाषा का विविध रूप – मातृभाषा, राष्ट्रभषा, संपर्कभाषा, राजभाषा, प्रादेशिकभाषा, सांस्कृतिकभाषा, अन्तर्राष्ट्रीयभाषा
- हिन्दी भाषा का अन्य भारतीय भाषओं के साथ संबंध
- अन्य विद्यालयीय विषयों के साथ संबंध
- प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्च स्तर पर हिन्दी भाषा शिक्षण का उद्देश्य
- वर्तमान पाठ्यक्रम में हिन्दी भाषा का स्थान (हिन्दी बोलने तथा न बोलने वाले प्रदेशों के आधार पर)

इकाई 2: हिन्दी शिक्षण की विधियाँ

- शिक्षण उपागम (मौखिक – संप्रेषण – संरचनात्मक उपागम) का अर्थ, महत्व, प्रकार, शिक्षण उपागम एवं विधियों में अन्तर
- हिन्दी शिक्षण की विधियां–व्याख्या विधि, तुलनात्मक विधि,पाठ्यपुस्तक विधि, प्रत्यक्ष विधि,अभिनय विधि, समाहार विधि (प्रत्येक विधि के गुण-दोष विवेचन के साथ)
- हिन्दी भाषा शिक्षण में प्रयुक्त विभिन्न शिक्षण सूत्र
- भाषा शिक्षण प्रयुक्त सिद्धान्त

इकाई 3: भाषा कौशल विकास

- भाषाई कौशल- श्रवण कौशल,भाषण कौशल,पठन कौशल, लेखन कौशल
- भाषा कौशलों का विकास के उपाय
- हिन्दी भाषा शिक्षण में दृश्य-श्रव्य सामग्री - दृश्य श्रव्य सामग्री का अर्थ,परिभाषा - हिन्दी भाषा शिक्षण मे दृश्य श्रव्य सामग्री की उपादेयता
- हिन्दी भाषा शिक्षण में पाठ्यसहगामी क्रियाएँ – वादविवाद, भाषण, अन्ताक्षरी,संगोष्ठी, इत्यादि

इकाई 4: विविध पाठ एवं पाठ योजनाएँ

- पाठ योजना का अर्थ, उद्देश्य, महत्व, एवं स्वरूप, पठ्ययोजना की आवश्यकता, उत्तम पाठ्ययोजना के गुण
- गद्य, पद्य, नाटक, कथा, व्याकरण आदि शिक्षण विधियाँ
- विविध पाठ योजनाएँ
- हिन्दी भाषा शिक्षण में मूल्यांकन विधियाँ,
- प्रश्न पत्र प्रारूप निर्माण

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:
(Course Learning Outcomes)

1. हिन्दी भाषा के विभिन्न स्वरूपों को समझने में समर्थ होंगे|

2. हिन्दी शिक्षण के सिद्धान्तों एवं सूत्रों का प्रयोग करने में समर्थ होंगे|

3. हिन्दी शिक्षण के कौशलों के अभ्यास कराने में सामर्थ्य प्राप्त करेंगे|

4. हिन्दी शिक्षण से संबंधित विभिन्न उपकरणों का निर्माण एवं प्रयोग करने में समर्थ होंगे|
5. हिन्दी भाषा के विभिन्न विधाओं को सिखाने हेतु भिन्न पाठ-योजनाओं को समझेंगे एवं निर्माण करने में समर्थ होंगे |

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents oftheCourse)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	भाषा का विविध रूप – मातृभाषा,राष्ट्र भाषा, संपर्कभाषा, राजभाषा, प्रादेशिक भाषा, सांस्कृतिक भाषा, अन्तर्राष्ट्रीय भाषा	**3**			**3**	**10.00**
मॉड्यूल-2	हिन्दी भाषा का अन्य भारतीय भाषओं के साथ संबंध। अन्य विद्यालयीय विषयों के साथ संबंध	**2**			**2**	**6.66**
मॉड्यूल-3	प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्च स्तर पर हिन्दी भाषा शिक्षण का उद्देश्य। वर्तमान पाठ्यक्रम में हिन्दी भाषा का स्थान(हिन्दी बोलने वाले तथा न बोलने वाले प्रदेशों के आधार पर)	**4**			**4**	**13.33**
मॉड्यूल-4	शिक्षण उपागम (मौखिक – संप्रेषण – संरचनात्मक उपागम) का अर्थ, महत्व, प्रकार, शिक्षण उपागम एवं	**5**			**5**	**16.66**

	विधियों में अन्तर हिन्दी शिक्षण की विधियां–व्याख्या विधि,तुलनात्मक विधि,पाठ्यपुस्तक विधि, प्रत्यक्ष विधि,अभिनय विधि, समाहार। विधि(प्रत्येक विधि के गुण-दोष विवेचन के साथ)					
मॉड्यूल-5	हिन्दी भाषा शिक्षण में प्रयुक्त विभिन्न शिक्षण सूत्र। भाषा शिक्षण प्रयुक्त सिद्धान्त	**3**			**3**	**10.00**
मॉड्यूल-6	भाषाई कौशल- श्रवण कौशल,भाषण कौशल,पठन कौशल, लेखन कौशल। भाषा कौशलों का विकास के उपाय	**2**			**2**	**6.66**
मॉड्यूल -7	हिन्दी भाषा शिक्षण में दृश्य-श्रव्य सामग्री - दृश्य श्रव्य सामग्री का अर्थ,परिभाषा हिन्दी भाषा शिक्षण मे दृश्य श्रव्य सामग्री की उपादेयता हिन्दी भाषा शिक्षण में पाठ्यसहगामी क्रियाएँ – वादविवाद, भाषण, अन्ताक्षरी,संगोष्ठी, इत्यादि	**3**			**3**	**10**
मॉड्यूल -8	पाठ योजना का अर्थ, उद्देश्य, महत्व, एवं स्वरूप, पाठयोजना की आवश्यकता, उत्तम पाठयोजना के गुण। गद्य,पद्य, नाटक, कथा, व्याकरण आदि विधाओं की पाठयोजना	**6**			**6**	**20**
मॉड्यूल -9	हिन्दी भाषाशिक्षण में मूल्यांकन विधियाँ, प्रश्न पत्र प्रारूप निर्माण	**2**			**2**	**6.66**
योग		**30**			**30**	**100**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अधिगम	विद्यार्थी केंद्रित निर्माणवादी
विधियाँ	व्याख्यान, प्रदत्त कार्य, वैयक्तिक एवं सामूहिक प्रस्तुति
तकनीकी	कंप्यूटर सहायक तकनीकी, ई-कंटेंट,
उपादान	प्रदत्त कार्य, स्व-अध्ययन सामाग्री

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
1. अध्येता शिक्षण व्यवसाय के मूल्यों के अनुरूप अभ्यास कर पाएंगे।	X	X	X		X			
2. वे अपने निर्णय व्यवहार और अभ्यास के द्वारा शिक्षण व्यवसाय के लिए निर्धारित कसौटियों का पूर्ण पालन करेंगे।	X		X	X	X			
3. वे विद्यार्थियों के समग्र विकास की परिकल्पना को समझेंगे और तदनुरुप वे शिक्षार्थी केंद्रित शिक्षण विधियों का प्रभावपूर्ण प्रयोग करने में सक्षम होंगे।	X	X	X		X			
4. वे ऐसे शोध उन्मुख कार्य कर सकेंगे जो शिक्षा और समाज के संबंध को समझने में मदद करें।	X		X	X				
5. वे समसामयिक सूचना प्रौद्योगिकी एवं अन्य तकनीकों के माध्यम से प्रभाव प्रशिक्षण के लिए तत्पर रहेंगे।	X	X		X	X			
6. उनमें संप्रेषण की समुचित दक्षता होगी जिसके द्वारा वे अपने विचारों को प्रभावपूर्ण संप्रेषण करने में दक्ष होंगे।	X		X	X				
7. वे समुदाय के साथ अंतः क्रिया के दौरान सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के प्रति समनुभूति का भाव रखेंगे।	X	X		X	X			
8. वे शिक्षण और आकलन की समसामयिक तक नीतियों की विशेष जानकारी रखेंगे और उसके अनुरूप उसका अभ्यास करेंगे।	X	X	X	X	X			
9. वे विद्यार्थियों में व्याप्त विविधता का सम्मान करते हुए उसके समावेशन की ओर उन्मुख होंगे।	X	X		X	X			
10. वे क्षेत्र, जाति, संप्रदाय , जेंडर आदि की विविधताओं का शिक्षण और अन्य दायित्वों में समावेशन का प्रयास करेंगे।	X	X	X		X			

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।
#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदनलेखन	
निर्धारित अंक/प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य सामाग्री**	**विवरण (APAFormat में)**
1	**आधार/पाठ्य-ग्रंथ**	गुप्त, मनोरमा – भाषा अधिगम, केंद्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा गुनानंद, हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास – विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा द्विवेदी, देवीशंकर – भाषा और भाषिकी, भाषा विभाग- सागर वि वि., सागर पांडेय, राम शकल – हिंदी शिक्षण, अग्रवाल पब्लिकेशन, आगरा

		चतुर्वेदी, शिखा – हिन्दी शिक्षण, आर लाल बुक डिपो., मेरठ शर्मा, देवेन्द्रनाथ – भाषा विज्ञान की भूमिका, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली तीवारी, भोलानाथ, भाषा विज्ञान, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणासी	
2	**संदर्भ-ग्रंथ**	सक्सेना, राधारानी, (2013, 'नवाचारी शिक्षण पद्धतियाँ, जयपुर, राजस्थान हिंदी ग्रन्थ अकादमी। शर्मा, लक्ष्मनारायण, सिंह फतेह, संस्कृतशिक्षणं नविन प्रविधय:आदित्यप्रकाशन, जयपुर मित्तल, संतोष, संस्कृतशिक्षणम, नवचेतना पब्लिकेशन्स, जयपुर सफाया, रघुनाथ, संस्कृत शिक्षण, हरयाणाग्रन्थ अकादमि. पाण्डे, रामशकल, संस्कृत शिक्षण, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा विश्वास: कौशलबोधिनि, संस्कृत भारती, दिल्ली शर्मा, मुरलीधर, संस्कृत शिक्षण समस्या, रा.सं.सं. विद्यापीठ, तिरूपति सिंह कर्ण, संस्कृतशिक्षण विधि, एच.पि. भार्गव बुक सेंटर, आगरा	
3	**ई-संसाधन**	http://www.mgahv.in/Pdf/Dist/gen/hindi_14_06_16.Pdf	
4	**अन्य**		

(विभागाध्यक्ष / निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

4.7 पाठ्यचर्याका नाम. संस्कृत शिक्षण-I
(NameoftheCourse).

2.पाठ्यचर्याकाकोड. शिक्षा 001
(CodeoftheCourse).
3. **क्रेडिट**: 2
4. सेमेस्टर:प्रथम

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	30
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	00
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	00
कौशल विकास गतिविधियाँ	00
कुल क्रेडिटघंटे	**30**

5. पाठ्यचर्या विवरण:
(Description of Course)

पाठ्यक्रम की विवेचना

इकाई 1: संस्कृत भाषा का महत्व:

- संस्कृत भाषा का वैज्ञानिक सांस्कृतिक ऐतिहासिक व व्यवहारीक महत्व,
- संस्कृत भाषा का अन्य भारतीय भाषओं के साथ संबंध,
- अन्य विद्यालयीय विषयों के साथ संबंध, प्राथमिक,
- माध्यमिक एवं उच्च स्तर परसंस्कृत भाषा शिक्षण का उद्देश्य,
- वर्तमान पाठ्यक्रम में संस्कृत भाषा का स्थान,

इकाई 2: संस्कृत शिक्षण उपागम:

- शिक्षण उपागम (मौखिक – संप्रेषण – संरचनात्मक उपागम) का अर्थ, महत्व, प्रकार,
- शिक्षण उपागम एवं विधियों में अन्तर,
- संस्कृत शिक्षण की विधियां – पारम्परिक विधि,भण्डारकर विधि, पाठ्यपुस्तक विधि, प्रत्यक्ष विधि, समाहार विधि, (प्रत्येक विधि का गुण दोष विवेचन के साथ),
- संस्कृत भाषा शिक्षण में प्रयुक्त विभिन्न शिक्षण सूत्र,
- भाषा शिक्षण प्रयुक्त सिद्धान्त,

इकाई 3: भाषा कौशल विकास के साधन

- भाषाई कौशल- श्रवण कौशल,भाषण कौशल,पठन कौशल, लेखन कौशल
- भाषा कौशलों का विकास के उपाय,
- संस्कृत भाषा शिक्षण में दृश्य श्रव्य सामग्री - दृश्य श्रव्य सामग्री का अर्थ,परिभाषा, संस्कृत भाषा शिक्षण मे दृश्य श्रव्य सामग्री की उपादेयता,
- संस्कृत भाषा शिक्षण में पाठ्यसहगामी क्रियाएँ – वादविवाद, भाषण अन्ताक्षरी,संगोष्ठी, इत्यादि.

इकाई 4: विविध पाठ एवं पाठ योजनाएँ

- पाठ योजना का अर्थ, उद्देश्य,महत्व,एवं स्वरूप
- गद्य, पद्य,नाटक,कथा,व्याकरण आदि शिक्षण विधियाँ
- विविध पाठ योजनाएँ
- संस्कृत भाषाशिक्षण में मूल्यांकन विधियाँ,
- प्रश्न पत्र प्रारूप निर्माण

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:
(Course Learning Outcomes)

1. भारतीय परप्रेक्ष्य में संस्कृत भाषा का विभिन्न महत्व एवं संस्कृत भाषा शिक्षण की स्थिति की जनकारी प्राप्त कर संस्कृत शिक्षण के विकास केलिए यत्नवान होंगे।

2. संस्कृत शिक्षण के सिद्धान्तों एवं सूत्रों का प्रयोग करने में समर्थ होंगे|

3. संस्कृत शिक्षण के कौशलों के अभ्यास कराने में सामर्थ्य प्राप्त करेंगे|

4. संस्कृत शिक्षण से संबंधित विभिन्न उपकरणों का निर्माण एवं प्रयोग करने में समर्थ होंगे|

5. संस्कृत भाषा की विभिन्न विधाओं को सिखाने हेतु भिन्न पाठ्ययोजनाओं को समझेंगे एवं निर्माण करने में समर्थ होंगे |

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)**			**कुल घंटे**	**कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)**
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल** (यदि अपेक्षित हैं)	**संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..** (Interaction / Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	संस्कृत भाषा का वैज्ञानिक सांस्कृतिक ऐतिहासिक व व्यावहारिक महत्व	**2**			**2**	**6.66**
मॉड्यूल-2	संस्कृत भाषा का अन्य भारतीय भाषओं के साथ संबंध। अन्य	**2**			**2**	**6.66**

	विद्यालयिय विषयों के साथ संबंध					
मॉड्यूल-3	प्राथमिक,माध्यमिक एवं उच्च स्तर पर संस्कृत भाषा शिक्षण का उद्देश्य, वर्तमान पाठ्यक्रम में संस्कृत भाषा का स्थान	**3**			**3**	**10.00**
मॉड्यूल-4	शिक्षण उपागम (मौखिक – संप्रेषण – संरचनात्मक उपागम) का अर्थ, महत्व, प्रकार। शिक्षण उपागम एवं विधियों में अन्तर	**3**			**3**	**10.00**
मॉड्यूल-5	संस्कृत शिक्षण की विधियां – पारम्परिक विधि, भण्डारकर विधि, पाठ्यपुस्तक विधि, प्रत्यक्ष विधि, समाहार विधि, (प्रत्येक विधि का गुण दोष विवेचन के साथ)	**4**			**4**	**13.33**
मॉड्यूल-6	संस्कृत भाषा शिक्षण में प्रयुक्त विभिन्न शिक्षण सूत्र, भाषा शिक्षण में प्रयुक्त सिद्धान्त	**3**			**3**	**10.00**
मॉड्यूल-7	भाषाई कौशल- श्रवण कौशल,भाषण कौशल, पठन कौशल, लेखन कौशल। भाषा कौशलों के विकास उपाय	**3**			**3**	**10.00**
मॉड्यूल-8	संस्कृत भाषा शिक्षण में दृश्य श्रव्य सामग्री - दृश्य श्रव्य सामग्री का अर्थ, परिभाषा, संस्कृत भाषा शिक्षण मे दृश्य श्रव्य सामग्री की उपादेयता। संस्कृत भाषा शिक्षण में पाठ्यसहगामी क्रियाएँ – वादविवाद, भाषण अन्ताक्षरी,संगोष्ठी, इत्यादि	**3**			**3**	**10**
मॉड्यूल -9	पाठ योजना का अर्थ, उद्देश्य,महत्व,एवं स्वरूप गद्य, पद्य, नाटक, कथा, व्याकरण आदि शिक्षण विधियाँ। विविध पाठ योजनाएँ	**5**			**5**	**16.66**
मॉड्यूल -10	संस्कृत भाषाशिक्षण में	**2**				**6.66**

	मूल्यांकन विधियाँ, प्रश्न पत्र प्रारूप निर्माण				2	
योग		**30**			**30**	**100**

टिप्पणी:

3. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
4. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अधिगम	विद्यार्थी केंद्रित निर्माणवादी
विधियाँ	व्याख्यान, प्रदत्तकार्य, वैयक्तिक एवं सामूहिक प्रस्तुति
तकनीकी	कंप्यूटर सहायक तकनीकी, ई-कंटेंट,
उपादान	प्रदत्त कार्य, स्व-अध्ययन सामाग्री

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
1. अध्येता शिक्षण व्यवसाय के मूल्यों के अनुरूप अभ्यास कर पाएंगे।	**X**	**X**	**X**		**X**			
2. वे अपने निर्णय व्यवहार और अभ्यास के द्वारा शिक्षण व्यवसाय के लिए निर्धारित कसौटियों का पूर्ण पालन करेंगे।	**X**	**X**	**X**		**X**			
3. वे विद्यार्थियों के समग्र विकास की परिकल्पना को समझेंगे और तदनुरुप वे शिक्षार्थी केंद्रित शिक्षण विधियों का प्रभावपूर्ण प्रयोग करने में सक्षम होंगे।	**X**	**X**		**X**	**X**			
4. वे ऐसे शोध उन्मुख कार्य कर सकेंगे जो शिक्षा और समाज के संबंध को समझने में मदद करें।	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**			
5. वे समसामयिक सूचना प्रौद्योगिकी एवं अन्य तकनीकों के माध्यम से प्रभाव प्रशिक्षण के लिए तत्पर रहेंगे।	**X**		**X**		**X**			
6. उनमें संप्रेषण की समुचित दक्षता होगी जिसके द्वारा वे अपने विचारों को प्रभावपूर्ण रुप में संप्रेषण करने में	**X**	**X**		**X**	**X**			

दक्ष होंगे।								
7. वे समुदाय के साथ अंतः क्रिया के दौरान सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के प्रति समनुभूति का भाव रखेंगे।	X		X	X	X			
8. वे शिक्षण और आकलन की समसामयिक तक नीतियों की विशेष जानकारी रखेंगे और उसके अनुरूप उसका अभ्यास करेंगे।	X	X		X	X			
9. वे विद्यार्थियों में व्याप्त विविधता का सम्मान करते हुए उसके समावेशन की ओर उन्मुख होंगे।	X	X		X	X			
10. वे क्षेत्र, जाति, संप्रदाय , जेंडर आदि की विविधताओं का शिक्षण और अन्य दायित्वों में समावेशन का प्रयास करेंगे।	X	X	X		X			

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।
#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदनलेखन	
निर्धारित अंकप्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य सामाग्री	विवरण (APAFormat में)
1	**आधार/पाठ्य-ग्रंथ**	शर्मा, लक्ष्मनारायण, सिंह फतेह, संस्कृतशिक्षणं नविन प्रविधय:आदित्यप्रकाशन, जयपुर मित्तल, संतोष, संस्कृतशिक्षणम, नवचेतना पब्लिकेशन्स, जयपुर सफाया, रघुनाथ, संस्कृत शिक्षण, हरयाणाग्रन्थ अकादमि. पाण्डे, रामशकल, संस्कृत शिक्षण, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा विश्वास: कौशलबोधिनि, संस्कृत भारती, दिल्ली शर्मा, मुरलीधर, संस्कृत शिक्षण समस्या, रा.सं.सं. विद्यापीठ, तिरूपति ▪ सिंह कर्ण, संस्कृतशिक्षण विधि, एच.पि. भार्गव बुक सेंटर, आगरा
2	**संदर्भ-ग्रंथ**	गुप्त, मनोरमा – भाषा अधिगम, केंद्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा गुनानंद हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास – विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा द्विवेदी, देवीशंकर – भाषा और भाषिकी, भाषाविज्ञान विभाग -सागर वि वि., सागर पांडेय, रामाशकल – हिंदी शिक्षण, अग्रवाल पब्लिकेशन, आगरा चतुर्वेदी, शिखा – हिन्दी शिक्षण, आर लाल बुक डिपो., मेरठ शर्मा, देवेन्द्रनाथ – भाषा विज्ञानं की भूमिका, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली ▪ तीवारी, भोलानाथ, भाषा विज्ञान, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणासी
3	**ई-संसाधन**	http://www.mgahv.in/Pdf/Dist/gen/sanskrit_bhasha_25_07_16.Pdf
4	**अन्य**	

(विभागाध्यक्ष / निदेशक)

(संकायाध्यषक्ष)

4.8 पाठ्यचर्या का नाम. मराठी भाषा शिक्षण – I (Name of the Course).

2.पाठ्यचर्याकाकोड. शिक्षा 001
(CodeoftheCourse).
3. **क्रेडिट**: 2
4. सेमेस्टर:प्रथम

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	30
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	00
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	00
कौशल विकास गतिविधियाँ	00
कुल क्रेडिटघंटे	**30**

5. पाठ्यचर्या विवरण:
(Description of Course)

पाठ्यक्रम की विवेचना

घटक १ : मराठी शिक्षण परिचय :
१. मराठी विषयाचे स्वरूप व व्याप्ती.
२. शालेय अभ्यासक्रमातील मराठी विषयाचे स्थान व महत्व.
३. त्रिभाषा सूत्र
४. भाषा कौशल्य (वाचन, भाषण, श्रवण, लेखन) : आवश्यकता व महत्व.

घटक २ : मराठी विषय अध्यापनाची उद्दिष्ट्ये :
१. उच्च प्राथमिक स्तरावरील मराठी अध्यापनाची उद्दिष्ट्ये.
२. माध्यमिक स्तरावरील मराठी अध्यापनाची उद्दिष्ट्ये.
3. उच्च माध्यमिक स्तरावरील मराठी अध्यापनाची उद्दिष्ट्ये.
४. मराठी विषय वर्ग अध्यापनाची उद्दिष्ट्ये.

घटक 3 : मराठी विषयाचा सहसंबंध :
१. सहसंबंध – अर्थ, महत्व आणि आवश्यकता.
२. मराठी विषयाचा शालेय विषयासी सहसंबंध.
३. मराठी विषयाचा इतर भारतीय भाषेशी सहसंबंध.
४. मराठी विषयाचा इतर विषयासी सहसंबंध.

घटक ४ : मराठी विषय अध्यापनाच्या पद्धती व तंत्रे :
१. अध्यापन पद्धती – अर्थ, महत्व आणि आवश्यकता.
२. मराठी विषयाच्या विविध अध्यापन पद्धती.
3. अध्यापन तंत्रे – अर्थ, महत्व आणि आवश्यकता.
४. मराठी विषयाचे विविध अध्यापन तंत्रे.

सत्रकार्य:
१.घटक चाचणी (२)
२.आयसीटी आधारित शैक्षणिक साहित्याचा विकास : रेखिय, शाखीय, मेथेटीक्स प्रोग्राम.
3. निबंध, कविता, नाटक, स्रोत साहित्याचे संकल्पना आधारित संकलन.
४. निर्धारित विषयावर स्वाध्याय व प्रस्तुतीकरण.

कार्य पद्धती :

१. वैयक्तिकआणि सामूहिकरीत्या निवडक विषयावर विद्यार्थ्यांचे सेमिनार सादरीकरण
२. गट चर्चा
३. सांघिक अध्यापन
४. केस स्टडी

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:
(Course Learning Outcomes)

1. शालेय अभ्यासक्रमात मराठी भाषेचे योग्य स्थान व महत्व निर्माण साठी सदैव यत्नवान राहिल .

2. उच्च प्राथमिक, माध्यमिक आणि उच्च माध्यमिक स्तरावरील मराठी भाषा शिक्षणाच्या उद्देश्य अंतरानुगुण शिक्षण करता येईल।

3. मराठी भाषा विद्यार्थ्यां मध्ये मराठी विषयाच्या शालेय, भारतीय भाषा व इतर विषयासी असणारा संबंध सांगुन इतर भाषा बद्दल प्रेम निर्माण करता येईल.

4. मराठी विषय अध्यापनाच्या विविध पद्धतींच्या अध्यापनात वापर करता येईल

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)**			**कुल घंटे**	**कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)**
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल** (यदि अपेक्षित हैं)	**संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..**(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	मराठी विषयाचे स्वरूप व व्याप्ती	**2**			**2**	**6.66**
मॉड्यूल-2	शालेय अभ्यासक्रमातील मराठी विषयाचे स्थान व महत्व.	**2**			**2**	**6.66**
मॉड्यूल-3	त्रिभाषा सूत्र	**2**			**2**	**6.66**
मॉड्यूल-4	भाषा कौशल्य (वाचन, भाषण, श्रवण, लेखन) : आवश्यकता, महत्व व विकास उपाय	**3**			**3**	**10.00**
मॉड्यूल-5	माध्यमिक, माध्यमिक, उच्च माध्यमिक स्तरावरील मराठी अध्यापनाची उद्दिष्ट्ये.	**4**			**4**	**13.33**

मॉड्यूल-6	सहसंबंध – अर्थ, महत्व आणि आवश्यकता. मराठी विषयाचा शालेय विषयासी सहसंबंध. मराठी विषयाचा इतर भारतीय भाषेशी सहसंबंध. मराठी विषयाचा इतर विषयासी सहसंबंध.	**5**			**5**	**16.66**
मॉड्यूल-7	अध्यापन पद्धती – अर्थ, महत्व आणि आवश्यकता. २. मराठी विषयाच्या विविध अध्यापन पद्धती.	**5**			**5**	**16.66**
मॉड्यूल-8	अध्यापन तंत्रे – अर्थ, महत्व आणि आवश्यकता. मराठी विषयाचे विविध अध्यापन तंत्रे ,पाठ्ययोजना च्या उद्देश्य स्वरुप	**7**			**7**	**23.33**
योग		**30**			**30**	**100**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अधिगम	विद्यार्थी केंद्रित निर्माणवादी
विधियाँ	व्याख्यान,प्रदत्तकार्य, वैयक्तिक एवं सामूहिक प्रस्तुति
तकनीकी	कंप्यूटर सहायक तकनीकी, ई-कंटेंट,
उपादान	प्रदत्त कार्य,स्व-अध्ययन सामाग्री

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगमपरिणाममैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
1. अध्येता शिक्षण व्यवसाय के मूल्यों के अनुरूप अभ्यास कर पाएंगे।	X	X	X	X				
2. वे अपने निर्णय व्यवहार और अभ्यास के द्वारा शिक्षण व्यवसाय के लिए निर्धारित कसौटियों का पूर्ण पालन करेंगे।	X	X		X				
3. वे विद्यार्थियों के समग्र विकास की परिकल्पना को समझेंगे और तदनुरुप वे शिक्षार्थी केंद्रित शिक्षण विधियों का प्रभावपूर्ण प्रयोग करने में सक्षम होंगे।	X		X	X				
4. वे ऐसे शोध उन्मुख कार्य कर सकेंगे जो शिक्षा और समाज के संबंध को समझने में मदद करें।	X	X	X					
5. वे समसामयिक सूचना प्रौद्योगिकी एवं अन्य तकनीकों के माध्यम से प्रभाव प्रशिक्षण के लिए तत्पर रहेंगे।	X		X	X				
6. उनमें संप्रेषण की समुचित दक्षता होगी जिसके द्वारा वे अपने विचारों को प्रभावपूर्ण संप्रेषण करने में दक्ष होंगे।	X	X		X				
7. वे समुदाय के साथ अंतः क्रिया के दौरान सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के प्रति समनुभूति का भाव रखेंगे।	X	X		X				
8. वे शिक्षण और आकलन की समसामयिक तक नीतियों की विशेष जानकारी रखेंगे और उसके अनुरूप उसका अभ्यास करेंगे।	X	X	X	X				
9. वे विद्यार्थियों में व्याप्त विविधता का सम्मान करते हुए उसके समावेशन की ओर उन्मुख होंगे।	X		X	X				
10. वे क्षेत्र, जाति, संप्रदाय , जेंडर आदि की विविधताओं का शिक्षण और अन्य दायित्वों में समावेशन का प्रयास करेंगे।	X	X		X				

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।
#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदनलेखन	
निर्धारित अंकप्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य सामाग्री	विवरण (APAFormat में)
1	**आधार/पाठ्य-ग्रंथ**	अकोलकर, ग. वि. आणि पाटणकर, ना. वि., (1970), "मराठीचे अध्यापन", पुणे, व्हीनस प्रकाशन इंदुरकर, कल्याणी, (1998), "मराठीचे अध्यापन", नागपूर, मंगेश प्रकाशन. करंदीकर, सुरेश आणि मंगरूळकर, मीना, (2004), "मराठी – आशय अध्यापन पद्धति", पुणे, फडके प्रकाशन. कुंडले, म. बा., (1974), "मराठीचे अध्यापन", पुणे, विद्या प्रकाशन. घोरमोडे, कला, (2008), "मराठी अध्यापन पद्धती", नागपूर, विद्या प्रकाशन. पवार, ना. ग., (2006) "मातृभाषा मराठीचे आशयुक्त अध्यापन", पुणे, नित्य नूतन प्रकाशन.
2	**संदर्भ-ग्रंथ**	Piaget, J. (1926). Language and Thought of the Child. London: Routledge & Kegan Paul . गुप्त, मनोरमा – भाषा अधिगम, केंद्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा गुनानंद हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास – विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा द्विवेदी, देवीशंकर – भाषा और भाषिकी, भाषाविभाग-नविज्ञा-सागर वि वि., सागर पांडेय, रामाशकल – हिंदी शिक्षण, अग्रवाल पब्लिकेशन, आगरा चतुर्वेदी, शिखा – हिन्दी शिक्षण, आर लाल बुक डिपो., मेरठ शर्मा, देवेन्द्रनाथ – भाषा विज्ञानं की भूमिका, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली तीवारी, भोलानाथ, भाषा विज्ञान, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणासी
3	**ई-संसाधन**	http://www.mgahv.in/Pdf/Dist/gen/marathi_14_06_16.Pdf
4	**अन्य**	

(विभागाध्यक्ष / निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

तृतीय सेमेस्टर

1. पाठ्यचर्या का नाम. सामाजिक विज्ञान शिक्षण-II (Teaching of Social Science-II)
(Name of the Course).
2.पाठ्यचर्या का कोड. बीईडी 02
(Code of the Course).
3. क्रेडिट: 2 **4. सेमेस्टर:** तृतीय

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	**29**
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	00
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	**01**
कौशल विकास गतिविधियाँ	00
कुल क्रेडिटघंटे	30

5. पाठ्यचर्या विवरण:
(Description of Course)

इकाई 1: सामाजिक विज्ञान में शिक्षण अधिगम संसाधन

- संसाधन के रूप में लोग: मौखिक आंकड़ों का महत्त्व
- प्राथमिक और द्वितीयक स्रोतों का महत्त्व: क्षेत्र, लिखित सामग्री, पत्रिकाओं, समाचार पत्रों से आकड़ों का संग्रहण
- द्वितीयक स्रोतों और संदर्भ सामग्री के लिए पुस्तकालय का उपयोग
- विभिन्न शिक्षण सहायक सामग्री: सामाजिक विज्ञान के लिए एक संसाधन के रूप में एटलस का उपयोग करना; नक्शे, चार्ट, मॉडल, ग्राफ, श्रव्य एवं दृश्य सहायक सामग्री, ग्लोब, मानचित्र इत्यादि

इकाई 2: सामाजिक विज्ञान शिक्षक का वृत्तिक विकास

- सामाजिक विज्ञान शिक्षक की विशेषताएं
- सामाजिक विज्ञान शिक्षक का प्रशिक्षण

इकाई 3: सामाजिक विज्ञान की पाठ्यपुस्तक, सामाजिक विज्ञान कक्ष, क्लब और स्टडी सर्किल

- सामाजिक विज्ञान कक्ष में अध्ययन सामग्री और उपकरण का कार्य और महत्त्व
- सामाजिक विज्ञान क्लब का अर्थ, आवश्यकता, निर्माण और गतिविधि
- सामाजिक विज्ञान की पाठ्य-पुस्तक- एक अच्छी पुस्तक की विशेषता, सामाजिक विज्ञान में पाठ्य पुस्तक का विश्लेषण

इकाई 4: सामाजिक विज्ञान में आकलन और मूल्यांकन

- आकलन, मूल्यांकन और परीक्षा का अर्थ
- सामाजिक विज्ञान में मूल्यांकन के उपकरण- चेक लिस्ट, अवलोकन, साक्षात्कार, रेटिंग स्केल
- सतत एवं व्यापक मूल्यांकन की प्रक्रिया तदनुरूप शैक्षिक और सहशैक्षिक आकलन के तरीके और उपकरणों का विकास
- शिक्षक निर्मित उपलब्धि परीक्षण का विकास, विद्याथियों पर वितरण और रिपोर्टिंग
- प्रदत्तकार्य, प्रश्नोत्तरी, प्रोजेक्ट, प्रस्तुतीकरण, रचनात्मक अभिव्यक्ति, समूह गतिविधि आदि के आकलन के तरीके

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

(Course Learning Outcomes)

1. सामाजिक विज्ञान शिक्षण के लिए संसाधनों का विकास करने में समर्थ होंगे।
2. सामाजिक विज्ञान शिक्षण के दौरान विभिन्न संसाधनों का प्रयोग करने में समर्थ होंगे।

3. सामाजिक विज्ञान शिक्षक के वृत्तिक विकास के अवसरों का लाभ उठाकर खुद का वृत्तिक विकास कर सकेंगे।
4. सामाजिक विज्ञान शिक्षक के रूप में शिक्षार्थी लोकतांत्रिक विमर्शों के निहितार्थ को समझने में सक्षम हो सकेगा।
5. सामाजिक विज्ञान शिक्षण संबंधी पाठ्यचर्या को विकसित करने में समर्थ होगा।

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या संपूर्ण पाठ्यक्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of theCourse)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	सामाजिक विज्ञान शिक्षण में संसाधन के रूप में लोग: मौखिक आंकड़ों का महत्त्व	**2**			**2**	**6.67**
मॉड्यूल-2	प्राथमिक और द्वितीयक स्रोतों का महत्त्व: क्षेत्र, लिखित सामग्री, पत्रिकाओं, समाचार पत्रों से आकड़ों का संग्रहण	**2**			**2**	**6.67**
मॉड्यूल-3	द्वितीयक स्रोतों और संदर्भ सामग्री के लिए पुस्तकालय का उपयोग	**1**			**1**	**3.33**

मॉड्यूल-4	विभिन्न शिक्षण सहायक सामग्री: सामाजिक विज्ञान के लिए एक संसाधन के रूप में एटलस का उपयोग करना; नक्शे, चार्ट, मॉडल, ग्राफ, श्रव्य एवं दृश्य सहायक सामग्री, ग्लोब, मानचित्र इत्यादि	**2**			**2**	**6.67**
मॉड्यूल-5	सामाजिक विज्ञान शिक्षक की विशेषताएं	**1**			**1**	**3.33**
मॉड्यूल-6	सामाजिक विज्ञान शिक्षक का प्रशिक्षण	**1**			**1**	**3.33**
मॉड्यूल-7	सामाजिक विज्ञान कक्ष में अध्ययन सामग्री और उपकरण का कार्य और महत्त्व	**2**			**2**	**6.67**
मॉड्यूल-8	सामाजिक विज्ञान क्लब का अर्थ, आवश्यकता, निर्माण और गतिविधि	**2**			**2**	**6.67**
मॉड्यूल-9	सामाजिक विज्ञान की पाठ्य-पुस्तक- एक अच्छी पुस्तक की विशेषता, सामाजिक विज्ञान में पाठ्य पुस्तक का विश्लेषण	**4**			**4**	**13.33**
मॉड्यूल -10	आकलन, मूल्यांकन	**2**				

	और परीक्षा का अर्थ				**2**	**6.67**
मॉड्यूल -11	सामाजिक विज्ञान में मूल्यांकन के उपकरण- चेक लिस्ट, अवलोकन, साक्षात्कार, रेटिंग स्केल	**3**			**3**	**10**
मॉड्यूल -12	सतत एवं व्यापक मूल्यांकन की प्रक्रिया तदनुरूप शैक्षिक और सहशैक्षिक आकलन के तरीके और उपकरणों का विका	**3**			**3**	**10**
मॉड्यूल -13	शिक्षक निर्मित उपलब्धि परीक्षण का विकास, विद्यार्थियों पर वितरण और रिपोर्टिंग	**2**			**2**	**6.67**
मॉड्यूल -14	प्रदत्तकार्य, प्रश्नोत्तरी, प्रोजेक्ट, प्रस्तुतीकरण, रचनात्मक अभिव्यक्ति, समूह गतिविधि आदि के आकलन के तरीके	**2**		**1**	**3**	**10**
योग		**29**		**01**	**30**	**100**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में **0**1 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अधिगम	विद्यार्थी केंद्रित निर्माणवादी
विधियाँ	व्याख्यान, प्रदत्तकार्य, वैयक्तिक एवं सामूहिक प्रस्तुति

तकनीकी	कंप्यूटर सहायक तकनीकी, ई-कंटेंट,
उपादान	प्रदत्त कार्य, स्व-अध्ययन सामग्री

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
1. अध्येता शिक्षण व्यवसाय के मूल्यों के अनुरूप अभ्यास कर पाएंगे।		**X**	**X**					
2. वे अपने निर्णय व्यवहार और अभ्यास के द्वारा शिक्षण व्यवसाय के लिए निर्धारित कसौटियों का पूर्ण पालन करेंगे।	**X**				**X**			
3. वे विद्यार्थियों के समग्र विकास की परिकल्पना को समझेंगे और तदनुरूप वे शिक्षार्थी केंद्रित शिक्षण विधियों का प्रभावपूर्ण प्रयोग करने में सक्षम होंगे।	**X**							
4. वे ऐसे शोध उन्मुख कार्य कर सकेंगे जो शिक्षा और समाज के संबंध को समझने में मदद करें।	**X**				**X**			
5. वे समसामयिक सूचना प्रौद्योगिकी एवं अन्य तकनीकों के माध्यम से प्रभाव प्रशिक्षण के लिए तत्पर रहेंगे।		**X**						
6. उनमें संप्रेषण की समुचित दक्षता होगी जिसके द्वारा वे अपने विचारों को प्रभावपूर्ण संप्रेषण करने में दक्ष होंगे।								
7. वे समुदाय के साथ अंतः क्रिया के दौरान सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के प्रति समनुभूति का भाव रखेंगे।				**X**				
8. वे शिक्षण और आकलन की समसामयिक तक नीतियों की विशेष जानकारी रखेंगे और उसके अनुरूप उसका अभ्यास करेंगे।		**X**						
9. वे विद्यार्थियों में व्याप्त विविधता का सम्मान करते हुए उसके समावेशन की ओर उन्मुख होंगे।				**X**				
10. वे क्षेत्र, जाति, संप्रदाय , जेंडर आदि की विविधताओं का शिक्षण और अन्य दायित्वों में समावेशन का प्रयास करेंगे।				**X**				

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।
#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य सामाग्री	विवरण (APAFormat में)
1	**आधार/पाठ्य-ग्रंथ**	▪ जैन, अमीर चंद व शर्मा, विजय लक्ष्मी. (2013). सामाजिक ज्ञान शिक्षण. जयपुर : सामाजिक ज्ञान शिक्षण
2	**संदर्भ-ग्रंथ**	▪ Arora, P (2014). A Democratic Classroom for Social Science, Project Report, University of Delhi, Delhi. ▪ Batra, P. (Ed 2010). Social Science Learning in Schools: Perspective and Challenges. Sage Publications India Pvt. Ltd. New Delhi. ▪ Bining, A.C. &Bining, D.H.(1952), Teaching of social studies in secondary schools, Tata McGraw Hill Publishing Co. Ltd. Bombay ▪ Crotty, M., (1998), The foundations of social research: Meaning and perspective in the research process, London: Sage Publication. ▪ Edgar, B.W. &Stanely (1958), Teaching social studies in high school, Heath and company, Boston D.C.

		▪ Misra, Salil and Ranjan, Ashish (2012).Teaching of Social Sciences:History,Context and Challenges in VandanaSaxena (ed.),Nurturing the Expert Within, Pearson, New Delhi ▪ Zevin, J., (2000), Social studies for the twenty first century, Lawrence Erilbaum Associates Publishers, London
3	**ई-संसाधन**	https://ncert.nic.in/pdf/h_focus_group/Samajik%20Vikyan%20Ka%20Shikshan.pdf
4	**अन्य**	

(विभागाध्यक्ष / निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

1 पाठ्यचर्या का नाम:अंग्रेजी शिक्षण-II
(Name of the Course)Teaching of English-II

2पाठ्यचर्या का कोड:बीईडीई03
(CodeoftheCourse)

3. क्रेडिट: 2 4. **सेमेस्टर:तृतीय**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	29
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	01
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिटघंटे	30

5. पाठ्यचर्या विवरण:
(Description of Course)
Unit 1: Language, Literature and Skill development

- Different creative forms of English Language-Literature, media and translation;
- Literature in the school curriculum: needs, objectives and relevance;
- Role and relevance of media in school curriculum;
- Translation: importance and need, Translation as a creative activity.
- Planning and Teaching of prose, poetry and drama,
- Developing tasks, activities and materials for lesson design.

Unit2: Development and Analysis of Syllabus and Textual Materials

- Understanding the relationship between curriculum, syllabus and textbook
- Selection of materials and developing activities and tasks as per the differentiated needs of the learners (Connecting learning to the world outside; Moving away from rote-learning to constructivism)
- Teacher as a researcher and facilitator—keeping in view the inclusive classroom.

Unit 3: Teaching – Learning Materials

- Print media such as learner chosen texts, Magazines, News Papers, Class libraries etc.
- ICT-audio-visual materials, internet including CALL programmes
- Radio, T.V., Films, Language labs etc.
- Planning activities such as discussion, debates, workshops, seminar etc.

Unit 4: Assessment-Its Role and Importance

- Progress and assessment of development of language
- Continuous and comprehensive evaluation
- Techniques of evaluation — oral, written, portfolio; Cloze test, Self-evaluation; Peer evaluation; Group evaluation.
- Typology of questions; activities and tasks (open ended questions, MCQ, true and false etc.) reflecting— Problem solving, creative and critical, thinking, Enhancing imagination and environmental awareness.

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:
(Course Learning Outcomes)

- अंग्रेजी भाषा के रचनात्मक प्रकारों को समझने में समर्थ होंगे|
- अंग्रेजी शिक्षणके पाठ्यक्रम एवं शिक्षण सामाग्री के विश्लेषण में समर्थ होंगे|
- अंग्रेजी शिक्षण हेतु विभिन्न क्रियाकलापों के आयोजन में सामर्थ्य प्राप्त करेंगे|
- अंग्रेजी शिक्षण से संबंधित विभिन्न उपकरणों का निर्माण एवं प्रयोग करने में समर्थ होंगे|
- अंग्रेजी भाषा के विभिन्न विधाओं को सिखाने हेतु पाठ्य योजनाओं को समझेंगे एवं निर्माण करने में समर्थ होंगे |
- अध्येता एक शोधकर्ता एवं सहयोग कर्ता के रूप में अपनी भूमिका निभाने में समर्थ होंगे।
- अध्येता विभिन्न आकलन उपकरणों का उपयोग संज्ञानात्मक एवं सह संज्ञानात्मक आयामों के लिए करने में सक्षम होंगे।

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा,साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the **Course**)

मॉड्यूल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)**			**कुल घंटे**	**कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)**
		व्याख्यान	***ट्यूटोरियल** (यदि अपेक्षित हैं)	***संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..**(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	**Language, Literature and Skill development** Different	3.5			3.5	11.66

	creative forms of English Language-Literature, media and translation; Literature in the school curriculum: needs, objectives and relevance; Role and relevance of media in school curriculum; Translation: importance and need, Translation as a creative activity.						
मॉड्यूल-2	Planning and Teaching of prose, poetry and drama,	2			2	6.66	
मॉड्यूल-3	Developing tasks, activities and materials for lesson design.	2			2	6.66	
मॉड्यूल-4	**Development and Analysis of Syllabus and Textual Materials**	2			2	6.66	

	Understanding the relationship between curriculum, syllabus and textbook						
मॉड्यूल-5	Selection of materials and developing activities and tasks as per the differentiated needs of the learners (Connecting learning to the world outside; Moving away from rote-learning to constructivism)	3			3	10	
मॉड्यूल-6	Teacher as a researcher and facilitator—keeping in view the inclusive classroom.	2.5			2.5	8.33	
मॉड्यूल-7	**Teaching - Learning**	3.5			3.5	11.66	

	Materials Print media such as learner chosen texts, Magazines, News Papers, Class libraries etc. ICT-audio-visual materials, internet including CALL programmes						
मॉड्यूल-8	Radio, T.V., Films, Language labs etc. Planning activities such as discussion, debates, workshops, seminar etc.	4			4	13.33	
मॉड्यूल-9	**Assessment-Its Role and Importance** Progress and assessment of development of language, Continuous and	2			2	6.66	

	comprehensive evaluation					
मॉड्यूल-10	Techniques of evaluation — oral, written, portfolio; Cloze test, Self-evaluation; Peer evaluation; Group evaluation.	2			2	6.66
मॉड्यूल-11	Typology of questions; activities and tasks (open ended questions, MCQ, true and false etc.) reflecting— Problem solving, creative and critical, thinking, Enhancing imagination and environmental awareness.	3.5			3.5	11.66
योग		**30**			**30**	**100**

*** ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)- आवश्यकता अनुरूप/समय सारणी अनुरूप**

*** संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..- पाठ्यचर्या के ईकाई के विषय वस्तु के आवश्यकता अनुरूप**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अधिगम	विद्यार्थी केन्द्रित अधिगम
विधियाँ	व्याख्यान, प्रदत्त कार्य, वैयक्तिक एवं सामूहिक प्रस्तुति, शिक्षण विधियों पर आधारित व्यावहारिक कार्य योजना का विकास
तकनीक	कंप्यटूर सहायक तकनीकी, ई-कंटेंट, गूगल क्लासरूम, विभिन्न वेबसाइट्स
उपादान	प्रदत्त कार्य, स्व अध्ययन सामग्री, स्व- अभ्यास

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7
अंग्रेजी भाषा के रचनात्मक प्रकारों की समझ विकसित करेंगे।	X	-	-	-	-	-	-
अंग्रेजी शिक्षण के पाठ्यक्रम एवं शिक्षण सामग्री का विश्लेषण करेंगे।	-	X	-	-	-	-	-
अंग्रेजी शिक्षण हेतु विभिन्न क्रियाकलापों का आयोजन करने में समर्थ होंगे।	-	-	X	-	-	-	-
अंग्रेजी शिक्षण से संबंधित विभिन्न उपकरणों का निर्माण एवं प्रयोग करेंगे।	-	-	-	X	-	-	-
अंग्रेजी भाषा के विभिन्न विधाओं को सिखाने हेतु पाठ्य योजनाओं के निर्माण में समर्थ होंगे।	-	-	-	-	X	-	-

अध्येता एक शोधकर्ता एवं सहयोग कर्ता के रूप में अपनी भूमिका निभाने में समर्थ होंगे।	-	-	-	-	-	X	-
विभिन्न आकलन उपकरणों का उपयोग में सक्षम होंगे।	-	-	-	-	-	-	X

टिप्पणी:

3. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
4. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।
#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदनलेखन	
निर्धारित अंकप्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	Larsen-Freeman, D. (2000). Techniques and Principles in Language Teaching. (2th ed.). Oxford University Press.
2	संदर्भ-ग्रंथ	NCERT(2005). National Curriculum Framework. New Delhi: NCERT. NCERT(2005). National Curriculum Framework Position Paper National Focus Group on Teaching of English. New Delhi: NCERT. NCERT(2005). National Curriculum Framework Position Paper National Focus Group on Teaching of Indian Languages. New Delhi: NCERT
3	ई-संसाधन	**https://shodhganga.inflibnet.ac.in/bitstream/10603/20567/10/10_chapter%203.pdf** **http://www.edu.gov.on.ca/eng/document/esleldprograms/guide.pdf** **https://www.wits.ac.za/ccdu/academic-skills/note-taking-and-note-making/#sthash.VvVTasF3.dpuf**
4	अन्य	

(विभागाध्यक्ष / निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

1.3 पाठ्यचर्या का नाम: गणित शिक्षण-II
(Name of the Course)
2.पाठ्यचर्या का कोड:बीईडीई03

(Code of the Course)
3.क्रेडिट: 02 4. सेमेस्टर:तृतीय
(Credit) (Semester)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	29
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	00
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	01
कौशल विकास गतिविधियाँ	00
कुल क्रेडिटघंटे	30

5. पाठ्यचर्या विवरण:
(Description of Course)
इकाई 1: गणितीय संप्रत्यय और चिंतन का परिचय

- गणित का अर्थ, क्षेत्र और प्रकृति, इतिहास, भारतीय गणितज्ञों का योगदान
- गणित का अन्य विषयों के साथ सह-सम्बंध दिन,प्रतिदिन प्रयुक्त गणित, बहुसांस्कृतिक गणित
- पैटर्न की रचना जानना व सामान्यीकरण के रूप में गणित का अध्ययन: आकृतियों का पैटर्न, सांख्यकीय पैटर्न, अमूर्त पैटर्न्स की पहचान और विश्लेषण
- गणित को मानव द्वारा रचित विषय के रूप में समझना: गणितीय संरचना का निर्माण: स्वयं सिध्दियां,अभिगृहितियाँ और प्रमाण: प्रमाण के विभिन्न विधियाँ: प्रत्यक्ष, अप्रत्यक्ष, विपरीत उदाहरण और आगमन के द्वारा प्रमाण

इकाई 2: शिक्षार्थियों के खोजबीन के लिए तैयार करना

- शिक्षार्थियों में अंतर्ज्ञान और संवेदनशीलता का विकास करना
- खोज के लिए प्रोत्साहन
- वास्तविक जीवन से सम्बंधित गणित से प्रश्नों को तैयार करना
- सहपाठियों में संवाद को बढ़ाना और सहयोगात्मक रूप से सीखने को बढ़ावा देना
- शिक्षार्थी के विश्वास को बढ़ाना
- विद्यालयी गणित उत्कृष्टता में शिक्षक की भूमिका

इकाई 3: गणितीय अवधारणाओं के सीखने-सिखाने का दृष्टिकोण व रणनीतियाँ

- अवधारणाओं की प्रकृति, अवधारणा का निर्माण और अवधारणा का आत्मसातीकरण
- गणित शिक्षण की अवधारणा: परिभाषा, आवश्यक शर्त, उदहारण सहित कारण को स्पष्ट करना
- गतिविधि आधारित गणितीय अवधारणाओं के शिक्षण के लिए योजना बनाना
- आगमन-निगमन विधि
- कई व्याख्या के माध्यम से अनुमान और सामान्यीकरण का निर्माण
- गणित की शिक्षा और विज्ञान के शिक्षण के बीच अंतर

इकाई-4: हम आसानी से गणित कैसे सिखाये?

- सीखने की संस्कृति:- कक्षा में सक्रिय वातावरण का निर्माण, कक्षा में विचारों को साझा करना तथा खोज करना, विविधतापूर्ण और नवपरिवर्तनशील प्रक्रिया/कार्यविधि को बढ़ावा देना, गणितीय समस्या समाधान के लिए एक से अधिक तरीकों का इस्तेमाल, अनुमान लगाना
- गणित की कक्षा में संचार की भूमिका:-गणित से सम्बंधित बातचीत; कक्षा में गणितज्ञों का समूह बनाना: गणितीयक्लब
- गणितीय चिंतन में श्रव्य-दृश्य सामग्री, गणितीय गतिविधि, गणित से जुड़ी कहानियाँ और तकनीकी का उपयोग

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:
(Course Learning Outcomes)

- गणित शिक्षण के विभिन्न स्वरूपों को समझने में समर्थ होंगे।
- गणित विषय का अन्य विषयों के साथ संबंध स्थापित करने में समर्थ होंगे।
- गतिविधि आधारित गणितीय अवधारणाओं के शिक्षण के लिए योजना बनाना में सामर्थ प्राप्त करेंगे।
- गणित कक्षा शिक्षण में संचार की भूमिकाएवं उसके प्रयोग करने में समर्थ होंगे।
- गणित शिक्षणमें सीखने की संस्कृती को समझकर सक्रिय शिक्षण अधिगम वातावरण के निर्माण करने में समर्थ होंगे।
- गणितीय अवधारणाओं के सीखने-सिखाने की दृष्टिकोण व रणनीतियों की समझ विकसित करेंगे ।

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा,साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the **Course**)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	*ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	*संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	**गणितीय संप्रत्यय और चिंतन का परिचय** गणित का अर्थ, क्षेत्र और प्रकृति, इतिहास, भारतीय गणितज्ञों का योगदान गणित का अन्य विषयों के साथ सह-सम्बंध दिन,प्रतिदिन प्रयुक्त गणित, बहुसांस्कृतिक गणित	2.5			2.5	8.33

मॉड्यूल-2	पैटर्न की रचना जानना व सामान्यीकरण के रूप में गणित का अध्ययन: आकृतियों का पैटर्न, सांख्यकीय पैटर्न, अमूर्त पैटर्न्स की पहचान और विश्लेषण	2			2	6.66	
मॉड्यूल-3	गणित को मानव द्वारा रचित विषय के रूप में समझना: गणितीय संरचना का निर्माण: स्वयं सिध्दियां, अभीगृहीतियाँ और प्रमाण: प्रमाण के विभिन्न विधियाँ: प्रत्यक्ष, अप्रत्यक्ष, विपरीत उदाहरण और आगमन के द्वारा प्रमाण	3			3	10	
मॉड्यूल-4	**शिक्षार्थियों के खोजबीन के लिए तैयार करना** शिक्षार्थियों में अंतर्ज्ञान और संवेदनशीलता का विकास करना	2			2	6.66	
मॉड्यूल-5	खोज के लिए प्रोत्साहन, वास्तविक जीवन से सम्बंधित गणित से प्रश्नों को तैयार करना	2			2	6.66	
मॉड्यूल-6	सहपाठियों में संवाद को बढ़ाना और सहयोगात्मक रूप से	3.5			3.5	11.66	

	सीखने को बढ़ावा देना, शिक्षार्थी के विश्वास को बढ़ाना, विद्यालयी गणित उत्कृष्टता में शिक्षक की भूमिका						
मॉड्यूल-7	**गणितीय अवधारणाओं के सीखने-सिखाने का दृष्टिकोण व रणनीतियाँ** अवधारणाओं की प्रकृति, अवधारणा का निर्माण और अवधारणा का आत्मसातीकरण, गणित शिक्षण की अवधारणा: परिभाषा, आवश्यक शर्त, उदहारण सहित कारण को स्पष्ट करना,	3.5			3.5	11.66	
मॉड्यूल-8	गतिविधि आधारित गणितीय अवधारणाओं के शिक्षण के लिए योजना बनाना,पाठ योजना और इकाई योजना का निर्माण, आगमन-निगमन विधि, कई व्याख्या के माध्यम से अनुमान और सामान्यीकरण का निर्माण, गणित की शिक्षा	4			4	13.33	

	और विज्ञान के शिक्षण के बीच अंतर					
मॉड्यूल-9	**हम आसानी से गणित कैसे सिखाये?** सीखने की संस्कृति:- कक्षा में सक्रिय वातावरण का निर्माण, कक्षा में विचारों को साझा करना तथा खोज करना, विविधतापूर्णऔर नव परिवर्तनशील प्रक्रिया/कार्यविधि को बढ़ावा देना, गणितीय समस्या समाधान के लिए एक से अधिक तरीकों का इस्तेमाल, अनुमान लगाना	3.5			3.5	11.66
मॉड्यूल-10	गणित की कक्षा में संचार की भूमिका:- गणित से सम्बंधित बातचीत; कक्षा में गणितज्ञों का समूह बनाना: गणितीयक्लब	2			2	6.66
मॉड्यूल-11	गणितीय चिंतन में श्रव्य-दृश्य सामग्री, गणितीय गतिविधि, गणित से जुड़ी कहानियाँ और तकनीकी का उपयोग	2			2	6.66
योग		**30**			**30**	**100**

*** ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)- आवश्यकता अनुरूप/समय सारणी अनुरूप**

*** संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..- पाठ्यचर्या के ईकाई के विषय वस्तु के आवश्यकता अनुरूप**

टिप्पणी:

माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अधिगम	विद्यार्थी केन्द्रित एवं निर्माणवादी अधिगम
विधियाँ	आगमन-निगमन, व्याख्यान, प्रदत्त कार्य, वैयक्तिक एवं सामूहिक प्रस्तुति, शिक्षण विधियों पर आधारित व्यावहारिक कार्य योजना का विकास
तकनीक	कंप्यटूर सहायक तकनीकी, ई-कंटेंट, गूगल क्लासरूम, विभिन्न वेबसाइट्स
उपादान	प्रदत्त कार्य, स्व अध्ययन सामाग्री,स्व- अभ्यास

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6
गणित शिक्षण के विभिन्न स्वरूपों को समझ सकेंगे।	X	-	-	-	-	-
गणित विषय का अन्य विषयों के साथ संबंध स्थापित करने में समर्थ होंगे।	-	X	-	-	-	-
गतिविधि आधारित गणितीय अवधारणाओं के शिक्षण के लिए योजना बनाना में सामर्थ्य होंगे।	-	-	X	-	-	-
गणित कक्षा शिक्षण में संचार की भूमिका एवं उसके प्रयोग में समर्थ होंगे।	-	-	-	X	-	-
गणित शिक्षण में सीखने की संस्कृति को समझकर सक्रिय शिक्षण अधिगम वातावरण के निर्माण में समर्थ होंगे।	-	-	-	-	X	-
गणितीय अवधारणाओं के सीखने-सिखाने की दृष्टिकोण व रणनीतियों की समझ का विकस करेंगे।	-	-	-	-	-	X

टिप्पणी:

5. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
6. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।
#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदनलेखन	
निर्धारित अंकप्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	शर्मा,एस.एम.(2019).गणित शिक्षण, आगरा, श्री विनोद पुस्तक मंदिर. जैन एवं रावत(2017)। गणित शिक्षण,आगरा,अग्रवालपुब्लिकेशन.
2	संदर्भ-ग्रंथ	Singh, Hukum, Avtar, Ram and Singh V.P. (2005). A Handbook for Designing Mathematics Laboratory in Schools, NCERT

		Sarangapani, Padma, and Husain, Shama, (2004). "Evaluation of Maths Lab at Samuha-Plan, Deodurg", Report, National Institute of Advanced Studies, Bangalore. Sarangapani, Padma, (2000). "A way to explore children's understanding of mathematics", Issues in primary education.
3	ई-संसाधन	https://ncert.nic.in/pdf/focus-group/math.pdf https://sites.google.com/site/eshikshabharat/home/pedagogy-of-mathematics-ganita-siksa-sastra https://www.eklavya.in/magazine-activity/sandarbh-magazines/510-sandarbh-31-to-40/sandarbh-issue-43/2115-ganit-sikshan-me-sahayak-samagri https://ncert.nic.in/pdf/h_focus_group/Ganit%20Shikshan.pdf
4	अन्य	

(विभागाध्यक्ष / निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

1.4 पाठ्यचर्या का नाम: जीव विज्ञान शिक्षण-II
(NameoftheCourse)

2.पाठ्यचर्या का कोड:बीईडीई 02
(Code of the Course)

3.क्रेडिट: 2 4. सेमेस्टर:तृतीय

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	29
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	00
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	01
कौशल विकास गतिविधियाँ	00
कुल क्रेडिटघंटे	30

5. पाठ्यचर्या विवरण:
(Description of Course)
इकाई1: जीव विज्ञान पाठ्यचर्या

- जीव विज्ञान पाठ्यचर्या से संबंधित विमर्श एवं मुद्दे
- माध्यमिक स्तर पर जीव विज्ञान पाठ्यचर्या के पुनर्निर्माण से संबंधित अन्तःक्षेप
- जीव विज्ञान पाठ्यचर्या के हस्तानान्तरण में राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रुपरेखा-2005 के सुझाव

इकाई2: जीव विज्ञान शिक्षण के लिए संसाधन

- एक आदर्श जीव विज्ञान पाठ्य-पुस्तक की विशेषताएँ तथा इसका मूल्यांकन
- शिक्षक हैंडबुक, मेनुअल, जर्नल एवं वर्क बुक
- ICT संसाधन (ब्लॉग, विकी, सोशल नेटवर्किंग, ऑनलाइन लर्निंग)

इकाई3: जीव विज्ञान पाठ-सहगामी क्रियाएँ

- पाठ-सहगामी क्रियाओं का महत्व एवं उपयोगिता
- परियोजना कार्य, विज्ञान प्रश्नोत्तरी, विज्ञान प्रदर्शनी, विज्ञान मेला, विज्ञान क्लब, क्षेत्र भ्रमण
- प्रयोगशाला का अभिन्यास, व्यवस्था तथा संगठन, प्रयोगशाला गतिविधियों के लिए शिक्षण-अधिगम सामग्री का निर्माण

इकाई4: जीव विज्ञान में आकलन एवं मूल्यांकन

- जीव विज्ञान अधिगम के संज्ञानात्मक आयामों का आकलन
- जीव विज्ञान अधिगम के सह-संज्ञानात्मक आयामों का आकलन
- जीव विज्ञान प्रक्रिया एवं प्रायोगिक कौशलों का आकलन, राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा, विज्ञान ऑलम्पियाड

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:
(Course Learning Outcomes)

- जीव विज्ञान पाठ्यचर्या से संबन्धित विमर्श एवं मुद्दों को समझने एवं उसे तार्किक युक्तियों द्वारा स्पष्ट करने में समर्थ होंगे।

- जीव विज्ञान शिक्षण का माध्यमिक स्तर पर पाठ्यचर्या के पुनर्निर्माण से संबंधित अन्तःक्षेप करने की आवश्यकता के समझ का विकास करेंगे।
- जीव विज्ञान शिक्षण से संबन्धित पाठ्य सहगामी क्रियाओं का आयोजन कराने में समर्थ होंगे।
- जीव विज्ञान शिक्षण से संबंधित विभिन्न संसाधनों का निर्माण एवं प्रयोग करने में समर्थ होंगे।
- विद्यालयी शिक्षा के विभिन्न स्तरों पर जीव विज्ञान पाठ्यक्रम के निर्माण के विभिन्न दृष्टिकोणों का आकलन कर सकेंगे।
- जीव विज्ञान शिक्षण के विभिन्न आकलन उपकरणों का उपयोग संज्ञानात्मक एवं सह संज्ञानात्मक आयामों के लिए करने में समर्थ होंगे।
- जीव विज्ञानके प्रभावी शिक्षण हेतु विभिन्न ICT संसाधनों का उपयोग करने में समर्थ होंगे।

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा,साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the **Course**)

मॉड्यूल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)**			**कुल घंटे**	**कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)**
		व्याख्यान	***ट्यूटोरियल** (यदि अपेक्षित हैं)	***संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..**(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	**जीव विज्ञान पाठ्यचर्या** जीव विज्ञान पाठ्यचर्या से संबंधित विमर्श एवं मुद्दे	3			3	10
मॉड्यूल-2	माध्यमिक स्तर पर जीव विज्ञान पाठ्यचर्या के पुनर्निर्माण से संबंधित अन्तःक्षेप	2			2	6.66

मॉड्यूल-3	जीव विज्ञान पाठ्यचर्या के हस्तानान्तरण में राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रुपरेखा-2005 के सुझाव	2.5			2.5	8.33	
मॉड्यूल-4	**जीव विज्ञान शिक्षण के लिए संसाधन** एक आदर्श जीव विज्ञान पाठ्य-पुस्तक की विशेषताएँ तथा इसका मूल्यांकन	2			2	6.66	
मॉड्यूल-5	शिक्षक हैंडबुक, मेनुअल, जर्नल एवं वर्क बुक	3			3	10	
मॉड्यूल-6	ICT संसाधन (ब्लॉग, विकी, सोशलनेटवर्किंग, ऑनलाइन लर्निंग)	2.5			2.5	8.33	
मॉड्यूल-7	**जीव विज्ञान पाठ-सहगामी क्रियाएँ** पाठ-सहगामी क्रियाओं का महत्व एवं उपयोगिता	2			2	6.66	
मॉड्यूल-8	परियोजना कार्य, विज्ञान प्रश्नोत्तरी, विज्ञान प्रदर्शनी, विज्ञान मेला, विज्ञान क्लब, क्षेत्र भ्रमण,प्रयोगशाला का अभिन्यास,	5.5			5.5	18.33	

	व्यवस्था तथा संगठन, प्रयोगशाला गतिविधियों के लिए शिक्षण-अधिगम सामग्री का निर्माण					
मॉड्यूल-9	**जीव विज्ञान में आकलन एवं मूल्यांकन** जीव विज्ञान अधिगम के संज्ञानात्मक आयामों का आकलन	3			3	10
मॉड्यूल-10	जीव विज्ञान अधिगम के सह-संज्ञानात्मकआयामों का आकलन	2.5			2.5	8.33
मॉड्यूल-11	जीव विज्ञान प्रक्रिया एवं प्रायोगिक कौशलों का आकलन, राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा, विज्ञान ऑलम्पियाड	2			2	6.66
योग		**30**			**30**	**100**

*** ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)- आवश्यकता अनुरूप/समय सारणी अनुरूप**

*** संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..- पाठ्यचर्या के ईकाई के विषय वस्तु के आवश्यकता अनुरूप**

टिप्पणी:

माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
प्रत्येक सेमेस्टर में **0**1 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अधिगम	विद्यार्थी केन्द्रित,लर्निंग बाय डूइंग अधिगम
विधियाँ	व्याख्यान, प्रदत्त कार्य,वैयक्तिक एवं सामूहिक प्रस्तुति, व्याख्यान सह चर्चा, पैनल चर्चा,परियोजना,सेमिनार प्रस्तुति और विचार-विमर्श,आलोचनात्मक चिंतन, अधिगम संसाधन विकास पर कार्यशाला, प्रयोगशाला संलग्नता, प्रकरण अध्ययन
तकनीक	कंप्यटूर सहायक तकनीकी, ई-कंटेंट, गूगल क्लासरूम, विभिन्न वेबसाइट्स
उपादान	प्रदत्त कार्य, स्व अध्ययन समाग्री,स्व- अभ्यास,

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7
जीव विज्ञान पाठ्यचर्या से संबन्धित विमर्श एवं मुद्दों को समझने एवं उसे तार्किक यूक्तियों द्वारा स्पष्ट करने में समर्थ होंगे।	X	-	-	-	-	-	-
जीव विज्ञान शिक्षण का माध्यमिक स्तर पर पाठ्यचर्या के पुनर्निर्माण से संबंधित अन्तःक्षेप करने की आवश्यकता के समझ का विकास करेंगे।	-	X	-	-	-	-	-
जीव विज्ञान शिक्षण से संबन्धित पाठ्य सहगामी क्रियाओं का आयोजन कराने में सामर्थ होंगे।	-	-	X	-	-	-	-
जीव विज्ञान शिक्षण से संबंधित विभिन्न संसाधनों का निर्माण एवं प्रयोग में समर्थ	-	-	-	X	-	-	-

होंगे।							
विद्यालयी शिक्षा के विभिन्न स्तरों पर जीव विज्ञान पाठ्यक्रम के निर्माण के विभिन्न दृष्टिकोणों का आकलन कर सकेंगे।	-	-	-	-	X	-	-
जीव विज्ञान शिक्षण के विभिन्न आकलन उपकरणों का उपयोग में समर्थ होंगे।	-	-	-	-	-	X	-
जीव विज्ञान के प्रभावी शिक्षण हेतु विभिन्न ICT संसाधनों का उपयोग में समर्थ	-	-	-	-	-	-	X

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।
#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदनलेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ
(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	राव, वी.के.(2004). साइन्स एडुकेशन,नई दिल्ली ए. पी.एच। कार्पोरेशन. माहेश्वरी, बी.के. एवं माहेश्वरी, सुधा(2005). विज्ञान शिक्षणमेरठ,आर लाल पब्लिकेशन्स. रावत, डी.एस.(1989). विज्ञान शिक्षण, आगरा, विनोद पुस्तक भवन. बॉक्सटन, ए.सी. (2010). टीचीग साइन्स इन एलेमेंट्री एंड मिडिल स्कूल. नई दिल्ली, सेज पब्लिकेशन्स
2	संदर्भ-ग्रंथ	एनसीईआरटी(2005). राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूप रेखा, एनसीईआरटी, नई दिल्ली. एनसीईआरटी(2008). विज्ञान शिक्षण, राष्ट्रीय फोकस समूह का आधार पत्र, एनसीईआरटी, नई दिल्ली. एनसीईआरटी, भौतिक विज्ञान का शिक्षण शास्त्र- भाग I एवं II, एनसीईआरटी, नई दिल्ली
3	ई-संसाधन	www.ncert.nic.in //phy_sci https://hi.wikibooks.org/wiki/वैज्ञानिक मनोवृत्ति का विकास
4	अन्य	

(विभागाध्यक्ष / निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

1.5 पाठ्यचर्या का नाम: भौतिकीय विज्ञान शिक्षण-II
(Name of the Course)

2.पाठ्यचर्या का कोड: बीईडीई02
(Code of the Course)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	29
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	01
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिटघंटे	30

3. क्रेडिट: 2 **4. सेमेस्टर:तृतीय**

5.पाठ्यचर्या विवरण:
(Description of Course)

इकाई1: भौतिकीय विज्ञान पाठ्यचर्या

- भौतिकीय विज्ञान पाठ्यचर्या से संबंधित विमर्श एवं मुद्दे
- माध्यमिक स्तर पर भौतिकीय विज्ञान पाठ्यचर्या के पुनर्निर्माण से संबंधित अन्तःक्षेप
- भौतिकीय विज्ञान पाठ्यचर्या के हस्तानान्तरण में राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रुपरेखा-2005 के सुझाव

इकाई2: संसाधन उपयोग

- सीखने के औपचारिक संसाधन-पाठ्य-पुस्तक,शिक्षक हैंडबुक, मेनुअल, जर्नल, पत्रिकाएँ एवं वर्क बुक
- सीखने के गैर- औपचारिक संसाधन, निकटवर्ती परिवेश से सीखने के संसाधनों की पहचान, वैकल्पिक संसाधनों की खोज, ICT संसाधन
- दिव्यांग बच्चों के लिए विशिष्ट संसाधन

इकाई3: प्रयोगशाला एवं पाठ-सहगामी अनुभव

- प्रयोगशाला का अभिन्यास, व्यवस्था तथा संगठन, प्रयोगशाला गतिविधियों के लिए शिक्षण-अधिगम सामग्री का निर्माण
- पाठ-सहगामी क्रियाओं का महत्व, परियोजना कार्य, विज्ञान प्रश्नोत्तरी, विज्ञान प्रदर्शनी, विज्ञान मेला, विज्ञान क्लब, क्षेत्र भ्रमण, चिल्ड्रेन साइंस कांग्रेस का संगठन

इकाई4: भौतिकीय विज्ञान में आकलन एवं मूल्यांकन

- संप्रत्यय अवबोधन या विकास का आकलन, सतत एवं व्यापक आकलन
- गुणात्मक आकलन के लिए वैकल्पिक आकलन उपकरणों का निर्माण,
- विज्ञान प्रक्रिया,प्रायोगिक कौशलों तथा वैज्ञानिक अभिवृति का आकलन
- राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा, विज्ञान ऑलम्पियाड

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:
(Course Learning Outcomes)

- भौतिकीय विज्ञान पाठ्यचर्या से संबन्धित विमर्श एवं मुद्दों को समझने एवं उसे तार्किक यीक्तियों द्वारा स्पष्ट करने में समर्थ होंगे।
- भौतिकीय विज्ञान शिक्षणका माध्यमिक स्तर पर पाठ्यचर्या के पुनर्निर्माण से संबंधित अन्तःक्षेपकरने की आवश्यकता के समझ का विकास करेंगे।
- भौतिकीय विज्ञान शिक्षण से संबन्धित पाठ्यसहगामी क्रियाओं का आयोजन कराने में समर्थ होंगे।

- भौतिकीय विज्ञान शिक्षण से संबंधित विभिन्न संसाधनों का निर्माण एवं प्रयोग करने में समर्थ होंगे।
- विद्यालयी शिक्षा के विभिन्न स्तरों पर भौतिकीय विज्ञान पाठ्यक्रम के निर्माण के विभिन्न दृष्टिकोणों का आकलन कर सकेंगे।
- भौतिकीय विज्ञान शिक्षण के विभिन्न आकलन उपकरणों का उपयोग संज्ञानात्मक एवं सह संज्ञानात्मक आयामों के लिए करने में समर्थ होंगे।
- भौतिकीय विज्ञान के प्रभावी शिक्षण हेतु विभिन्न ICT संसाधनों का उपयोग करने में समर्थ होंगे।

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा,साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the **Course**)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	*ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	*संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	**भौतिकीय विज्ञान पाठ्यचर्या** भौतिकीय विज्ञान पाठ्यचर्या से संबंधित विमर्श एवं मुद्दे	3			3	10
मॉड्यूल-2	माध्यमिक स्तर पर भौतिकीय विज्ञान पाठ्यचर्या के पुनर्निर्माण से संबंधित अन्तःक्षेप	2			2	6.66
मॉड्यूल-3	भौतिकीयविज्ञानपाठ्यचर्या के हस्तानान्तरण में राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रुपरेखा-2005 के सुझाव	2.5			2.5	8.33
मॉड्यूल-4	**इकाई2: संसाधन उपयोग**	2.5			2.5	8.33

	सीखने के औपचारिक संसाधन-पाठ्य-पुस्तक,शिक्षकहैंडबुक, मेनुअल, जर्नल, पत्रिकाएँ एवं वर्क बुक						
मॉड्यूल-5	सीखने के गैर-औपचारिक संसाधन, निकटवर्ती परिवेश से सीखने के संसाधनों की पहचान, वैकल्पिक संसाधनों की खोज, ICT संसाधन	3			3	10	
मॉड्यूल-6	दिव्यांग बच्चों के लिए विशिष्ट संसाधन	2			2	6.66	
मॉड्यूल-7	**प्रयोगशाला एवं पाठ-सहगामी अनुभव** प्रयोगशाला का अभिन्यास, व्यवस्था तथा संगठन, प्रयोगशाला गतिविधियों के लिए शिक्षण-अधिगम सामग्री का निर्माण	3.5			3.5	11.66	
मॉड्यूल-8	पाठ-सहगामी क्रियाओं का महत्व, परियोजना कार्य, विज्ञान प्रश्नोत्तरी, विज्ञान प्रदर्शनी, विज्ञान मेला, विज्ञान क्लब, क्षेत्र भ्रमण, चिल्ड्रेन साइंस कांग्रेस का संगठन	4			4	13.33	

मॉड्यूल-9	**भौतिकीय विज्ञान में आकलन एवं मूल्यांकन** संप्रत्यय अवबोधन या विकास का आकलन, सतत एवं व्यापक आकलन	2			2	6.66
मॉड्यूल-10	गुणात्मक आकलन के लिए वैकल्पिक आकलन उपकरणों का निर्माण	2			2	6.66
मॉड्यूल-11	विज्ञान प्रक्रिया,प्रायोगिक कौशलों तथा वैज्ञानिक अभिवृति का आकलन, राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा, विज्ञान ऑलम्पियाड	3.5			3.5	11.66
योग		**30**			**30**	**100**

*** ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)- आवश्यकता अनुरूप/समय सारणी अनुरूप**

*** संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..- पाठ्यचर्या के ईकाई के विषय वस्तु के आवश्यकता अनुरूप**

टिप्पणी:

1.माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2.प्रत्येक सेमेस्टर में **0**1 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अधिगम	विद्यार्थी केन्द्रित एवं निरमाणवादी अधिगम
विधियाँ	व्याख्यान, प्रदत्त कार्य, वैयक्तिक एवं सामूहिक प्रस्तुति, शिक्षण विधियों पर आधारित व्यावहारिक कार्य योजना का विकास
तकनीक	कंप्यटूर सहायक तकनीकी, ई-कंटेंट, गूगल क्लासरूम, विभिन्न वेबसाइट्स
उपादान	प्रदत्त कार्य, स्व अध्ययन समाग्री,स्व- अभ्यास

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7
भौतिकीय विज्ञान पाठ्यचर्या से संबन्धित विमर्श एवं मुद्दों को समझने एवं उसे तार्किक यूक्तियों द्वारा स्पष्ट करने में समर्थ होंगे।	X	-	-	-	-	-	-
भौतिकीय विज्ञान शिक्षणका माध्यमिक स्तर पर पाठ्यचर्या के पुनर्निर्माण से संबंधित अन्तःक्षेप करने की आवश्यकता के समझ का विकास करेंगे।	-	X	-	-	-	-	-
भौतिकीय विज्ञान शिक्षण से संबंधित पाठ्य सहगामी क्रियाओं का आयोजन कराने में सामर्थ होंगे।	-	-	X	-	-	-	-
भौतिकीय विज्ञान शिक्षण से संबंधित विभिन्न संसाधनों का निर्माण एवं प्रयोग में समर्थ होंगे।	-	-	-	X	-	-	-
विद्यालयी शिक्षा के विभिन्न स्तरों पर भौतिकीय विज्ञान पाठ्यक्रम के निर्माण के विभिन्न दृष्टिकोणों का आकलन कर सकेंगे।	-	-	-	-	X	-	-
भौतिकीय विज्ञान शिक्षण के विभिन्न आकलन उपकरणों का उपयोग में समर्थ होंगे।	-	-	-	-	-	X	-
भौतिकीय विज्ञान के प्रभावी शिक्षण हेतु विभिन्न ICT संसाधनों का उपयोग में समर्थ होंगे।	-	-	-	-	-	-	X

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।
#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदनलेखन	
निर्धारित अंकप्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	नेगी, जे.एस.(2013).भौतिक विज्ञान शिक्षण, आगरा, अगरवाल पब्लिकेशन रावत, डी.एस.(1989). विज्ञान शिक्षण, आगरा, विनोद पुस्तक भवन. बॉक्सटन, ए.सी. (2010). टीचीग साइन्स इन एलेमेंट्री एंड मिडिल स्कूल. नई दिल्ली, सेज पब्लिकेशन्स
2	संदर्भ-ग्रंथ	एनसीईआरटी(2005). राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूप रेखा, एनसीईआरटी, नई दिल्ली. एनसीईआरटी(2008). विज्ञान शिक्षण, राष्ट्रीय फोकस समूह का आधार पत्र, एनसीईआरटी, नई दिल्ली.

		एनसीईआरटी, भौतिक विज्ञान का शिक्षण शास्त्र- भाग I एवं II, एनसीईआरटी, नई दिल्ली एस सी ई आर टी(2012),सतत एवं व्यापक मूल्यांकन,एस सी ई आर टी, छतीसगढ़
3	ई-संसाधन	**http://www.preservearticles.com/201105216947/a-comparative-study-of-analytic-and-synthetic-method-of-teaching-mathematics.html** **https://www.csun.edu/science/ref/reasoning/deductive_reasoning** **/deductive-chemistry.html**

(विभागाध्यक्ष / निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

1.6 पाठ्यचर्या का नाम. हिंदी शिक्षण-II
(Name of the Course).

2.पाठ्यचर्या का कोड. शिक्षा 001
(Code of the Course).
3. **क्रेडिट**: 2
4. सेमेस्टर:प्रथम

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	30
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	00
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	00
कौशल विकास गतिविधियाँ	00
कुल क्रेडिटघंटे	**30**

5. पाठ्यचर्या विवरण:
(Description of Course)

पाठ्यक्रम की विवेचना

इकाई 1: पाठ्य पुस्तक एवं भाषा शिक्षक

- पाठ्य पुस्तक की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि,पाठ्य पस्तक का महत्व ,
- हिन्दी पाठ्यपुस्तक का आन्तरिक व बाह्य गुण,
- पाठ्यपुस्तक निर्माण के सिद्धान्त,
- हिन्दी भाषा शिक्षक का विशेष गुण एवं दायित्व

इकाई 2: हिन्दी भाषा शिक्षण में तकनीकी का उपयोग

- संगणक का उपयोग
- सूचना प्रौद्योगिकी का भाषा कौशलों के विकास में उपयोग
- कक्षा शिक्षण में पारंपरिक व आधुनिक संचार माध्यमों का उपयोग
- सूचना प्रौद्योगिकी की सहायता से हिन्दी भाषा शिक्षक एवं छात्रों की रचनात्मकता का विकास

इकाई 3:हिन्दीभाषा का प्रचार अभिकरण,भाषा कक्ष, क्लब और स्टडी सर्किल

- हिन्दी के प्रचार-प्रसार में सरकारी व गैर-सरकारी संस्थाएं
- भाषा कक्ष में अध्ययन सामग्री और उपकरण का कार्य और महत्त्व
- भाषा क्लब का अर्थ, आवश्यकता, निर्माण और गतिविधि ,

इकाई 4:हिन्दी भाषा में आकलन और मूल्यांकन

- मूल्यांकन और परीक्षा का अर्थ
- परीक्षा प्रणाली- लिखित और मौखिक
- प्रश्न प्रकार, आदर्श प्रश्न पत्र
- सतत एवं व्यापक मूल्यांकन की प्रक्रिया
- उपलब्धि परीक्षण

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:
(Course Learning Outcomes)

1. हिंदी भाषा शिक्षक के विशिष्ट गुण एवं उत्तरदायित्व को समझेंगे

2 विभिन्न आयोगों व नीतियों में हिंदी के प्रति विचारों को जान सकेंगे।

3.हिंदी के प्रचार-प्रसार से सम्बंधित उपायों एवं विभिन्न संस्थाओं की भूमिका को समझ पाएंगे

4.हिंदी भाषा के मूल्यांकन हेतु के विभिन्न प्राचीन एवं नूतन आयामों को समझ कर आवश्यकतानुगुण प्रयोग करने में समर्थ होंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	पाठ्य पुस्तक का ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, पाठ्य-पस्तक का महत्व	**2**			**2**	**6.66**
मॉड्यूल-2	हिंदी पाठ्यपुस्तक का आन्तरिक व बाह्य गुण	**2**			**2**	**6.66**
मॉड्यूल-3	पाठ्यपुस्तक निर्माण के सिद्धान्त	**2**			**2**	**6.66**
मॉड्यूल-4	हिंदी भाषा शिक्षक का विशेष गुण एवं दायित्व	**2**			**2**	**6.66**
मॉड्यूल-5	कक्षा शिक्षण में पारंपरिक व आधुनिक संचार माध्यमों का उपयोग	**3**			**3**	**10.00**
मॉड्यूल-6	सूचना प्रौद्योगिकी का भाषा कौशलों के विकास में उपयोग । सूचना-प्रौद्योगिकी की सहायता से हिन्दी भाषा शिक्षक एवं छात्रों की रचनात्मकता का विकास एवं हिंदी भाषा शिक्षा।	**6**			**6**	**20.00**
मॉड्यूल-7	हिन्दी के प्रचार-प्रसार में	**2**				

	सरकारी व गैर-सरकारी संस्थाएं				2	6.66
मॉड्यूल-8	भाषा कक्ष में अध्ययन सामग्री और उपकरण का कार्य और महत्त्व	2			2	6.66
मॉड्यूल-9	भाषा क्लब एवं स्टडी सर्किल का अर्थ, आवश्यकता, निर्माण और गतिविधि	2			2	6.66
मॉड्यूल-10	मूल्यांकन और परीक्षा का अर्थ परीक्षा प्रणाली- लिखित और मौखिक	2			2	6.66
मॉड्यूल-11	प्रश्नप्रकार, आदर्श प्रश्न पत्र । सतत एवं व्यापक मूल्यांकन की प्रक्रिया	3			3	10.00
मॉड्यूल -12	उपलब्धि परीक्षण	2			2	6.66
योग		**30**			**30**	**100**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अधिगम	विद्यार्थी केंद्रित निर्माणवादी
विधियाँ	व्याख्यान, प्रदत्तकार्य, वैयक्तिक एवं सामूहिक प्रस्तुति
तकनीकी	कंप्यूटर सहायक तकनीकी, ई-कंटेंट,
उपादान	प्रदत्त कार्य, स्व-अध्ययन सामाग्री

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
1. अध्येता शिक्षण व्यवसाय के मूल्यों के अनुरूप अभ्यास कर पाएंगे।	X	X		X	X			
2. वे अपने निर्णय व्यवहार और अभ्यास के द्वारा शिक्षण व्यवसाय के लिए निर्धारित कसौटियों का पूर्ण पालन करेंगे।	X	X	X		X			
3. वे विद्यार्थियों के समग्र विकास की परिकल्पना को समझेंगे और तदनुरुप वे शिक्षार्थी केंद्रित शिक्षण विधियों का प्रभावपूर्ण प्रयोग करने में सक्षम होंगे।	X		X	X	X			
4. वे ऐसे शोध उन्मुख कार्य कर सकेंगे जो शिक्षा और समाज के संबंध को समझने में मदद करें।	X	X	X		X			
5. वे समसामयिक सूचना प्रौद्योगिकी एवं अन्य तकनीकों के माध्यम से प्रभाव प्रशिक्षण के लिए तत्पर रहेंगे।	X		X	X	X			
6. उनमें संप्रेषण की समुचित दक्षता होगी जिसके द्वारा वे अपने विचारों को प्रभावपूर्ण संप्रेषण करने में दक्ष होंगे।	X	X	X	X	X			
7. वे समुदाय के साथ अंतः क्रिया के दौरान सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के प्रति समनुभूति का भाव रखेंगे।	X	X		X	X			
8. वे शिक्षण और आकलन की समसामयिक तक नीतियों की विशेष जानकारी रखेंगे और उसके अनुरूप उसका अभ्यास करेंगे।	X		X	X	X			
9. वे विद्यार्थियों में व्याप्त विविधता का सम्मान करते हुए उसके समावेशन की ओर उन्मुख होंगे।	X	X	X		X			
10. वे क्षेत्र, जाति, संप्रदाय , जेंडर आदि की विविधताओं का शिक्षण और अन्य दायित्वों में समावेशन का प्रयास करेंगे।	X	X		X	X			

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।
#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदनलेखन	
निर्धारित अंकप्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य सामाग्री	विवरण (APAFormat में)
1	**आधार/पाठ्य-ग्रंथ**	गुप्त, मनोरमा – भाषा अधिगम, केंद्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा गुनानंद हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास – विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा द्विवेदी, देवीशंकर – भाषा और भाषिकी, भाषाविभाग-नविज्ञा-सागर वि वि., सागर पांडेय, रामाशकल – हिंदी शिक्षण, अग्रवाल पब्लिकेशन, आगरा चतुर्वेदी, शिखा – हिन्दी शिक्षण, आर लाल बुक डिपो., मेरठ शर्मा, देवेन्द्रनाथ – भाषा विज्ञानं की भूमिका, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली तीवारी, भोलानाथ, भाषा विज्ञान, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणासी
2	**संदर्भ-ग्रंथ**	सक्सेना, राधारानी, (2013, 'नवाचारी शिक्षण पद्धतियाँ, जयपुर, राजस्थान हिंदी ग्रन्थ अकादमी। शर्मा, लक्ष्मनारायण, सिंह फतेह, संस्कृतशिक्षणं नविन प्रविधय:आदित्यप्रकाशन,

		जयपुर मित्तल, संतोष, संस्कृतशिक्षणम, नवचेतना पब्लिकेशन्स, जयपुर सफाया, रघुनाथ, संस्कृत शिक्षण, हरयाणाग्रन्थ अकादमि. पाण्डे, रामशकल, संस्कृत शिक्षण, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा विश्वास: कौशलबोधिनि, संस्कृत भारती, दिल्ली शर्मा, मुरलीधर, संस्कृत शिक्षण समस्या, रा.सं.सं. विद्यापीठ, तिरूपति सिंह कर्ण, संस्कृतशिक्षण विधि, एच.पि. भार्गव बुक सेंटर, आगरा	
3	**ई-संसाधन**	http://www.mgahv.in/Pdf/Dist/gen/shiksha_002_16_03_16.Pdf	
4	**अन्य**		

(विभागाध्यक्ष / निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

1.7 पाठ्यचर्या का नाम. संस्कृत शिक्षण-II (Name of the Course).

2.पाठ्यचर्या का कोड. शिक्षा 001
(Code of the Course).
3. **क्रेडिट**: 2
4. सेमेस्टर:प्रथम
(Credit) **(Semester)**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	30
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	00
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	00
कौशल विकास गतिविधियाँ	00
कुल क्रेडिटघंटे	**30**

5. पाठ्यचर्या विवरण:
(Description of Course)

पाठ्यक्रम की विवेचना

इकाई 1: पाठ्य पुस्तक एवं भाषा शिक्षक

- पाठ्य पुस्तक की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि,पाठ्य पस्तक का महत्व ,
- संस्कृत पाठ्यपुस्तक का आन्तरिक व बाह्य गुण,
- पाठ्यपुस्तक निर्माण के सिद्धान्त,
- संस्कृतभाषा शिक्षक का विशेष गुण एवं दायित्व

इकाई 2:विभिन्न आयोग एवं संस्कृत भाषा

- विश्वविद्यालय आयोग
- माध्यमिक शिक्षा आयोग
- कोठारी आयोग
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति एवं कार्ययोजना 1992 1986
- नई शिक्षा नीति

इकाई 3:संस्कृत भाषा का प्रचार अभिकरण,भाषा कक्ष, क्लब और स्टडी सर्किल

- संस्कृत के प्रचार-प्रसार में सरकारी व गैर-सरकारी संस्थाएं
- भाषा कक्ष में अध्ययन सामग्री और उपकरण का कार्य और महत्त्व
- भाषा क्लब का अर्थ, आवश्यकता, निर्माण और गतिविधि

इकाई 4 संस्कृत भाषा में आकलन और मूल्यांकन

- मूल्यांकन और परीक्षा का अर्थ
- परीक्षा प्रणाली- लिखित और मौखिक
- प्रश्न प्रकार, आदर्श प्रश्न पत्र
- पारंपरिक मूल्यांकन- स्मृति परीक्षण(कंठ पाठ), बोध परीक्षण(वाक्यार्थ आदि), सृजनात्मक परीक्षण(काव्य निर्माण)

1. संस्कृत भाषा शिक्षक के विशिष्ट गुण एवं उत्तरदायित्व को समझेंगे

2 विभिन्न आयोगों व नीतियों में हिंदी के प्रति विचारों को जान सकेंगे।

3.संस्कृत के प्रचार-प्रसार से सम्बंधित उपायों एवं विभिन्न संस्थाओं की भूमिका को समझ पाएंगे

4.संस्कृत भाषा के मूल्यांकन हेतु के विभिन्न प्राचीन एवं नूतन आयामों को समझ कर आवश्यकतानुगुण प्रयोग करने में समर्थ होंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)**			**कुल घंटे**	**कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)**
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल** (यदि अपेक्षित हैं)	**संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..**(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	पाठ्य पुस्तक की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि,पाठ्य पुस्तक का महत्व	**2**			**2**	**6.66**
मॉड्यूल-2	संस्कृत पाठ्यपुस्तक का आन्तरिक व बाह्य गुण	**2**			**2**	**6.66**
मॉड्यूल-3	पाठ्यपुस्तक निर्माण के सिद्धान्त	**2**			**2**	**6.66**
मॉड्यूल-4	संस्कृतभाषा शिक्षक का विशेष गुण ऐवं दायित्व	**2**			**2**	**6.66**
मॉड्यूल-5	विश्वविद्यालय आयोग, माध्यमिक शिक्षा आयोग कोठारी आयोग, राष्ट्रीय	**7**			**7**	**23.33**

	शिक्षा नीतिएवं 1986 कार्ययोजना 1992					
मॉड्यूल-6	नई शिक्षा नीति2020 एवं संस्कृत भाषा शिक्षा।	**2**			**2**	**6.66**
मॉड्यूल-7	संस्कृत के प्रचार-प्रसार में सरकारी व गैर-सरकारी संस्थाएं	**2**			**2**	**6.66**
मॉड्यूल-8	भाषा कक्ष में अध्ययन सामग्री और उपकरण का कार्य और महत्त्व	**2**			**2**	**6.66**
मॉड्यूल-9	भाषा क्लब का अर्थ, आवश्यकता, निर्माण और गतिविधि	**2**			**2**	**6.66**
मॉड्यूल-10	मूल्यांकन और परीक्षा का अर्थ, परीक्षा प्रणाली-लिखित और मौखिक	**3**			**3**	**10.00**
मॉड्यूल -11	प्रश्न प्रकार, आदर्श प्रश्न पत्र। पारंपरिक मूल्यांकन-स्मृति परीक्षण(कंठ पाठ), बोध परीक्षण(वाक्यार्थ आदि), सृजनात्मक परीक्षण(काव्य निर्माण)	**4**			**4**	**13.33**
योग		**30**			**30**	**100**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में **0**1 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अधिगम	विद्यार्थी केंद्रित निर्माणवादी
विधियाँ	व्याख्यान,प्रदत्तकार्य, वैयक्तिक एवं सामूहिक प्रस्तुति
तकनीकी	कंप्यूटर सहायक तकनीकी, ई-कंटेंट,
उपादान	प्रदत्त कार्य,स्व-अध्ययन सामाग्री

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
1. अध्येता शिक्षण व्यवसाय के मूल्यों के अनुरूप अभ्यास कर पाएंगे।	X	X		X				
2. वे अपने निर्णय व्यवहार और अभ्यास के द्वारा शिक्षण व्यवसाय के लिए निर्धारित कसौटियों का पूर्ण पालन करेंगे।	X		X	X				
3. वे विद्यार्थियों के समग्र विकास की परिकल्पना को समझेंगे और तदनुरुप वे शिक्षार्थी केंद्रित शिक्षण विधियों का प्रभावपूर्ण प्रयोग करने में सक्षम होंगे।	X	X		X				
4. वे ऐसे शोध उन्मुख कार्य कर सकेंगे जो शिक्षा और समाज के संबंध को समझने में मदद करें।	X		X	X				
5. वे समसामयिक सूचना प्रौद्योगिकी एवं अन्य तकनीकों के माध्यम से प्रभाव प्रशिक्षण के लिए तत्पर रहेंगे।	X	X	X	X				
6. उनमें संप्रेषण की समुचित दक्षता होगी जिसके द्वारा वे अपने विचारों को प्रभावपूर्ण संप्रेषण करने में दक्ष होंगे।	X	X		X				
7. वे समुदाय के साथ अंतः क्रिया के दौरान सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के प्रति समनुभूति का भाव रखेंगे।	X	X		X				
8. वे शिक्षण और आकलन की समसामयिक तक नीतियों की विशेष जानकारी रखेंगे और उसके अनुरूप उसका अभ्यास करेंगे।	X		X	X				
9. वे विद्यार्थियों में व्याप्त विविधता का सम्मान करते हुए उसके समावेशन की ओर उन्मुख होंगे।	X	X	X					
10. वे क्षेत्र, जाति, संप्रदाय , जेंडर आदि की विविधताओं का शिक्षण और अन्य दायित्वों में समावेशन का प्रयास करेंगे।	X	X	X	X				

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।
#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदनलेखन	
निर्धारित अंकप्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ
(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य सामाग्री	विवरण (APAFormat में)
1	**आधार/पाठ्य-ग्रंथ**	शर्मा, लक्ष्मनारायण, सिंह फतेह, संस्कृतशिक्षणं नविन प्रविधय:आदित्यप्रकाशन, जयपुर मित्तल, संतोष, संस्कृतशिक्षणम, नवचेतना पब्लिकेशन्स, जयपुर सफाया, रघुनाथ, संस्कृत शिक्षण, हरयाणाग्रन्थ अकादमि. पाण्डे, रामशकल, संस्कृत शिक्षण, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा विश्वास: कौशलबोधिनि, संस्कृत भारती, दिल्ली

		शर्मा, मुरलीधर, संस्कृत शिक्षण समस्या, रा.सं.सं. विद्यापीठ, तिरूपति ▪ सिंह कर्ण, संस्कृतशिक्षण विधि, एच.पि. भार्गव बुक सेंटर, आगरा
2	**संदर्भ-ग्रंथ**	गुप्त, मनोरमा – भाषा अधिगम, केंद्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा गुनानंद हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास – विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा द्विवेदी, देवीशंकर – भाषा और भाषिकी, भाषाविज्ञान विभाग-सागर वि वि., सागर पांडेय, रामाशकल – हिंदी शिक्षण, अग्रवाल पब्लिकेशन, आगरा चतुर्वेदी, शिखा – हिन्दी शिक्षण, आर लाल बुक डिपो., मेरठ शर्मा, देवेन्द्रनाथ – भाषा विज्ञानं की भूमिका, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली ▪ तीवारी, भोलानाथ, भाषा विज्ञान, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणासी
3	**ई-संसाधन**	http://www.mgahv.in/Pdf/Dist/gen/shiksha_002_16_03_16.Pdf
4	**अन्य**	

(विभागाध्यक्ष / निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

1.8 पाठ्यचर्या का नाम. मराठी भाषा शिक्षण – II
(Name of the Course).

2.पाठ्यचर्या का कोड. शिक्षा 001
(CodeoftheCourse).
3. **क्रेडिट**: 2
4. सेमेस्टर:तृतीय

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	30
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	00
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	00
कौशल विकास गतिविधियाँ	00
कुल क्रेडिटघंटे	30

5. पाठ्यचर्या विवरण:
(Description of Course)

पाठ्यक्रम की विवेचना

घटक १ : मराठी विषय अध्यापनाचे अंगे :
१.गद्य शिक्षण पध्दती
२.पद्य शिक्षण पध्दती
3. व्याकरण शिक्षण पध्दती
४.रचनात्मक शिक्षण पद्धती

घटक २ : मराठीचे भाषा शिक्षणाच्या नियोजन
१. नियोजनाचा अर्थ स्वरूप, महत्व आणि आवश्यकता
२. नियोजनाचे प्रकार (१) वार्षिक नियोजन (२) घटक नियोजन (३) पाठ नियोजन
३. शिक्षण कौशल्य : प्रस्तावना, स्पष्टीकरण, प्रश्नकौशल्य, चेतक बदल कौशल्य, फलक लेखन कौशल्य.
४. घटक चाचणीची निर्मिती.

घटक ३ : मराठीचे मूल्यांकन
१. सतत एवं सर्वंकष मुल्यांकन (CCE),त्याच्या प्रक्रिया, मूल्यांकन स्वरूप (SA, FA), अहवाल.
२. परीक्षा पद्धती – अर्थ, प्रकार, गुणदोष.
३. मुक्त पुस्तक परीक्षा आणि मुक्त मूल्यांकन (OTBA) संकल्पना
४. घटक विश्लेषण आणि पुस्तक विश्लेषण

घटक ४ : शिक्षण संसाधन आणि भाषा शिक्षक
१. शिक्षण संसाधन (हस्तपुस्तिका, कार्यपुस्तिका)- संकल्पना, गरज, महत्व आणि गुणदोष.
२. प्रभावी मराठी शिक्षकाची गुणवैशिष्ट्ये.
३. सेवारत मराठी भाषा शिक्षकाच्या व्यावसायिक विकासासाठी -सेवा प्रशिक्षण कार्यक्रम / संमेलने / सेमिनार / कार्यशाळा इत्यादीचे महत्व.
४. मराठी भाषा शिक्षकाच्या व्यावसायिक विकासासाठी कार्यरत संस्थाचे महत्व : एन.सी.ई.आर.टी (NCERT), एस.सी.ई.आर.टी.(SCERT), जिल्हा शिक्षण व प्रशिक्षण संस्था (DIET).

सत्रकार्य:
१.घटक चाचणी (२)

२.पावर पाईण्ट प्रेसझेन्टशन आधारित पाठ नियोजनाचा विकास.
३.आयसीटी आधारित शैक्षणिक साहित्याचा विकास : रेखिय, शाखीय, मेथेटीक्स प्रोग्राम.
४. निर्धारित विषयावर स्वाध्याय व प्रस्तुतीकरण.

कार्य पद्धती :

१. वैयक्तिकआणि सामूहिकरीत्या निवडक विषयावर विद्यार्थ्यांचे सेमिनार सादरीकरण
२. लक्ष केंद्रित गट चर्चा
३. सांघिक अध्यापन
४. केस स्टडी

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:
(Course Learning Outcomes)

1. इस पाठ्यक्रम का अध्ययन कर अध्येता शिक्षा का अंतरानुशासनिक अध्ययन के क्षेत्र के रूप में प्रत्यक्षीकरण कर सकेंगे|

2. वे विद्यालय पाठ्यक्रम में सम्मिलित विभिन्न विषयों के सामाजिक-राजनीतिक तथा एतिहासिक परिप्रेक्ष्य का आलोचनात्मक विश्लेषण कर सकेंगे|

3. वे इन विषयों की प्रकृति एवं विद्यालय पाठ्यचर्या में इन विषयों की भूमिका तथा लोक जीवन में इनके महत्त्व एवं आवश्यकता को समझ सकेंगे|

4. वे इन विषयों के अंतर्संबंध एवं अंतरनिर्भरता तथा विद्यालय पाठ्यचर्या में इनके सापेक्षिक स्थान पर संप्रत्यात्मक, प्रायोगिक तथा अकादमिक दृष्टिकोण से विचारशील चिंतन कर सकेंगे (विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा,साथ ही पाठ्यचर्या संपूर्ण पाठ्यक्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)**			**कुल घंटे**	**कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)**
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल** (यदि अपेक्षित हैं)	**संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..**(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	गद्य शिक्षण पध्दती पद्य शिक्षण पध्दती व्याकरण शिक्षण पध्दती रचनात्मक शिक्षण पद्धती	**4**			**4**	**13.33**
मॉड्यूल-2	नियोजनाचा अर्थ स्वरूप, महत्व आणि आवश्यकता। नियोजनाचे प्रकार वार्षिक नियोजन घटक नियोजन (पाठ	**4**			**4**	**13.33**

	नियोजन					
मॉड्यूल-3	शिक्षण कौशल्य : प्रस्तावना, स्पष्टीकरण, प्रश्नकौशल्य, चेतक बदल कौशल्य, फलक लेखन कौशल्य.	**3**			**3**	**10.00**
मॉड्यूल-4	घटक चाचणीची निर्मिती. सतत एवं सर्वंकष मुल्यांकन (CCE),त्याच्या प्रक्रिया, मूल्यांकन स्वरूप (SA, FA), अहवाल.	**4**			**4**	**13.33**
मॉड्यूल-5	परीक्षा पद्धती – अर्थ, प्रकार, गुणदोष. मुक्त पुस्तक परीक्षा आणि मुक्त मूल्यांकन (OTBA) संकल्पना	**3**			**3**	**10.00**
मॉड्यूल-6	घटक विश्लेषण आणि पुस्तक विश्लेषण	**2**			**2**	**6.66**
मॉड्यूल-7	शिक्षण संसाधन (हस्तपुस्तिका, कार्यपुस्तिका)- संकल्पना, गरज, महत्व आणि गुणदोष.	**2**			**2**	**6.66**
मॉड्यूल-8	प्रभावी मराठी शिक्षकाची गुणवैशिष्ट्ये. सेवारत मराठी भाषा शिक्षकाच्या व्यावसायिक विकासासाठी -सेवा प्रशिक्षण कार्यक्रम / संमेलने / सेमिनार / कार्यशाळा इत्यादीचे महत्व.	**5**			**5**	**16.66**
मॉड्यूल -9	मराठी भाषा शिक्षकाच्या व्यावसायिक विकासासाठी कार्यरत संस्थाचे महत्व : एन.सी.ई.आर.टी (NCERT),	**3**			**3**	**10.00**

	एस.सी.ई.आर.टी.(SCERT), जिल्हा शिक्षण व प्रशिक्षण संस्था (DIET).					
योग		**30**			**30**	**100**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अधिगम	विद्यार्थी केंद्रित निर्माणवादी
विधियाँ	व्याख्यान, प्रदत्त कार्य, वैयक्तिक एवं सामूहिक प्रस्तुति
तकनीकी	कंप्यूटर सहायक तकनीकी, ई-कंटेंट,
उपादान	प्रदत्त कार्य,स्व-अध्ययन सामाग्री

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगमपरिणाममैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
1. अध्येता शिक्षण व्यवसाय के मूल्यों के अनुरूप अभ्यास कर पाएंगे।	**X**	**X**	**X**					
2. वे अपने निर्णय व्यवहार और अभ्यास के द्वारा शिक्षण व्यवसाय के लिए निर्धारित कसौटियों का पूर्ण पालन करेंगे।	**X**		**X**	**X**				
3. वे विद्यार्थियों के समग्र विकास की परिकल्पना को समझेंगे और तदनुरुप वे शिक्षार्थी केंद्रित शिक्षण विधियों का प्रभावपूर्ण प्रयोग करने में सक्षम होंगे।	**X**	**X**		**X**				
4. वे ऐसे शोध उन्मुख कार्य कर सकेंगे जो शिक्षा और समाज के संबंध को समझने में मदद करें।	**X**	**X**		**X**				
5. वे समसामयिक सूचना प्रौद्योगिकी एवं अन्य तकनीकों के माध्यम से प्रभाव प्रशिक्षण के लिए	**X**		**X**	**X**				

तत्पर रहेंगे।								
6. उनमें संप्रेषण की समुचित दक्षता होगी जिसके द्वारा वे अपने विचारों को प्रभावपूर्ण संप्रेषण करने में दक्ष होंगे।	X		X	X				
7. वे समुदाय के साथ अंतः क्रिया के दौरान सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के प्रति समनुभूति का भाव रखेंगे।	X	X		X				
8. वे शिक्षण और आकलन की समसामयिक तक नीतियों की विशेष जानकारी रखेंगे और उसके अनुरूप उसका अभ्यास करेंगे।	X		X	X				
9. वे विद्यार्थियों में व्याप्त विविधता का सम्मान करते हुए उसके समावेशन की ओर उन्मुख होंगे।	X	X	X	X				
10. वे क्षेत्र, जाति, संप्रदाय , जेंडर आदि की विविधताओं का शिक्षण और अन्य दायित्वों में समावेशन का प्रयास करेंगे।	X	X		X				

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।
#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदनलेखन	
निर्धारित अंक/प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य सामाग्री	विवरण (APAFormat में)
1	**आधार/पाठ्य-ग्रंथ**	अकोलकर, ग. वि. आणि पाटणकर, ना. वि., (1970), "मराठीचे अध्यापन", पुणे, व्हीनस प्रकाशन इंदुरकर, कल्याणी, (1998), "मराठीचे अध्यापन", नागपूर, मंगेश प्रकाशन. करंदीकर, सुरेश आणि मंगरूळकर, मीना, (2004), "मराठी – आशय अध्यापन पद्धति", पुणे, फडके प्रकाशन. कुंडले, म. बा., (1974), "मराठीचे अध्यापन", पुणे, विद्या प्रकाशन. घोरमोडे, कला, (2008), "मराठी अध्यापन पद्धती", नागपूर, विद्या प्रकाशन. पवार, ना. ग., (2006) "मातृभाषा मराठीचे आशयुक्त अध्यापन", पुणे, नित्य नूतन प्रकाशन.
2	**संदर्भ-ग्रंथ**	Piaget, J. (1926). Language and Thought of the Child. London: Routledge & Kegan Paul . गुप्त, मनोरमा – भाषा अधिगम, केंद्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा गुनानंद हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास – विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा द्विवेदी, देवीशंकर – भाषा और भाषिकी, भाषा विज्ञान विभाग- -सागर वि वि., सागर पांडेय, रामाशकल – हिंदी शिक्षण, अग्रवाल पब्लिकेशन, आगरा चतुर्वेदी, शिखा – हिन्दी शिक्षण, आर लाल बुक डिपो., मेरठ शर्मा, देवेन्द्रनाथ – भाषा विज्ञान की भूमिका, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली तीवारी, भोलानाथ, भाषा विज्ञान, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणासी
3	**ई-संसाधन**	http://www.mgahv.in/Pdf/Dist/gen/shiksha_002_16_03_16.Pdf
4	**अन्य**	

(विभागाध्यक्ष / निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

चतुर्थ सेमेस्टर

1. पाठ्यचर्या का नाम. गांधी एवं शिक्षा (Gandhi and Eduaction)
(Name of the Course).

2.पाठ्यचर्या का कोड. बीईडी 010
(Code of the Course).

3. क्रेडिट: **2. सेमेस्टर:** चतुर्थ
(Credit) **(Semester)**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	**30**
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	00
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	0**0**
कौशल विकास गतिविधियाँ	00
कुल क्रेडिटघंटे	30

5. पाठ्यचर्या विवरण:
(Description of Course)

इकाई 1: गाँधी दर्शन

- महात्मा गाँधी का जीवन दर्शन
- विभिन्न व्यक्तियों का गाँधी जी के विचारों पर प्रभाव- गोखले, कस्तूरबा, पुतलीबाई, रस्किन, टालस्टाय
- गाँधी जी के सामाजिक विचार की मुख्य विशेषताएं
- साउथ अफ्रीका में किये गए प्रयोग- फीनिक्स सेटलमेंट, टालस्टाय फार्म

इकाई 2: गाँधी जी के विचारों की मूल अवधारणा

- सत्य, अहिंसा, साधन और साध्य की पवित्रता, सत्य की अवधारणा
- ईश्वर की अवधारणा, वर्तमान समय में गाँधी जी के विचारों की प्रासंगिकता

इकाई 3: बुनियादी शिक्षा

- बुनियादी शिक्षा: अवधारणा, अन्तर्निहित मान्यताएं, पृष्ठभूमि एवं विकास
- वर्धा समिति, कार्यात्मक साक्षरता, वयस्क शिक्षा
- नई सामाजिक व्यवस्था के लिए शिक्षा, सामुदायिक विकास
- ग्रामीण विकास में गाँधी जी के विचारों का योगदान

इकाई 4: बुनियादी शिक्षा की पाठ्यचर्या

- बुनियादी शिक्षा की पाठ्यचर्या: विश्लेषण एवं समीक्षा
- उद्देश्य, संरचना, ज्ञान निर्माण की प्रक्रिया
- बुनियादी विद्यालय- संगठनात्मक स्वरुप, कार्यप्रणाली, समुदाय के साथ संबंध
- बुनियादी विद्यालय में शिक्षक की भूमिका
- वर्तमान परिप्रेक्ष्य में बुनियादी शिक्षा की प्रासंगिकता

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

(Course Learning Outcomes)

1. महात्मा गांधी के विचारों के आलोक में शिक्षा के लक्ष्यों की विवेचना करने में समर्थ होंगे।
2. बुनियादी शिक्षा के सिद्धांतों की प्रासंगिकता की व्याख्या कर पाएंगे।
3. बुनियादी शिक्षा के निहितार्थों को पाठयचर्या और शिक्षण के अनुप्रयोग से जोड़ पाएंगे।
4. गांधीवादी विचारों की मूल अवधारणाओं को समझ पाएंगे ।
5. शिक्षा संबंधी अन्य गांधीवादी मॉडलों से गांधीवादी शिक्षा मॉडल की तुलना कर सकेंगे।

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या संपूर्ण पाठ्यक्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of theCourse)

मॉड्यूल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)**			**कुल घंटे**	**कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)**
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल** (यदि अपेक्षित हैं)	**संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..**(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	महात्मा गाँधी का जीवन दर्शन	**1**			**1**	**3.33**
मॉड्यूल-2	विभिन्न व्यक्तियों का गाँधी जी के विचारों पर प्रभाव- गोखले, कस्तूरबा, पुतलीबाई, रस्किन, टालस्टाय	**3**			**3**	**10**
मॉड्यूल-3	गाँधी जी के सामाजिक विचार की मुख्य विशेषताएं	**2**			**2**	**6.67**
मॉड्यूल-4	साउथ अफ्रीका में किये गए प्रयोग- फीनिक्स सेटलमेंट, टालस्टाय फार्म	**2**			**2**	**6.67**
मॉड्यूल-5	सत्य, अहिंसा, साधन और साध्य की पवित्रता, सत्य की अवधारणा	**2**			**2**	**6.67**

मॉड्यूल-6	ईश्वर की अवधारणा, वर्तमान समय में गाँधी जी के विचारों की प्रासंगिकता	**2**			**2**	**6.67**
मॉड्यूल-7	बुनियादी शिक्षा: अवधारणा, अन्तर्निहित मान्यताएं, पृष्ठभूमि एवं विकास	**3**			**3**	**10**
मॉड्यूल-8	वर्धा समिति, कार्यात्मक साक्षरता, वयस्क शिक्षा	**2**			**2**	**6.67**
मॉड्यूल-9	नई सामाजिक व्यवस्था के लिए शिक्षा, सामुदायिक विकास	**3**			**3**	**10**
मॉड्यूल -10	ग्रामीण विकास में गाँधी जी के विचारों का योगदान	**3**			**3**	**10**
मॉड्यूल -11	बुनियादी शिक्षा की पाठ्यचर्या: विश्लेषण एवं समीक्षा	**2**			**2**	**6.67**
मॉड्यूल -12	बुनियादी शिक्षा : उद्देश्य, संरचना, ज्ञान निर्माण की प्रक्रिया	**1**			**1**	**3.33**
मॉड्यूल -13	बुनियादी विद्यालय-संगठनात्मक स्वरुप, कार्यप्रणाली, समुदाय के साथ संबंध	**2**			**2**	**6.67**
मॉड्यूल -14	बुनियादी विद्यालय में शिक्षक की भूमिका	**1**			**1**	**3.33**
मॉड्यूल -15	वर्तमान परिप्रेक्ष्य में बुनियादी शिक्षा की प्रासंगिकता	**1**			**1**	**3.33**
3.योग		**30**			**30**	**100**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में **0**1 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अधिगम	विद्यार्थी केंद्रित निर्माणवादी
विधियाँ	व्याख्यान, प्रदत्तकार्य, वैयक्तिक एवं सामूहिक प्रस्तुति
तकनीकी	कंप्यूटर सहायक तकनीकी, ई-कंटेंट,
उपादान	प्रदत्त कार्य, स्व-अध्ययन सामग्री

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स :
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
1. अध्येता शिक्षण व्यवसाय के मूल्यों के अनुरूप अभ्यास कर पाएंगे।	**X**							
2. वे अपने निर्णय व्यवहार और अभ्यास के द्वारा शिक्षण व्यवसाय के लिए निर्धारित कसौटियों का पूर्ण पालन करेंगे।	**X**			**X**				
3. वे विद्यार्थियों के समग्र विकास की परिकल्पना को समझेंगे और तदनुरूप वे शिक्षार्थी केंद्रित शिक्षण विधियों का प्रभावपूर्ण प्रयोग करने में सक्षम होंगे।	**X**		**X**					
4. वे ऐसे शोध उन्मुख कार्य कर सकेंगे जो शिक्षा और समाज के संबंध को समझने में मदद करें।			**X**		**X**			
5. वे समसामयिक सूचना प्रौद्योगिकी एवं अन्य तकनीकों के माध्यम से प्रभाव प्रशिक्षण के लिए तत्पर रहेंगे।								
6. उनमें संप्रेषण की समुचित दक्षता होगी जिसके द्वारा वे अपने विचारों को प्रभावपूर्ण संप्रेषण करने में दक्ष होंगे।		**X**						
7. वे समुदाय के साथ अंतः क्रिया के दौरान सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के प्रति समानुभूति का भाव रखेंगे।				**X**				
8. वे शिक्षण और आकलन की समसामयिक तक नीतियों की विशेष जानकारी रखेंगे और उसके अनुरूप उसका अभ्यास करेंगे।								
9. वे विद्यार्थियों में व्याप्त विविधता का सम्मान करते हुए उसके समावेशन की ओर उन्मुख होंगे।				**X**				
10. वे क्षेत्र, जाति, संप्रदाय, जेंडर आदि की विविधताओं का शिक्षण और अन्य दायित्वों में समावेशन का प्रयास करेंगे।				**X**				

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।
#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य सामाग्री**	**विवरण (APAFormat में)**
1	**आधार/पाठ्य-ग्रंथ**	▪ गांधी, मो.क. (2012). सत्य के प्रयोग अथवा आत्मकथा (त्रिवेदी, काशीनाथ, अनुवादक).अहमदाबाद : नवजीवन प्रकाशन मंदिर ▪ गांधीजी. (2012). हिंद स्वराज (नणावती, अमृतलाल ठाकोरदास, अनुवादक). अहमदाबाद : नवजीवन प्रकाशन मंदिर ▪ गांधीजी. (2014). रचनात्मक कार्यक्रम उसका रहस्य और स्थान (त्रिवेदी, काशीनाथ, अनुवादक). अहमदाबाद : नवजीवन प्रकाशन मंदिर

		▪ गांधीजी. (1958). नई तालीम की ओर (कुमारप्पा, भारतन्, संपादक). अहमदाबाद : नवजीवन प्रकाशन मंदिर ▪ गांधीजी. (2015). ग्राम स्वराज (व्यास हरीशंकर, संग्राहक). नवजीवन प्रकाशन मंदिर
2	**संदर्भ-ग्रंथ**	▪ पचौरी, गिरीश.(2015). विश्व के महान शिक्षाशास्त्री. मेरठ : आर.लाल बुक डिपो ▪ लाल, रमन बिहारी व पलोड़, सुनीता.(2010). शैक्षिक चिंतन एवं प्रयोग. मेरठ : आर. लाल बूक डिपो ▪ मोदी, नृपेन्द्र प्रसाद. (2016). गांधी का समर्थ भारत. दिल्ली : के के पब्लिकेशंस
3	**ई-संसाधन**	
4	**अन्य**	

(विभागाध्यक्ष / निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

2. पाठ्यचर्या का नाम. शैक्षिक निर्देशन एवं परामर्श

(Name of the Course).

2.पाठ्यचर्या का कोड. बीईडी 03
(Code of the Course).

3. **क्रेडिट**: **4. सेमेस्टर:** चतुर्थ
(Credit) **(Semester)**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	60
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	00
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	00
कौशल विकास गतिविधियाँ	00
कुल क्रेडिटघंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण:
(Description of Course)
इकाई 1: संकल्पना निर्देशन

- निर्देशन का स्वरुप और विस्तार
- संकल्पना मार्गदर्शन: शैक्षिक निर्देशन, व्यावसायिक और व्यक्तिगत निर्देशन की आवश्यकता
- राष्ट्रीय विकास के लिए निर्देशन, निर्देशन की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, उद्देश्य एवं सिद्धांत
- बुद्धि, उपलब्धि, योग्यता, व्यक्तित्व का तकनीकी टेस्ट
- संचयी रिकॉर्ड, वास्तविक रिकॉर्ड, केस स्टडी, साक्षात्कार, सामाजिक तकनीक

इकाई 2: व्यावसायिक निर्देशन

- व्यावसायिक निर्देशन: तैयारी, नियुक्ति और अनुवर्ती व्यावसायिक जानकारी संग्रह
- विभिन्न पाठ्यक्रमों और व्यवसायों के बारे में जानकारी
- शिक्षण सुविधाओं और रोजगार के अवसर
- रोजगार के पैटर्न विश्लेषण और कैरियर प्रोफाइल: व्यक्तिगत और समूह मार्गदर्शन

इकाई 3: समायोजन निर्देशन

- समायोजन निर्देशन संकल्पना
- समायोजन परियोजनाओं और अपसमयोजन की पहचान

इकाई 4: परामर्श

- परामर्श- संकल्पना, विभिन्न परामर्श सिद्धांत और तकनीक
- परामर्श के लिए साक्षात्कार की आवश्यकता
- हाल की प्रवृत्तियों और मार्गदर्शन में शोध परामर्श विधियाँ
- परामर्श और निर्देशन में अंतर
- विद्यालयों में परामर्श और निर्देशन, दुर्बल छात्रों के लिए परामर्श

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:
(Course Learning Outcomes)

1. अध्येता शिक्षक की भूमिका में अपने विद्यार्थियों को परामर्श और मार्गदर्शन देने में समर्थ होंगे।
2. वे विद्यालय में विद्यार्थियों के समायोजन में परामर्श दे सकेंगे।
3. वे व्यवसाय चयन में मार्गदर्शन कर सकेंगे।
4. वे निर्देशन और परामर्श के विभिन्न विषयों की सैद्धांतिक समझ को अपने शिक्षण में स्थान दे सकेंगे।
5. वे विद्यार्थियों के स्व के सकारात्मक विकास में मदद कर सकेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	निर्देशन का स्वरुप और विस्तार संकल्पना मार्गदर्शन: शैक्षिक निर्देशन, व्यावसायिक और व्यक्तिगत निर्देशन की आवश्यकता	**5**			**5**	**8.33**
मॉड्यूल-2	राष्ट्रीय विकास के लिए निर्देशन, निर्देशन की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, उद्देश्य एवं सिद्धांत	**3**			**3**	**5**
मॉड्यूल-3	बुद्धि, उपलब्धि, योग्यता, व्यक्तित्व का तकनीकी टेस्ट	**2**			**2**	**3.33**
मॉड्यूल-4	संचयी रिकॉर्ड, वास्तविक रिकॉर्ड, केस स्टडी,	**5**			**5**	**8.33**

	साक्षात्कार, सामाजिक तकनीक					
मॉड्यूल-5	व्यावसायिक निर्देशन: तैयारी, नियुक्ति और अनुवर्ती व्यावसायिक जानकारी संग्रह	**5**			**5**	**8.33**
मॉड्यूल-6	विभिन्न पाठ्यक्रमों और व्यवसायों के बारे में जानकारी	**2**			**2**	**3.33**
मॉड्यूल-7	शिक्षण सुविधाओं और रोजगार के अवसर	**3**			**3**	**5**
मॉड्यूल-8	रोजगार के पैटर्न विश्लेषण और कैरियर प्रोफाइल: व्यक्तिगत और समूह मार्गदर्शन	**5**			**5**	**8.33**
मॉड्यूल-9	समायोजन निर्देशन संकल्पना	**7**			**7**	**11.67**
मॉड्यूल -10	समायोजन परियोजनाओं और अपसमयोजन की पहचान	**8**			**8**	**13.34**
मॉड्यूल -11	परामर्श- संकल्पना, विभिन्न परामर्श सिद्धांत और तकनीक	**3**			**3**	**5**
मॉड्यूल -12	परामर्श के लिए साक्षात्कार की आवश्यकता	**3**			**3**	**5**
मॉड्यूल -13	हाल की प्रवृत्तियों और मार्गदर्शन में शोध परामर्श विधियाँ	**3**			**3**	**5**
माड्यूल-14	परामर्श और निर्देशन में अंतर	**3**			**3**	**5**
माड्यूल-15	विद्यालयों में परामर्श	**3**				

	और निर्देशन, दुर्बल छात्रों के लिए परामर्श				3	5
योग		**60**			**60**	**100**

टिप्पणी:

3. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
4. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अधिगम	विद्यार्थी केंद्रित निर्माणवादी
विधियाँ	व्याख्यान, प्रदत्तकार्य, वैयक्तिक एवं सामूहिक प्रस्तुति
तकनीकी	कंप्यूटर सहायक तकनीकी, ई-कंटेंट,
उपादान	प्रदत्त कार्य, स्व-अध्ययन सामाग्री

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स :
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
1. अध्येता शिक्षण व्यवसाय के मूल्यों के अनुरूप अभ्यास कर पाएंगे।	**X**							
2. वे अपने निर्णय व्यवहार और अभ्यास के द्वारा शिक्षण व्यवसाय के लिए निर्धारित कसौटियों का पूर्ण पालन करेंगे।								
3. वे विद्यार्थियों के समग्र विकास की परिकल्पना को समझेंगे और तदनुरूप वे शिक्षार्थी केंद्रित शिक्षण विधियों का प्रभावपूर्ण प्रयोग करने में सक्षम होंगे।	**X**	**X**		**X**	**X**			
4. वे ऐसे शोध उन्मुख कार्य कर सकेंगे जो शिक्षा और समाज के संबंध को समझने में मदद करें।			**X**					
5. वे समसामयिक सूचना प्रौद्योगिकी एवं अन्य तकनीकों के माध्यम से प्रभाव प्रशिक्षण के लिए तत्पर रहेंगे।								
6. उनमें संप्रेषण की समुचित दक्षता होगी जिसके द्वारा वे अपने विचारों को प्रभावपूर्ण संप्रेषण करने में दक्ष होंगे।								
7. वे समुदाय के साथ अंतःक्रिया के दौरान सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि	**X**							

के प्रति समानुभूति का भाव रखेंगे।								
8. वे शिक्षण और आकलन की समसामयिक तक नीतियों की विशेष जानकारी रखेंगे और उसके अनुरूप उसका अभ्यास करेंगे।								
9. वे विद्यार्थियों में व्याप्त विविधता का सम्मान करते हुए उसके समावेशन की ओर उन्मुख होंगे।	X	X			X			
10. वे क्षेत्र, जाति, संप्रदाय , जेंडर आदि की विविधताओं का शिक्षण और अन्य दायित्वों में समावेशन का प्रयास करेंगे।		X						

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।
#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य सामाग्री	विवरण (APAFormat में)
1	**आधार/पाठ्य-ग्रंथ**	▪ राय, अमरनाथ व अस्थाना, मधु. (2017). निर्देशन एवं परामर्शन. वाराणसी : मोतीलाल बनारसीदास ▪ सुलेमान, मोहम्मद.(2014). उच्चतर शिक्षा मनोविज्ञान. दिल्ली : मोतीलाल बनारसीदास
2	**संदर्भ-ग्रंथ**	▪ सिंह, अरुण कुमार.(2017). मनोविज्ञान समाजशास्त्र तथा शिक्षा में शोध विधियाँ. दिल्ली : मोतीलाल बनारसीदास ▪ गुप्ता, एस.पी. व गुप्ता, अल्का .(2017). उच्चतर शिक्षा मनोविज्ञान सिद्धांत एवं व्यवहार. इलाहाबाद : शारदा पुस्तक भवन
3	**ई-संसाधन**	▪ http://www.mgahv.in/Pdf/Dist/gen/bed_4sem_042_24_04_17.Pdf ▪ http://www.uou.ac.in/sites/default/files/slm/MAED-201.pdf ▪ http://mpbou.edu.in/slm/B.Ed_SLM/bed02_18_b1_unit-2.pdf
4	**अन्य**	

1.पाठ्यचर्या का नाम.आपदा प्रबंधन एवं शिक्षा (Disaster Management and Education)
(Name of the Course).

2.पाठ्यचर्या का कोड. बीईडी 03
(Code of the Course).

3. **क्रेडिट**: **4. सेमेस्टर:** चतुर्थ
(Credit) **(Semester)**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	60
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	00
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	00
कौशल विकास गतिविधियाँ	00
कुल क्रेडिटघंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण:
(Description of Course)

इकाई 1: आपदा का परिचय

- आपदा की परिभाषा और प्रकार
- विभिन्न आपदाओं के कारण और उनके प्रभाव
- आपदा प्रबंधन चक्र
- अधिनियम और आपदा के कानूनी पहलू

इकाई 2: आपदा की स्थिति के लिए तैयारी

- आपदा तैयारियां: व्यक्तिगत, बहुमंजिली इमारतों वाली सोसायटी या स्वतंत्र मकान के एक समूह
- आपदा शमन के उपाय, कार्य स्थल, संसाधन उपलब्धता
- नियंत्रण केंद्र की स्थापना, बचाव दल बनाना और उसकी तैनाती, हताहत लोगों के लिए समुचित व्यवस्था, दुर्घटना ग्रस्त लोगों का दुर्घटना स्थल से निकास
- मेडिकल टीमों की व्यवस्था

इकाई 3: आपदा से बचाव और राहत

- आपदा से बचाव: आपदा से बचाव का सिद्धांत
- बचाव प्रक्रिया, आपदा की स्थिति में राहत कार्य
- तत्काल राहत योजना, राहत कार्य का निष्पादन, राहत कार्य का सर्वेक्षण पक्ष

इकाई 4: आपदा प्रबंधन के लिए शिक्षा

- विद्यालयों में आपदा प्रबंध शिक्षा
- आपदा प्रबंध शिक्षा के उद्देश्य, आपदा प्रबंध शिक्षा का महत्त्व
- विद्यालयों की सुरक्षा, आपदा प्रबंध की जानकारी एवं प्रात्यक्षिक कार्य

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

(Course Learning Outcomes)

1. अध्येता आपदा प्रबंधन की आवश्यकता को संप्रेषित कर सकेगें।
2. वे विद्यार्थियों में आपदा प्रबंधन के बारे में जागरूकता फैला सकेगें।
3. वे राहत कार्यों के तरीकों को प्रसारित कर सकेगें।
4. वे विद्यालय में आपदा से निपटने की विधियों को जान पाएंगे।
5. वे भविष्य में विद्यालयी आपदा से निपटने में इस जानकारी का उपयोग कर सकेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of theCourse)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	आपदा की परिभाषा और प्रकार	**5**			**5**	**8.33**
मॉड्यूल-2	विभिन्न आपदाओं के कारण और उनके प्रभाव	**5**			**5**	**8.33**
मॉड्यूल-3	आपदा प्रबंधन चक्र	**2**			**2**	**3.33**
मॉड्यूल-4	अधिनियम और आपदा के कानूनी पहलू	**3**			**3**	**5**
मॉड्यूल-5	आपदा तैयारियां : व्यक्तिगत , बहुमंजिली इमारतों वाली सोसायटी या स्वतंत्र मकान के एक समूह	**3**			**3**	**5**

मॉड्यूल-6	आपदा शमन के उपाय, कार्य स्थल, संसाधन उपलब्धता	**2**			**2**	**3.33**
मॉड्यूल-7	आपदा की स्थिति में : नियंत्रण केंद्र की स्थापना, बचाव दल बनाना और उसकी तैनाती,	**5**			**5**	**8.33**
मॉड्यूल-8	आपदा की स्थिति में : हताहत लोगों के लिए समुचित व्यवस्था, दुर्घटना ग्रस्त लोगों का दुर्घटना स्थल से निकास	**4**			**4**	**6.67**
मॉड्यूल-9	मेडिकल टीमों की व्यवस्था	**1**			**1**	**1.67**
मॉड्यूल -10	आपदा से बचाव: आपदा से बचाव का सिद्धांत	**5**			**5**	**8.33**
मॉड्यूल -11	बचाव प्रक्रिया, आपदा की स्थिति में राहत कार्य	**5**			**5**	**8.33**
मॉड्यूल -12	तत्काल राहत योजना, राहत कार्य का निष्पादन, राहत कार्य का सर्वेक्षण पक्ष	**5**			**5**	**8.33**
मॉड्यूल -13	विद्यालयों में आपदा प्रबंध शिक्षा	**4**			**4**	**6.67**

माड्यूल-14	आपदा प्रबंध शिक्षा के उद्देश्य, आपदा प्रबंध शिक्षा का महत्त्व	**6**			**6**	**10**
माड्यूल-15	विद्यालयों की सुरक्षा, आपदा प्रबंध की जानकारी एवं प्रात्यक्षिक कार्य	**5**			**5**	**8.33**
योग		**60**			**60**	**100**

टिप्पणी:

3. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
4. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अधिगम	विद्यार्थी केंद्रित निर्माणवादी
विधियाँ	व्याख्यान, प्रदत्तकार्य, वैयक्तिक एवं सामूहिक प्रस्तुति
तकनीकी	कंप्यूटर सहायक तकनीकी, ई-कंटेंट,
उपादान	प्रदत्त कार्य, स्व-अध्ययन सामाग्री

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स :
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
1. अध्येता शिक्षण व्यवसाय के मूल्यों के अनुरूप अभ्यास कर पाएंगे।					X			
2. वे अपने निर्णय व्यवहार और अभ्यास के द्वारा शिक्षण व्यवसाय के लिए निर्धारित कसौटियों का पूर्ण पालन करेंगे।	X		X		X			
3. वे विद्यार्थियों के समग्र विकास की परिकल्पना को समझेंगे और तदनुरूप वे शिक्षार्थी केंद्रित शिक्षण विधियों का प्रभावपूर्ण प्रयोग करने में सक्षम होंगे।								
4. वे ऐसे शोध उन्मुख कार्य कर सकेंगे जो शिक्षा और समाज के संबंध को समझने में मदद करें।								
5. वे समसामयिक सूचना प्रौद्योगिकी एवं अन्य तकनीकों के माध्यम से प्रभाव प्रशिक्षण के लिए तत्पर रहेंगे।	X	X			X			
6. उनमें संप्रेषण की समुचित दक्षता होगी जिसके द्वारा वे अपने विचारों को प्रभावपूर्ण संप्रेषण करने में दक्ष होंगे।		X		X				
7. वे समुदाय के साथ अंतः क्रिया के दौरान सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के प्रति समानुभूति का भाव रखेंगे।								
8. वे शिक्षण और आकलन की समसामयिक तक नीतियों की विशेष जानकारी रखेंगे और उसके अनुरूप उसका अभ्यास करेंगे।								
9. वे विद्यार्थियों में व्याप्त विविधता का सम्मान करते हुए उसके समावेशन की ओर उन्मुख होंगे।								
10. वे क्षेत्र, जाति, संप्रदाय , जेंडर आदि की विविधताओं का शिक्षण और अन्य दायित्वों में समावेशन का प्रयास करेंगे।								

टिप्पणी:

3. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
4. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।
#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ
(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य सामाग्री**	**विवरण (APA Format में)**
1	**आधार/पाठ्य-ग्रंथ**	▪ मिश्र, शिवगोपाल.(2011). आपदा प्रबंधन. साहित्य प्रकाशन ▪ सिंह, उदयभान व कुमार, अमन.(2018). भारत की आंतरिक सुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन. दिल्ली. प्रभात प्रकाशन

2	**संदर्भ-ग्रंथ**	▪ टावरी, कमाल. (2006).आपदा प्रबंधन एवं पंचायती राज सशक्तिकरण. दिल्ली : कान्सैप्ट पब्लिशिंग ▪ पाठक, उमा. (2009). आपदा प्रबंधन. दिल्ली: अग्नि प्रकाशन
3	**ई-संसाधन**	▪ https://www.preventionweb.net/files/3442_DisasterEducation.pdf ▪ http://gpss.vizzuality.com/assets/resources/disaster_risk_reduction_in_education_in_emergencies.pdf
4	**अन्य**	

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

1.पाठ्यचर्या का नाम. मानवाधिकार एवं शांति शिक्षा (Human Rights & Peace Education)
(Name of the Course).

2.पाठ्यचर्या का कोड. बीईडी 03
(Code of the Course).

3. **क्रेडिट**: 44. **सेमेस्टर:** चतुर्थ
(Credit) **(Semester)**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	60
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	00
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	00
कौशल विकास गतिविधियाँ	00
कुल क्रेडिटघंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण:
(Description of Course)

इकाई 1: मानवाधिकार की अवधारणा

- मानवाधिकार का अर्थ, व्यापकता, प्रकृति, क्षेत्र
- मानवाधिकार: सामाजिक, सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक संदर्भ
- मानवाधिकार की आवश्यकता एवं समकालीन परिदृश्य
- स्त्री, दलित, समाज के वंचित वर्ग एवं मानवाधिकार, बाल अधिकार
- मानवाधिकार को सुनिश्चित करने में चुनौतियाँ

इकाई 2: मानवाधिकार का नीतिगत परिप्रेक्ष्य

- मानवाधिकार के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हो रहे प्रयास
- मानवाधिकार के लिए अंतरराष्ट्रीय घोषणा पत्र, मानवाधिकार संबंधी घोषणा पत्र के मुख्य तत्व एवं विशेषता
- नागरिक अधिकार कानून, सामाजिक एवं सांस्कृतिक अधिकार कानून
- भारतीय संविधान की भूमिका, मानवाधिकार आयोग
- मानवाधिकार के स्थिरत्व में अंतरराष्ट्रीय संघटन

इकाई 3: शांति शिक्षा के सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य

- शांति शिक्षा का उद्भव एवं विकास
- ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में नकारात्मक एवं सकारात्मक शांति की अवधारणा
- स्त्री, दलित एवं शांति शिक्षा सांस्कृतिक समन्वय
- लोकतान्त्रिक मूल्य, धर्म निरपेक्षता एवं शांति शिक्षा

- शांति शिक्षा की चुनौतियाँ
- सामुदायिक एवं सांप्रदायिक संघर्ष

इकाई 4: शांति शिक्षा के दार्शनिक परिप्रेक्ष्य

- शांति शिक्षा के सन्दर्भ में महात्मा गाँधी, टैगोर, अरबिंदो, कृष्णमूर्ति एवं दलाई लामा के विचार
- शांति शिक्षा के संदर्भ में पाउलो फ्रेरे के विचार: क्रिटिकल कान्सशनेस के लिए शिक्षा
- शांति शिक्षा में समालोचनात्मक चेतना की विधियां, संवाद, जाँच पड़ताल और मुक्त्यात्मक शिक्षा
- शांति शिक्षा के प्रसार में विद्यालय शिक्षक की भूमिका

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:
(Course Learning Outcomes)

1. शिक्षार्थी विद्यालय परिवेश में मानवाधिकारों के महत्व की समझ विकसित कर सकेंगे।
2. शिक्षार्थी विद्यालय में मानवाधिकार और शांति के लिए शिक्षा से संबन्धित गतिविधियों की दक्षता का विकास कर सकेगें।
3. शिक्षार्थी मानवाधिकार और शांति के लिए शिक्षा से संबन्धित विभिन्न विचारकों के विचार संप्रेषित कर सकेगें।
4. शिक्षार्थी समकालीन समय में शांति की शिक्षा के प्रासंगिकता की व्याख्या कर सकेंगे।
5. वे भारतीय संस्कृति में निहित शांति, अहिंसा व सौहार्द को संप्रेषित करके अपनी समझ को विकसित कर सकेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of theCourse)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	मानवाधिकार का अर्थ, व्यापकता, प्रकृति, क्षेत्र	**3**			**3**	**5**
मॉड्यूल-2	मानवाधिकार: सामाजिक, सांकृतिक एवं ऐतिहासिक संदर्भ	**3**			**3**	**5**
मॉड्यूल-3	मानवाधिकार की आवश्यकता एवं	**3**				

	समकालीन परिदृश्य				3	5
मॉड्यूल-4	स्त्री, दलित, समाज के वंचित वर्ग एवं मानवाधिकार, बाल अधिकार	3			3	5
मॉड्यूल-5	मानवाधिकार को सुनिश्चित करने में चुनौतियाँ	3			3	5
मॉड्यूल-6	मानवाधिकार के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हो रहे प्रयास	2			2	3.33
मॉड्यूल-7	मानवाधिकार के लिए अंतरराष्ट्रीय घोषणा पत्र, मानवाधिकार संबंधी घोषणा पत्र के मुख्य तत्व एवं विशेषता	4			4	6.67
मॉड्यूल-8	नागरिक अधिकार कानून, सामाजिक एवं सांस्कृतिक अधिकार कानून	3			3	5
मॉड्यूल-9	भारतीय संविधान की भूमिका, मानवाधिकार आयोग	3			3	5
मॉड्यूल -10	मानवाधिकार के स्थिरत्व में अंतरराष्ट्रीय संघटन	3			3	5
मॉड्यूल -11	शांति शिक्षा का उद्भव एवं विकास,	5				

	ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में नकारात्मक एवं सकारात्मक शांति की अवधारणा				**5**	**8.33**
मॉड्यूल -12	स्त्री, दलित एवं शांति शिक्षा सांस्कृतिक समन्वय लोकतांत्रिक मूल्य, धर्म निरपेक्षता एवं शांति शिक्षा	**5**			**5**	**8.33**
मॉड्यूल -13	शांति शिक्षा की चुनौतियाँ सामुदायिक एवं सांप्रदायिक संघर्ष	**5**			**5**	**8.33**
माड्यूल-14	शांति शिक्षा के संदर्भ में महात्मा गाँधी, टैगोर, अरबिंदो, कृष्णमूर्ति एवं दलाई लामा के विचार	**4**			**4**	**6.67**
माड्यूल-15	शांति शिक्षा के संदर्भ में पाउलो फ्रेरे के विचार: क्रिटिकल कान्सशनेस के लिए शिक्षा	**4**			**4**	**6.67**
माड्यूल-16	शांति शिक्षा में समालोचनात्मक	**4**				

	चेतना की विधियां, संवाद, जाँच पड़ताल और मुक्त्यात्मक शिक्षा				**4**	**6.67**
माड्यूल-17	शांति शिक्षा के प्रसार में विद्यालय शिक्षक की भूमिका	**3**			**3**	**5**
योग		**60**			**60**	**100**

टिप्पणी:

5. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
6. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अधिगम	विद्यार्थी केंद्रित निर्माणवादी
विधियाँ	व्याख्यान, प्रदत्तकार्य, वैयक्तिक एवं सामूहिक प्रस्तुति
तकनीकी	कंप्यूटर सहायक तकनीकी, ई-कंटेंट,
उपादान	प्रदत्त कार्य, स्व-अध्ययन सामाग्री

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
11. अध्येता शिक्षण व्यवसाय के मूल्यों के अनुरूप अभ्यास कर पाएंगे।	X	X						
12. वे अपने निर्णय व्यवहार और अभ्यास के द्वारा शिक्षण व्यवसाय के लिए निर्धारित कसौटियों का पूर्ण पालन करेंगे।		X			X			
13. वे विद्यार्थियों के समग्र विकास की परिकल्पना को समझेंगे और तदनुरूप वे शिक्षार्थी केंद्रित शिक्षण विधियों का प्रभावपूर्ण प्रयोग करने में सक्षम होंगे।								
14. वे ऐसे शोध उन्मुख कार्य कर सकेंगे जो शिक्षा और समाज के संबंध को समझने में मदद करें।	X							
15. वे समसामयिक सूचना प्रौद्योगिकी एवं अन्य तकनीकों के माध्यम से प्रभाव प्रशिक्षण के लिए तत्पर रहेंगे।								
16. उनमें संप्रेषण की समुचित दक्षता होगी जिसके द्वारा वे अपने विचारों को प्रभावपूर्ण संप्रेषण करने में दक्ष होंगे।			X					
17. वे समुदाय के साथ अंतःक्रिया के दौरान सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के प्रति समनुभूति का भाव रखेंगे।	X			X	X			
18. वे शिक्षण और आकलन की समसामयिक तक नीतियों की विशेष जानकारी रखेंगे और उसके अनुरूप उसका अभ्यास करेंगे।								
19. वे विद्यार्थियों में व्याप्त विविधता का सम्मान करते हुए उसके समावेशन की ओर उन्मुख होंगे।	X							
20. वे क्षेत्र, जाति, संप्रदाय , जेंडर आदि की विविधताओं का शिक्षण और अन्य दायित्वों में समावेशन का प्रयास करेंगे।	X			X	X			

टिप्पणी:

5. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
6. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।
#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ
(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य सामाग्री**	**विवरण (APAFormat में)**
1	**आधार/पाठ्य-ग्रंथ**	▪ त्यागी, रचना. (2019). मानवाधिकार एवं विश्वशान्ति. मेरठ : उत्कर्ष प्रकाशन ▪ Harris, Ian M & Morrison, mary Lee. (2005). Peace Education. Macfarland ▪ Brantmeir, E.J, Lin, J & Miller J.P. (Ed.) (2010). Spirituality, Religion & Peace Education. IAP-Information Age Publication

		▪ Hantzopoulos, & Bajaj, M.(Ed.). (2016). Peace Education: International perspectives. Bloomsbury publishing
2	**संदर्भ-ग्रंथ**	▪ Baxi, Upendra, 'From Human Rights to the Right to be Human; Some Heresies', in UpendraBaxi (ed.) The Right to be Human, New Delhi: Lancer International ▪ Dennis Altman 2004, 'Sexuality and Globalization', Agenda: Empowering Women for Gender Equity, No. 62, African Feminisms Volume 2,1: Sexuality in Africa (2004), pp. 22-28: on behalf of Taylor & Francis, Ltd ▪ Ellen Messer, 1997, 'Pluralist Approaches to Human Rights' , Journal of Anthropological Research, Vol. 53, No. 3, Universal Human Rights versus Cultural Relativity (Autumn, 1997), pp. 293-317: University of New Mexico ▪ J. K. Patnaik, 2004, 'Human Rights : the concept and perspectives : a third world view', The Indian Journal of Political Science, Vol. 65, No. 4 (Oct.-Dec., 2004), pp. 499-514, Indian Political Science Association ▪ Kothari, Smitu, 1989, The Human Rights Movement In India: A crtical overview', in Smitu Kothari and Harsh Sethi (eds.) Rethinking Human Rights: Challenges for theory and action, New York: New Horizons Press and Delhi: Lokayan
3	**ई-संसाधन**	▪ http://www.mgahv.in/Pdf/Dist/gen/046_human_rites_and_piece_education_optional.Pdf ▪ http://www.bdu.ac.in/cde/docs/ebooks/B-Ed/II/PEACE%20EDUCATION.pdf
4	**अन्य**	

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

1.पाठ्यचर्या का नाम.निर्माणवादी ज्ञानमीमांसा एवं शिक्षाशास्त्र

(Name of the Course).

2.पाठ्यचर्या का कोड. 03

(Code of the Course).

3. **क्रेडिट**: 44**. सेमेस्टर: चतुर्थ**

(Credit) **(Semester)**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	60
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	00
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	00
कौशल विकास गतिविधियाँ	00
कुल क्रेडिटघंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण:

(Description of Course)

इकाई 1: **निर्माणवाद: संकल्पना और सिद्धांत**

- निर्माणवाद की संकल्पना, प्रकार और अनुप्रयोग
- जॉन ड्यूई, पियाजे, वायगोत्सकी, जोम्बतिस्ता विको, एम्यनुएल, ब्रूनर, ग्रेसर्फेल्ड, जर्जे का सिद्धांत

इकाई 2: निर्माणवादी ज्ञानमीमांसा

- निर्माणवाद का ज्ञानमीमांसीय दृष्टिकोण
- शिक्षा में नई दिशा
- निर्माणवाद के अनुसार ज्ञान की रचना
- निर्माणवादी शिक्षा के तत्व और सिद्धांत

इकाई 3: निर्माणवादी शिक्षाशास्त्र

- निर्माणवादी शिक्षा :प्रकृति, प्रक्रिया
- निर्माणवादी शिक्षा के तत्व
- निर्माणवादी कक्षा का निर्माण
- निर्माणवादी शिक्षक और उसकी भूमिका ,निर्माणवादी शैक्षणिक रणनीति
- निर्माणवादी आकलन: आवश्यकता और अनुप्रयोग

इकाई 4:निर्माणवाद और अध्यापक शिक्षा,सूचना एवं प्रौद्योगिकी

- अध्यापक शिक्षा में नया दृष्टिकोण

- शिक्षक के विचारों में बदलाव
- शिक्षक निर्माण की प्रक्रिया और कार्यक्रमों में सुधार
- सूचना एवं प्रोद्योगिकी में सुधार
- पाठ्यक्रम में निर्माणवाद की भूमिका एवं महत्व
- पारंपरिक सूचना और प्रौद्योगिकी के निर्माण में निर्माणवाद की भूमिका

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:
(Course Learning Outcomes)

1. अध्येता निर्माणवाद के ज्ञानमीमांसकीय आधारों की व्याख्या कर सकेंगे।
2. वे निर्माणवादी शिक्षण युक्तियों को विकसित कर पाएंगे।
3. वे पाठयचर्या क्रियान्वयन में निर्माणवाद का अनुप्रयोग करने में समर्थ होंगे।
4. वे सामाजिक और नैतिक विकास के सिद्धान्तों की समझ विकसित करेंगे।
5. वे आकलन के निर्माणवादी उपागम के आधार पर आकलन कर सकेंगे ।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of theCourse)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	निर्माणवाद की संकल्पना, प्रकार और अनुप्रयोग	**5**			**5**	**8.33**
मॉड्यूल-2	जॉन ड्यूई, पियाजे, वायगोत्सकी, जोम्बतिस्ता विको	**5**			**5**	**8.33**
मॉड्यूल-3	एम्यनुएल, ब्रूनर, ग्रेसर्फेल्ड, जर्जे का सिद्धांत	**5**			**5**	**8.33**

मॉड्यूल-4	निर्माणवाद का ज्ञानमीमांसीय दृष्टिकोण	**4**			**4**	**6.67**
मॉड्यूल-5	शिक्षा में नई दिशा	**3**			**3**	**5**
मॉड्यूल-6	निर्माणवाद के अनुसार ज्ञान की रचना	**4**			**4**	**6.67**
मॉड्यूल-7	निर्माणवादी शिक्षा के तत्व और सिद्धांत	**4**			**4**	**6.67**
मॉड्यूल-8	निर्माणवादी शिक्षा : प्रकृति, प्रक्रिया	**2**			**2**	**3.33**
मॉड्यूल-9	निर्माणवादी शिक्षा के तत्व, निर्माणवादी कक्षा का निर्माण,	**3**			**3**	**5**
मॉड्यूल -10	निर्माणवादी शिक्षक और उसकी भूमिकाएं , निर्माणवादी शैक्षणिक रणनीति	**5**			**5**	**8.33**
मॉड्यूल -11	निर्माणवादी आकलन: आवश्यकता और अनुप्रयोग	**5**			**5**	**8.33**
मॉड्यूल -12	अध्यापक शिक्षा में नया दृष्टिकोण शिक्षक के विचारों में बदलाव	**4**			**4**	**6.67**

मॉड्यूल -13	शिक्षक निर्माण की प्रक्रिया और कार्यक्रमों में सुधार सूचना एवं प्रोद्योगिकी में सुधार	**4**			**4**	**6.67**
माड्यूल-14	पाठ्यक्रम में निर्माणवाद की भूमिकाएवं महत्व	**4**			**4**	**6.67**
माड्यूल-15	पारंपरिक सूचना और प्रौद्योगिकी के निर्माण में निर्माणवाद की भूमिका	**3**			**3**	**5**
योग		**60**			**60**	**100**

टिप्पणी:

7. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
8. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अधिगम	विद्यार्थी केंद्रित निर्माणवादी
विधियाँ	व्याख्यान, प्रदत्तकार्य, वैयक्तिक एवं सामूहिक प्रस्तुति
तकनीकी	कंप्यूटर सहायक तकनीकी, ई-कंटेंट,
उपादान	प्रदत्त कार्य, स्व-अध्ययन सामाग्री

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
21. अध्येता शिक्षण व्यवसाय के मूल्यों के अनुरूप अभ्यास कर पाएंगे।	X				X			
22. वे अपने निर्णय व्यवहार और अभ्यास के द्वारा शिक्षण व्यवसाय के लिए निर्धारित कसौटियों का पूर्ण पालन करेंगे।	X		X		X			
23. वे विद्यार्थियों के समग्र विकास की परिकल्पना को समझेंगे और तदनुरूप वे शिक्षार्थी केंद्रित शिक्षण विधियों का प्रभावपूर्ण प्रयोग करने में सक्षम होंगे।		X			X			
24. वे ऐसे शोध उन्मुख कार्य कर सकेंगे जो शिक्षा और समाज के संबंध को समझने में मदद करें।								
25. वे समसामयिक सूचना प्रौद्योगिकी एवं अन्य तकनीकों के माध्यम से प्रभाव प्रशिक्षण के लिए तत्पर रहेंगे।		X						
26. उनमें संप्रेषण की समुचित दक्षता होगी जिसके द्वारा वे अपने विचारों को प्रभावपूर्ण संप्रेषण करने में दक्ष होंगे।	X							
27. वे समुदाय के साथ अंतःक्रिया के दौरान सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के प्रति समानुभूति का भाव रखेंगे।				X				
28. वे शिक्षण और आकलन की समसामयिक तक नीतियों की विशेष जानकारी रखेंगे और उसके अनुरूप उसका अभ्यास करेंगे।		X			X			
29. वे विद्यार्थियों में व्याप्त विविधता का सम्मान करते हुए उसके समावेशन की ओर उन्मुख होंगे।				X				
30. वे क्षेत्र, जाति, संप्रदाय , जेंडर आदि की विविधताओं का शिक्षण और अन्य दायित्वों में समावेशन का प्रयास करेंगे।		X		X				

टिप्पणी:

7. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
8. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।
#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य सामाग्री**	**विवरण (APAFormat में)**
1	**आधार/पाठ्य-ग्रंथ**	▪ बर्गर, पी.एल. व लकमैन (1975). दी सोशल कन्स्ट्रकशन ऑफ रेयलिटी-ए ट्रिटीज इन द सोशियोलॉजी ऑफ नॉलेज. लंदन : पेंगुइन बुक्स ▪ ब्रुक्स, जे जी व ब्रुक्स, एम.जी. (1999). इन सर्च ऑफ अंडरस्टैंडिंग : दि केस फॉर कन्स्ट्रक्विस्ट क्लासरूम. वर्जीनिया: एसोशिएशन फॉर सुपरविजन एंड कैरिकुलम डेवलोपमेंट ▪ फोसनॉट, सी.टी.(2005). कस्ट्रक्टटीविज़्म : थ्योरी, पर्सपेक्टिव अंड प्रैक्टिसेज. कोलम्बिया

		विश्वविद्यालय प्रैस ▪ मर्सर, एन. (1995). दि गाइडिंग कंस्ट्रक्शन ऑफ नॉलेज : टॉक एमंगस्ट टीचर्स अंड लर्नर्स.फिलाडेल्फिया:मल्टीलिंगवल मैंटर्स
2	**संदर्भ-ग्रंथ**	▪ एनसीईआरटी. (2005). नेशनल करीकुलम फ्रेमवर्क-2005, नई दिल्ली ▪ स्कैफ, जॉन. (2012). कन्स्ट्रक्विस्ट इन एक्शन : टीचिंग फॉर लर्निंग. रूटलेज ▪ सेठ, श्याम किशोर व मिश्र, नीलिमा.(2011). ज्ञान-दर्शन. इलाहाबाद : लोकभारती प्रकाशन ▪ वर्मा, अशोक कुमार. (2017). तत्वमीमांसा एवं ज्ञानमीमांसा. दिल्ली : मोतीलाल बनारसीदास
3	**ई-संसाधन**	
4	**अन्य**	

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

3. पाठ्यचर्या का नाम: समावेशी विद्यालयी शिक्षा
(Name of the Course)
पाठ्यचर्या का कोड: बीईडी 11
(Code of the Course)

क्रेडिट: 4 **4. सेमेस्टर: चतुर्थ**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	60
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	00
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	00
कौशल विकास गतिविधियाँ	00
कुल क्रेडिटघंटे	60

पाठ्यचर्या विवरण:
(Description of Course)
इकाई 1: समावेशी विद्यालय

-समावेशी विद्यालय की संकल्पना, निर्माण
-निःशक्त एवं विशिष्ट बालकों के समावेशन की संकल्पना, निःशक्तता की मनोसामाजिक अवधारणा, मानसिक घटक, निःशक्तता के प्रतिमान
-समावेशी शिक्षा में आने वाली समस्याएँ

इकाई 2: राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986

-समावेशी शिक्षा के सन्दर्भ में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-1986 के उद्देश्य तथा सुझाव
-समानता के लिए शिक्षा, शारीरिक एवं मानसिक रूप से निःशक्त बालकों की शिक्षा
-अशक्त व्यक्ति के अधिकार, बालक के अधिकार, वैयक्तिक भिन्नताएँ

इकाई 3: शिक्षा का अधिकार 2009

-शिक्षा के अधिकार के उद्देश्य तथा सुझाव,
-शारीरिक एवं मानसिक रूप से निःशक्त बच्चों का सामान्य विद्यालयों में समावेश
-सर्व शिक्षा अभियान में समावेश

इकाई 4: समावेशी विद्यालयी शिक्षा में अंतर्भूत घटक

-समावेशी विद्यालय का अपेक्षित स्वरुप
-शिक्षार्थी की आवश्यकता के अनुसार शिक्षा में बदलाव
-प्रशासक, शिक्षक, बच्चा, समाज, वातावरण, शिक्षा नीति निर्माता आदि सभी की समावेशी शिक्षा में सहभागिता

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:
(Course Learning Outcomes)

- अध्येता समावेशी विद्यालयी संकल्पनाओं के आधार पर कक्षा शिक्षण में समावेशन हेतु उपया निर्मित करने में सक्षम होंगे।
- अध्येता समावेशी शिक्षण युक्तियों को विकसित कर उनके क्रियान्वयन में समर्थ होंगे।

- अध्येता पाठयचर्या क्रियान्वयन में समावेशी शिक्षा की अवधारणाओं का अनुप्रयोग करने में समर्थ होगें।
- अध्येता समावेशी शिक्षा हेतु कक्षा कक्ष वातावरण निर्माण करने में समर्थ होगें।
- अध्येता समावेशी शिक्षा में आने वाली समस्याओं का उचित उपायों द्वारा निराकरण में सक्षम होंगे।

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा,साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the **Course**)

मॉड्यूल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)**			**कुल घंटे**	**कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)**
		व्याख्यान	***ट्यूटोरियल** (यदि अपेक्षित हैं)	***संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..**(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	**समावेशी विद्यालय:** समावेशी विद्यालय की संकल्पना, निर्माण	**3**			**3**	**5**
मॉड्यूल-2	निःशक्त एवं विशिष्ट बालकों के समावेशन की संकल्पना, निःशक्तता की मनोसामाजिक अवधारणा, मानसिक घटक,	**4**			**4**	**6.66**
मॉड्यूल-3	निःशक्तता के प्रतिमान	**4**			**4**	**6.66**
मॉड्यूल-4	समावेशी शिक्षा में आने वाली समस्याएँ	4			4	6.66

मॉड्यूल-5	**राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986:** समावेशी शिक्षा के सन्दर्भ में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-1986 के उद्देश्य तथा सुझाव	**4**			4	**6.66**	
मॉड्यूल-6	समानता के लिए शिक्षा, शारीरिक एवं मानसिक रूप से निःशक्त बालकों की शिक्षा	**5**			**5**	**8.33**	
मॉड्यूल-7	अशक्त व्यक्ति के अधिकार, बालक के अधिकार, वैयक्तिक भिन्नताएँ	**6**			**6**	**10**	
मॉड्यूल-8	**शिक्षा का अधिकार 2009:** शिक्षा के अधिकार के उद्देश्य तथा सुझाव,	**5**			**5**	**8.33**	
मॉड्यूल-9	शारीरिक एवं मानसिक रूप से निःशक्त बच्चों का सामान्य विद्यालयों में समावेश	**5**			**5**	**8.33**	
मॉड्यूल-10	सर्व शिक्षा अभियान में समावेश	**5**			**5**	**8.33**	
मॉड्यूल-11	**समावेशी विद्यालयी शिक्षा में**	4			4	6.66	

	अंतर्भूत घटक: समावेशी विद्यालय का अपेक्षित स्वरुप					
मॉड्यूल-12	शिक्षार्थी की आवश्यकता के अनुसार शिक्षा में बदलाव	4			4	6.66
मॉड्यूल-13	प्रशासक, शिक्षक, बच्चा, समाज, वातावरण, शिक्षा नीति निर्माता आदि सभी की समावेशी शिक्षा में सहभागिता	**7**			**7**	**11.66**
योग		**60**			**60**	**100**

*** ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)- आवश्यकता अनुरूप/समय सारणी अनुरूप**

*** संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..- पाठ्यचर्या के ईकाई के विषय वस्तु के आवश्यकता अनुरूप**

टिप्पणी:

1.माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2.प्रत्येक सेमेस्टर में **0**1 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अधिगम	विद्यार्थी केन्द्रित,निरमाणवादी अधिगम एवं अनु भाविक अधिगम
विधियाँ	व्याख्यान, प्रदत्त कार्य,वैयक्तिक एवं सामूहिक प्रस्तुति, व्याख्यान सह चर्चा, पैनल चर्चा, परियोजना, सेमिनार प्रस्तुति और विचार-विमर्श,आलोचनात्मक चिंतन, अधिगम संसाधन विकास पर कार्यशाला, प्रयोगशाला संलग्नता, प्रकरण अध्ययन
तकनीक	कम्प्यूटर सहायक तकनीकी, ई संसाधन, ई अधिगम
उपादान	प्रदत्त कार्य,परियोजना

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5
समावेशी विद्यालयी संकल्पनाओं के आधार पर कक्षा शिक्षण में समावेशन हेतु उपय निर्मित करने में सक्षम होंगे।	**X**	-	-	-	-
समावेशी शिक्षण युक्तियों को विकसित कर उनके क्रियान्वयन में समर्थ होंगे।	-	**X**	-	-	-
पाठयचर्या क्रियान्वयन में समावेशी शिक्षा की अवधारणाओं का अनुप्रयोग में समर्थ होंगे।	-	-	**X**	-	-
समावेशी शिक्षा हेतु कक्षा कक्ष वातावरण निर्माण में समर्थ होंगे।	-	-	-	**X**	-
समावेशी शिक्षा में आने वाली समस्याओं का उचित उपायों द्वारा निराकरण में सक्षम होंगे।	-	-	-	-	**X**

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।
#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदनलेखन	
निर्धारित अंक/प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ
(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	यादव, अखिलेश. (2017) समावेशी शिक्षा में शिक्षक अधिगम प्रक्रिया. पांडे, जयश्री. (2015) समावेशी शिक्षा नीति के समस्याएं अल्मोड़ा की लमगारा ब्लॉक का अवलोकन लर्निंग कब. अजीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी. कांडपाल, केवलानंद. (2012) शिक्षा में समावेशन: चुनौती एवं

		पहल.
2	संदर्भ-ग्रंथ	मदान ,अंकुर. (2014) समावेशन ही आगे बढ़ने का मार्ग है लर्निंग कव. अजीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी समावेशी शिक्षा.
3	ई-संसाधन	यू ट्यूब व्याख्यान, https://unacademy.com/lesson/smaaveshii-shikssaa-kii-avdhaarnnaa/71OE9RON
4	अन्य	

(विभागाध्यक्ष / निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

4.पाठ्यचर्या का नाम: प्रदर्शनकारी कला
(NameoftheCourse)

3. पाठ्यचर्या का कोड:बीईडी 12
(CodeoftheCourse)

4. क्रेडिट: 2 **4. सेमेस्टर: चतुर्थ**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	**17**
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	**13**
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिटघंटे	30

5. पाठ्यचर्या विवरण:
(Description of Course)

इकाई 1.

- प्रदर्शनकारी कलाएं एवं उनका संक्षिप्त इतिहास
- शिक्षा के सन्दर्भ में प्रदर्शनकारी कलाओं का स्थान एवं महत्व
- प्रायोगिक अभ्यास - गायन प्रवेश-स्वर अभ्यास / वाद्य प्रवेश- स्वर अभ्यास / नाट्य प्रवेश- विषय-पत्र अभ्यास
- प्रायोगिक प्रदर्शन – गायन-स्वर प्रदर्शन / वाद्य-वादन प्रदर्शन / नाट्य –वाचन प्रदर्शन

इकाई 2.

- गायन,वादन, नृत्य एवं नाट्य के प्रकार एवं उनका संक्षिप्त परिचय
- लोक संगीत के विभिन्न आयाम
- प्रागोगिक अभ्यास – पद गायन एवं लय अभ्यास/ वाद्यों में बंदिशे एवं लय / नाट्य में विभिन्न घटकों का प्रयोग, लोक संगीत के किसी एक प्रकार का समुचित अभ्यास
- प्रागोगिक प्रदर्शन - पद गायन एवं लय प्रदर्शन / वाद्यों में बंदिशे एवं लय का प्रदर्शन / नाट्य में विभिन्न घटकों का प्रदर्शन, लोक संगीत/नाट्य के किसी एक प्रकार का समुचित प्रदर्शन

इकाई 3.

- स्वर, ठाठ एवं राग-शास्त्र का संक्षिप्त परिचय
- (प्रायोगिक- विभिन्न रागों को सुनना-सुनाना, एक परिचय)
- नाटक में धर्मिताएं
- काकु प्रयोग नाट्य एवं गायन के विशेष सन्दर्भ में
- विद्यालयी स्तर पर प्रदर्शनकारी कलाओं का प्रयोग शिक्षा के विशेष संदर्भ में तथा विद्यार्थीयोंद्वारा एक संक्षिप्त आलेख

इकाई 4.

- कला के विशेष सन्दर्भ में रस चर्चा

- भारतीय शास्त्रीय संगीत में गायन के विविध प्रकार
- उत्तर भारतीय एवं दक्षिण भारतीय संगीत में गायन की विभिन्न शैलियाँ का संक्षिप्त परिचय
- कक्षा अध्यापन में ललित कलाओं के प्रयोग के आधार पर एक प्रायोगिक एवं लिखित प्रोजेक्ट कार्य

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:
(Course Learning Outcomes)

- अध्येता कला एवं नाट्य शिक्षा की विभिन्न स्तर की कक्षाओं के प्रभावी आयोजन में सक्षम होंगे।
- अध्येता संगीत (गायन, वादन, नृत्य) के अंतरसंबंधों को समझकर उसे जीवन के विकास के साथ-साथ अधिगम प्रक्रिया में उनके प्रयोगों के लिए समर्थ होंगे।
- अध्येताशिक्षण अधिगम प्रक्रिया में गायन-स्वर प्रदर्शन / वाद्य-वादन प्रदर्शन / नाट्य –वाचन प्रदर्शन के आयामों को शैक्षिक विषय वस्तु के स्पष्टीकरण में प्रभावी रूप से उपयोग करने में समर्थ होंगे।
- अध्येता विद्यालयी स्तर पर प्रदर्शनकारी कलाओं का प्रयोग प्रभावी रूप में कर सकेंगे।
- कक्षा अध्यापन में ललित कलाओं के प्रयोग करने में समर्थ होंगे।

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा,साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the **Course**)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	*ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	*संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	प्रदर्शनकारी कलाएं एवं उनका संक्षिप्त इतिहास	2			2	6.66
मॉड्यूल-2	शिक्षा के सन्दर्भ में प्रदर्शनकारी कलाओं का स्थान एवं महत्व	2			2	6.66

मॉड्यूल-3	प्रायोगिक अभ्यास - गायन प्रवेश-स्वर अभ्यास / वाद्य प्रवेश- स्वर अभ्यास / नाट्य प्रवेश- विषय-पत्र अभ्यास			**2**	2	6.66	
मॉड्यूल-4	प्रायोगिक प्रदर्शन – गायन-स्वर प्रदर्शन / वाद्य-वादन प्रदर्शन / नाट्य –वाचन प्रदर्शन			**2**	2	6.66	
मॉड्यूल-5	गायन,वादन, नृत्य एवं नाट्य के प्रकार एवं उनका संक्षिप्त परिचय लोक संगीत के विभिन्न आयाम	**3**			**3**	**5**	
मॉड्यूल-6	प्रागोगिक अभ्यास – पद गायन एवं लय अभ्यास/ वाद्यों में बंदिशे एवं लय / नाट्य में विभिन्न घटकों का प्रयोग, लोक संगीत के किसी एक प्रकार का समुचित अभ्यास			**2**	2	6.66	

मॉड्यूल-7	प्रागोगिक प्रदर्शन - पद गायन एवं लय प्रदर्शन / वाद्यों में बंदिशे एवं लय का प्रदर्शन / नाट्य में विभिन्न घटकों का प्रदर्शन, लोक संगीत/नाट्य के किसी एक प्रकार का समुचित प्रदर्शन			**2**	2	6.66	
मॉड्यूल-8	स्वर, ठाठ एवं राग-शास्त्र का संक्षिप्त परिचय	2			2	6.66	
मॉड्यूल-9	प्रायोगिक- विभिन्न रागों को सुनना-सुनाना, एक परिचय			**2**	2	6.66	
मॉड्यूल-10	नाटक में धर्मिताएं	2			2	6.66	
मॉड्यूल-11	काकु प्रयोग नाट्य एवं गायन के विशेष सन्दर्भ में	2			2	6.66	
मॉड्यूल-12	विद्यालयी स्तर पर प्रदर्शनकारी कलाओं का प्रयोग शिक्षा के विशेष संदर्भ में तथा विद्यार्थीयोंद्वारा एक संक्षिप्त आलेख	1		1	2	6.66	

मॉड्यूल-13	-कला के विशेष सन्दर्भ में रस चर्चा -भारतीय शास्त्रीय संगीत में गायन के विविध प्रकार	2			2	6.66	
मॉड्यूल-14	-उत्तर भारतीय एवं दक्षिण भारतीय संगीत में गायन की विभिन्न शैलियाँ का संक्षिप्त परिचय -कक्षा अध्यापन में ललित कलाओं के प्रयोग के आधार पर एक प्रायोगिक एवं लिखित प्रोजेक्ट कार्य	**1**		**2**	**3**	**5**	
योग		**30**			**30**	**100**	

टिप्पणी:

1.माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2.प्रत्येक सेमेस्टर में **0**1 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अधिगम	विद्यार्थी केन्द्रित अधिगम एवं लर्निंग बाय डूइंग
विधियाँ	व्याख्यान, वैयक्तिक एवं सामूहिक प्रस्तुति, व्याख्यान-सह-चर्चा, सामूहिक विचार-विमर्श, प्रस्तुतिकरण, कार्यशाला

तकनीक	विभिन्न वाद्य यंत्र,इलेक्ट्रोनिक संगीत यंत्र
उपादान	प्रदत्त कार्य , स्व अध्ययन सामाग्री,स्व- अभ्यास

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5
कला एवं नाट्य शिक्षा की विभिन्न स्तर की कक्षाओं के प्रभावी आयोजन में सक्षम होंगे।	**X**	-	-	-	-
संगीत (गायन, वादन, नृत्य) के अंतरसंबंधों को समझकर उसे जीवन के विकास के साथ-साथ अधिगम प्रक्रिया में प्रयोग हेतु समर्थ होंगे।	-	**X**	-	-	-
शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में गायन-स्वर प्रदर्शन / वाद्य-वादन प्रदर्शन / नाट्य –वाचन प्रदर्शन के आयामों को शैक्षिक विषय वस्तु के स्पष्टीकरण एवं उपयोग समर्थ होंगे।	-	-	**X**	-	-
विद्यालयी स्तर पर प्रदर्शनकारी कलाओं का प्रयोग करेंगे।	-	-	-	**X**	-
कक्षा अध्यापन में ललित कलाओं के प्रयोग में समर्थ होंगे।	-	-	-	-	**X**

टिप्पणी:
1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।
#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदनलेखन	
निर्धारित अंक/प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ
(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	मेहर,आर.कांट्रेक्टर. शिक्षा में सृजनात्मक नाटक एवं कठपुतली नर्तन, नई दिल्ली, नेशनल बुक ट्रस्ट. मेरी एंड दासगुप्ता: कम लागत बिना शिक्षण सहायक सामग्री, नई दिल्ली, नेशनल बुक ट्रस्ट. देवी प्रसाद, शिक्षा का वाहन कला, नई दिल्ली नेशनल बुक ट्रस्ट.
2	संदर्भ-ग्रंथ	एनसीईआरटी, कला संगीत और रंगमंच समूह के आधार पत्र, नई दिल्ली. एनसीईआरटी, सृजनात्मकता के लिए शिक्षा: अध्यापक प्रशिक्षकों के लिए शोध पुस्तक नई दिल्ली

		एनसीईआरटी, कला शिक्षा की शिक्षक संदर्शिका, नई दिल्ली
3	ई-संसाधन	https://shodhganga.inflibnet.ac.in/bitstream/10603/35228/6/06_chapter-1.pdf https://www.drishtiias.com/hindi/images/dlp-demo/uppsc/gs-pack-3/Art-and-Culture.pdf http://www.indiaculture.nic.in/hi/dance
4	अन्य	

(विभागाध्यक्ष / निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

5.पाठ्यचर्या का नाम. अस्मिता एवं आत्मबोध
(Name of the Course).

2.पाठ्यचर्या का कोड. बीईडी 13
(Code of the Course).

1. क्रेडिट: 2 **4. सेमेस्टर:** चतुर्थ

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	60
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	00
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	00
कौशल विकास गतिविधियाँ	00
कुल क्रेडिटघंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण:
(Description of Course)

इकाई 1: अस्मिता की अवधारणा

- समाजीकरण एवं 'स्व' का विकास, एक शिक्षक की पहचान, अस्मिता निर्माण एवं मनो-सामजिक परिस्थितियाँ
- व्यक्तिगत विकास एवं अस्मिता विकास में पारस्परिक संबंध, अस्मिता विकास में संचार कौशल की भूमिका

इकाई 2: 'स्व' की पहचान

- स्व की पहचान का विकास, सांस्कृतिक पहचान, अकादमिक पहचान, वैयक्तिक पहचान
- छात्राध्यापक के रूप में पहचान का निर्माण, शिक्षक के रूप में 'स्व' का निर्माण, व्यक्तिभिन्नता की पहचान
- लिंग, रिलेशनल, सांस्कृतिक, अंतर्निहित मान्यताओं और रुढियों से उत्पन्न पूर्वाग्रह

इकाई 3: अस्मिता और पहचान की समीक्षा

- अनुभवों की समीक्षा, सीमाएँ और क्षमता, अलग-अलग बच्चों के मामलों का अध्ययन/उनके जीवनी/कहानियों को साझा करना
- समकालीन किशोरावस्था/युवाओं के मुद्दे, अभिव्यक्ति के विभिन्न तरीके, चिन्तनशील पत्रिकाओं का विकास, पत्रिकाओं का इस्तेमाल

इकाई 4: अध्यापकीय पहचान की समीक्षा

- स्वयं के बारे में छात्राध्यापकों की समझ का विकास
- एक व्यक्ति के रूप में और एक शिक्षक के रूप में स्वयं का विकास
- व्यक्तिगत आख्यान, जीवन की कहानियाँ, समूह बातचीत, फिल्म समीक्षा आदि के माध्यम से शिक्षक अस्मिता की समझ
- सपनों, आकांक्षाओं, कविता सहित आत्माभिव्यक्ति के विविध रूपों के माध्यम से अस्मिता का निर्माण

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

(Course Learning Outcomes)

3. भारतीय समाज की विशेषताओं को ध्यान में रखकर शिक्षक की विभिन्न भूमिकाओं की विवेचना में समर्थ होंगे।
4. शिक्षा की समकालीन परिस्थितियों में शिक्षक की अस्मिता के पहलुओं को जानने में समर्थ होंगे।
5. शिक्षक के रूप में अपनी अस्मिता को व्याख्यायित कर पाएंगे।
6. शिक्षा नीति 2020 को ध्यान में रखते हुए शिक्षक की भूमिका पर विचार कर पाएंगे।

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या संपूर्ण पाठ्यक्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)**			**कुल घंटे**	**कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)**
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल** (यदि अपेक्षित हैं)	**संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..**(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	समाजीकरण एवं 'स्व' का विकास, एक शिक्षक की पहचान,	4			4	6.66
मॉड्यूल-2	अस्मिता निर्माण एवं मनो-सामजिक परिस्थितियाँ	6			6	10
मॉड्यूल-3	व्यक्तिगत विकास एवं अस्मिता विकास में पारस्परिक संबंध, अस्मिता विकास में संचार कौशल की भूमिका	5			5	8.33
मॉड्यूल-4	स्व की पहचान					

मॉड्यूल-5	का विकास, सांस्कृतिक पहचान, अकादमिक पहचान, वैयक्तिक पहचान छात्राध्यापक के रूप में पहचान का निर्माण, शिक्षक	5 4			5 4	8.33 6.66
मॉड्यूल-6	के रूप में 'स्व' का निर्माण, व्यक्ति भिन्नता की पहचान लिंग, रिलेशनल, सांस्कृतिक, अंतर्निहित मान्यताओं और रुढियों से उत्पन्न पूर्वाग्रह	6			6	10
मॉड्यूल-7	अनुभवों की समीक्षा, सीमाएँ और क्षमता, अलग-अलग बच्चों के मामलों	5			5	8.33
मॉड्यूल-8	का अध्ययन/ उनके जीवनी/कहानियों को साझा करना समकालीन किशोरावस्था/युवाओं	6			6	10
	के मुद्दे, अभिव्यक्ति के विभिन्न तरीके, चिंतनशील पत्रिकाओं का विकास, पत्रिकाओं का इस्तेमाल	4			4	6.66

मॉड्यूल-9	स्वयं के बारे में छात्राध्यापकों की समझ का विकास					
मॉड्यूल-10	एक व्यक्ति के रूप में और एक शिक्षक के रूप में स्वयं का विकास	4			4	6.66
मॉड्यूल-11	व्यक्तिगत आख्यान, जीवन की कहानियाँ, समूह बातचीत, फिल्म समीक्षा आदि के माध्यम से शिक्षक अस्मिता की समझ	4 7			4 7	6.66 11.66
मॉड्यूल-12	सपनों, आकांक्षाओं, कविता सहित आत्माभिव्यक्ति के विविध रूपों के माध्यम से अस्मिता का निर्माण					
योग		**60**			**60**	**100**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में **0**1 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अधिगम	विद्यार्थी केंद्रित निर्माणवादी
विधियाँ	व्याख्यान, प्रदत्तकार्य, वैयक्तिक एवं सामूहिक प्रस्तुति
तकनीकी	कंप्यूटर सहायक तकनीकी, ई-कंटेंट,
उपादान	प्रदत्त कार्य, स्व-अध्ययन सामग्री

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5
1. अध्येता शिक्षण व्यवसाय के मूल्यों के अनुरूप अभ्यास कर पाएंगे।	X		X	X	X
2. वे अपने निर्णय व्यवहार और अभ्यास के द्वारा शिक्षण व्यवसाय के लिए निर्धारित कसौटियों का पूर्ण पालन करेंगे।	X			X	X
3. वे विद्यार्थियों के समग्र विकास की परिकल्पना को समझेंगे और तदनुरूप वे शिक्षार्थी केंद्रित शिक्षण विधियों का प्रभावपूर्ण प्रयोग करने में सक्षम होंगे।				X	X
4. वे ऐसे शोध उन्मुख कार्य कर सकेंगे जो शिक्षा और समाज के संबंध को समझने में मदद करें।		X			X
5. वे समसामयिक सूचना प्रौद्योगिकी एवं अन्य तकनीकों के माध्यम से प्रभाव प्रशिक्षण के लिए तत्पर रहेंगे।					X
6. उनमें संप्रेषण की समुचित दक्षता होगी जिसके द्वारा वे अपने विचारों को प्रभावपूर्ण संप्रेषण करने में दक्ष होंगे।			X		X
7. वे समुदाय के साथ अंतःक्रिया के दौरान सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के प्रति समनुभूति का भाव रखेंगे।	X				X
8. वे शिक्षण और आकलन की समसामयिक तक नीतियों की विशेष जानकारी रखेंगे और उसके अनुरूप उसका अभ्यास करेंगे।	X		X		X
9. वे विद्यार्थियों में व्याप्त विविधता का सम्मान करते हुए उसके समावेशन की ओर उन्मुख होंगे।	X	X	X		X
10. वे क्षेत्र, जाति, संप्रदाय , जेंडर आदि की विविधताओं का शिक्षण और अन्य दायित्वों में समावेशन का प्रयास करेंगे।	X	X	X		X

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।
#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य सामाग्री**	**विवरण (APAFormat में)**
1	**आधार/पाठ्य ग्रंथ**	▪ मंगल, एस.के. (2007). शिक्षा मनोविज्ञान. दिल्ली : प्रेंटिस हाल ऑफ इंडिया प्रा. लि. ▪ गुप्ता, एस.पी. व गुप्ता अल्का.(2017). उच्चतर शिक्षा मनोविज्ञान. इलाहाबाद : शारदा पुस्तक भवन ▪ सुलैमान, मोहम्मद. (2014). उच्चतर शिक्षा मनोविज्ञान. दिल्ली : मोतीलाल बनारसीदास ▪ चौहान, रीता व पाठक, पी.डी. (2016). बाल्यावस्था एवं उसका विकास. आगरा : अग्रवाल पब्लिकेशन
2	**संदर्भ-ग्रंथ**	▪ Ghosh, S. C. (2007). *History of education in India*.delhi: Rawat Publications.

		▪ NCERT (2006/7) National Focus Group Paper on Teacher Education. New Delhi: NCERT ▪ NCTE (2009) National Curriculum Framework for Teacher Education.
3	**ई-संसाधन**	http://www.mgahv.in/Pdf/Dist/gen/shiksha_0003_18_03_16.Pdf
4	**अन्य**	

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

3. **पाठ्यचर्या का नाम:** जेंडर, विद्यालय और समाज
(Name of the Course)

4. **पाठ्यचर्या का कोड:बीईडीई 03**
(CodeoftheCourse)

5. **क्रेडिट: 4** **4. सेमेस्टर: चतुर्थ**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	**60**
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिटघंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण:
(Description of Course)
इकाई 1: परिचय

-जेंडर, लिंग, जेंडर भूमिका,पितृसत्ता, स्त्रीत्व और पुरुषत्व, जेंडर रूढ़ियाँ, जेंडर विभेद
-जेंडर के मनोसामाजिक परिप्रेक्ष्य: धुर नारीवादी (रैडिकल), समाजवादी नारीवादी

इकाई 2: जेंडर आधारित समाजीकरण की प्रक्रिया

-जेंडर आधारित पहचान के विकास में परिवार, समुदाय, विद्यालय और अन्य सामजिक संगठन कृत समाजीकरण की भूमिका का आलोचनात्मक अध्ययन
-भारतीय सन्दर्भ में हुए नृजातीय अध्ययन

इकाई 3: लड़कियों की शिक्षा

-असमानता और प्रतिरोध, भारत में महिला शिक्षा का इतिहास
-भारत में लड़कियों की शिक्षा की वर्तमान स्थिति व चुनौतियां
-स्त्रीवादी दृष्टिकोण से शिक्षा के अवसरों की असमानता की व्याख्या
-मीडिया और अन्य लोकप्रिय माध्यमों की भूमिका का विश्लेषण

इकाई 4: विद्यालयों में जेंडर असमानता

-स्कूली अनुभवों जैसे पाठ्यचर्या, शिक्षणशास्त्र और विद्यालयी गतिविधियों की स्त्रीवादी दृष्टि से व्याख्या
-जेंडर के सन्दर्भ में प्रछन्न पाठ्यक्रम, कक्षागत प्रक्रियाओं द्वारा जेंडर रुढ़ियों का पुनर्बलन
-जेंडर संवेदनशील शिक्षाशास्त्र, जेंडर की दृष्टि से विद्यालयी अनुभवों पर मनन और युक्तियाँ, शिक्षकों की संवेदनशीलता

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:
(Course Learning Outcomes)

- जेंडर समानता के प्रति संवेदनशीलता का विकास करेंगे।
- जेंडर रूढ़ियाँ को दूर करने के उपायों को पाठ्यचर्या में शामिल करने में सक्षम होंगे।
- जेंडर शिक्षण युक्तियों को विकसित कर उनके क्रियान्वयन में समर्थ होंगे।

- जेंडर असमानता और प्रतिरोध की अवधारणों को समझ कर विद्यालय एवं समाज में समानता के व्यवहार का प्रचार एवं अनुसरण करने में समर्थ होंगे।
- जेंडर शिक्षा के मूल अवधारणा को कक्षा कक्ष वातावरण में क्रियान्वित करने में समर्थ होगें।
- विद्यालय में जेंडर समानता को लागू करने में आने वाली समस्याओं का उचित उपायों द्वारा निराकरण में सक्षम होंगे।

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा,साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the **Course**)

मॉड्यूल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)**			**कुल घंटे**	**कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)**
		व्याख्यान	***ट्यूटोरियल** (यदि अपेक्षित हैं)	***संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..**(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	**परिचय** जेंडर, लिंग, जेंडर भूमिका	3			3	**5**
मॉड्यूल-2	पितृसत्ता, स्त्रीत्व और पुरुषत्व	3			3	**5**
मॉड्यूल-3	जेंडररूढ़ियाँ,जेंडर विभेद	3			3	**5**
मॉड्यूल-4	जेंडर के मनोसामाजिक परिप्रेक्ष्य: धुर नारीवादी (रैडिकल)	3			3	**5**
मॉड्यूल-5	मनोसामाजिक परिप्रेक्ष्य: समाजवादीनारीवादी	3			3	**5**
मॉड्यूल-6	**जेंडर आधारित समाजीकरण की**	8			8	13.33

	प्रक्रिया जेंडर आधारित पहचान के विकास में परिवार, समुदाय, विद्यालय और अन्य सामजिक संगठन कृत समाजीकरण की भूमिका का आलोचनात्मकअध्ययन						
मॉड्यूल-7	भारतीय सन्दर्भ में हुए नृजातीय अध्ययन	7			7	11.66	
मॉड्यूल-8	**लड़कियों की शिक्षा** असमानता और प्रतिरोध, भारत में महिला शिक्षा का इतिहास	4			4	6.66	
मॉड्यूल-9	भारत में लड़कियों की शिक्षा की वर्तमान स्थिति व् चुनौतियां	4			4	6.66	
मॉड्यूल-10	स्त्रीवादी दृष्टिकोण से शिक्षा के अवसरों की असमानता की व्याख्या	4			4	6.66	
मॉड्यूल-11	मीडिया और अन्य लोकप्रिय माध्यमों की भूमिका का विश्लेषण	3			3	5	
मॉड्यूल-12	**विद्यालयों में जेंडर असमानता**	4			4	6.66	

	स्कूली अनुभवों जैसे पाठ्यचर्या, शिक्षणशास्त्र और विद्यालयी गतिविधियों की स्त्रीवादी दृष्टि से व्याख्या					
मॉड्यूल-13	जेंडर के सन्दर्भ में प्रछन्न पाठ्यक्रम, कक्षागत प्रक्रियाओं द्वारा जेंडररुढियों का पुनर्बलन	4			4	6.66
मॉड्यूल-14	जेंडर संवेदनशील शिक्षाशास्त्र और युक्तियाँ	3			3	5
मॉड्यूल-15	जेंडर की दृष्टि से विद्यालयी अनुभवों पर मनन	2			2	3.33
मॉड्यूल-16	शिक्षकों की संवेदनशीलता	2			2	3.33
योग		**60**			**60**	**100**

*** ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)- आवश्यकता अनुरूप/समय सारणी अनुरूप**

*** संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..- पाठ्यचर्या के ईकाई के विषय वस्तु के आवश्यकता अनुरूप**

टिप्पणी:

1.माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2.प्रत्येक सेमेस्टर में **0**1 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अधिगम	विद्यार्थी केन्द्रित,निर्माणवादी अधिगम एवं अनु भाविक अधिगम
विधियाँ	व्याख्यान, व्याख्यान-सह-चर्चा, विचार विमर्श, समूह परिचर्चा, प्रस्तुतिकरण, संगोष्ठी, कार्यशाला,दलीय परिचर्चा,प्रदर्शन

तकनीक	कम्प्यूटर सहायक तकनीकी, ई संसाधन, ई अधिगम
उपादान	प्रदत्त कार्य,परियोजना, वैयक्तिक एवं सामूहिक प्रस्तुति

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6
जेंडर समानता के प्रति संवेदन शीलता का विकास केरेंगे।	X	-	-	-	-	-
जेंडर रूढ़ियाँ को दूर करने के उपायों को पाठ्यचर्या में शामिल करने में सक्षम होंगे।	-	X	-	-	-	-
जेंडर शिक्षण युक्तियों को विकसित कर उनके क्रियान्वयन में समर्थ होंगे।	-	-	X	-	-	-
जेंडरअसमानता और प्रतिरोध की अवधारणों को समझ कर विद्यालय एवं समाज में समानता के व्यवहार का प्रचार एवं अनुसरण करने समर्थ होंगे।	-	-	-	X	-	-
जेंडर शिक्षा की मूल अवधारणा को कक्षा कक्ष वातावरण में क्रियान्वित करने में समर्थ होंगे।	-	-	-	-	X	-
विद्यालय में जेंडर समानता को लागू करने में आने वाली समस्याओं का उचित उपायों द्वारा निराकरण में सक्षम होंगे।	-	-	-	-	-	X

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदनलेखन	
निर्धारित अंक/प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	सिंह, अमिता (2015), ''लिंग एवं समाज'' दिल्ली, विवेक प्रकाशन भसीन, कमला, (2000), अंडरस्टैंडिंग जेंडर, कली फोर वूमैन, नई दिल्ली सिंह,वी.एन,सिंह जनमे जय (2013), नारीवाद, जयपुर, रावत प्रकाशन. मिश्रा,एस.के. एवं मिश्रा, ए. (2016). लिंग, विद्यालय और समाज. प्रथम संस्करण, मेरठ: आर. लाल बुक डिपो.
2	संदर्भ-ग्रंथ	टॉग़, रोजमैरी, फै(1989),मिनिस्ट थॉट ए कॉम्प्रिहैंसिव इंट्रोडक्शन, रॉटलैज, लंदन. मेनन, निवेदिता,(2012),सीइंग लाइक ए फैमिनिस्ट, नई दिल्ली, पैंग्विन बुक्स, जुबान. 'शिक्षा में जेंडर विमर्श' राष्ट्रीय फोकस समूह का आधार-पत्र (2008). नई दिल्ली: एन.सी.आर.टी.

3	ई-संसाधन	Gouri Srivastava, Gender Concerns in Education, http://www.ncert.nic.in/ departments/nie/dse/activities/advisory_board/PDF/Genderconcerns.pdf http://el.doccentre.info/eldoc/n00_/01jul96SOA2.pdf: SOCIALACTION VOL. 46 JULY-SEPT. 1996, Curriculum and Gender Question: The Indian Experience Saroj Pandey http://www.bdu.ac.in/cde/docs/ebooks/B.Ed/II/GENDER,%20SCHOOL,%20 SOCIETY%20AND%20INCLUSIVE%20SCHOOL.pdf